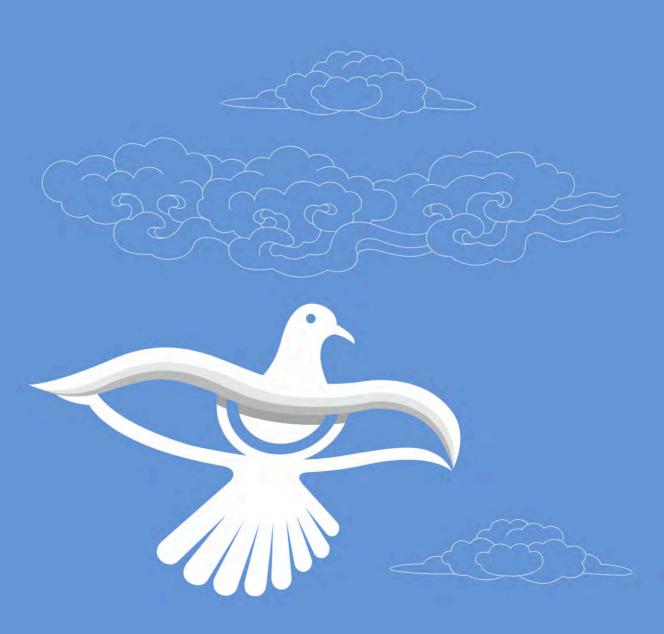


शःश्चितिः ईसि देगः नुषः देन।

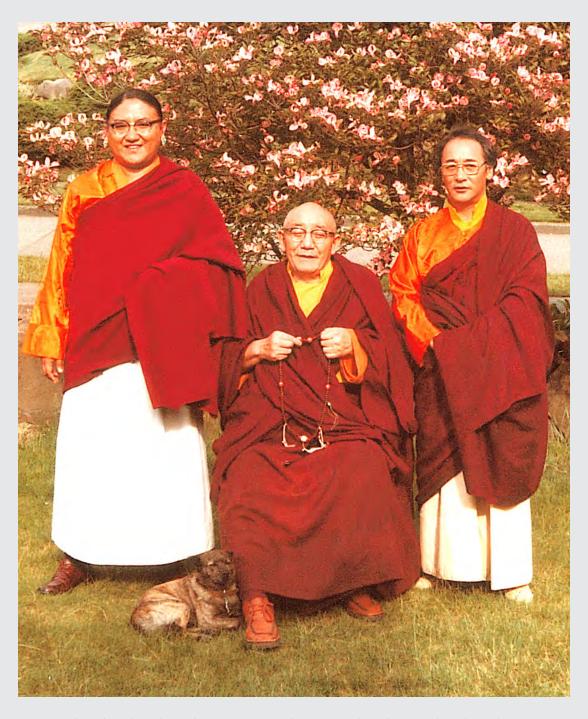
२०१६ श्रुवि:वर्देन:बेट्या ११



#### अष्टर्भरन्द्राच्याचारे प्रत्या केत्र क्षेत्र स्टेश्च क्षेत्र स्टेश स्टेश

ट्टचां त्राचे क्षां त्राच क्षां त्राच क्षां त्राच क्षां त्राच क्षां त्राच क्षां क्षां त्राच क्षां व्याच क्





કૃં.પોલેટ. જાસૂપા શૈતાનુય ત્રામું છે. જોવે. ટ્યોપા તરે વે. ત્રામું ત્રા



१९१५ श्वीतः तर्देवः हेर्या ११

### गर्झे माने मा

कूथ.रैट.र्गर.त्.कूब.श्रिय.वरी

### लग्।चड्रे**≍**.≨त्र.ट्रेग्नेग्।न।

### ≨त्राच्चेच.ता

 $\begin{array}{c} (1) &$ 

### तर्मावु द्वेग अप्तरा

क्रूथ.रीट.र्गर.त्र.क्रूब.श्रुवा.विट.री

### त्रमःश्चित्र'त्रम् अधिय

कूथ.रीट.र्योर.सू.क्रुबा.विट.री

### पत्रेण,चिधिबाक्ष,चिन्दीर,।

Cho Dung Karpo (Sakya Literary Magazine) Gongkar Choede Monastery Laldang Tibetan Colony Plot. Brotiwala, P.O. Vikasnagar Dehradun, Uttarakhand (INDIA) Email: chodungkarpo@gmail.com

# म्काञ्चेनापने। न स्नेत्र

पहिंचा-स्चाब्रःभेचा-पश्चिद्रः तः जब्यः चावद्रः जुनाव्यः कुष्यः नदः पद्धितः प्रतः प्रतः व्यक्षः व्या ।

पवा चचः श्चेच्राव्यः कुर्तः व्याच्यव्यः पर्व्यः व्याच्यः व्याचः व्याच्यः व्याचः वयः व्याचः व्यः

क्ट. श्रीब. ट्वायः भृषः स्यः त्वायः श्रीब. श्रीची ची त्वायः हैं के लेखा लुं कुं त्येषा कुं त्या त्वायः भ्रीव श्री ची विषयः स्यायं स्थायं स्यायं स्थायं स्य

तृषःदेवःद्दःवितःविदःश्वांद्रःषःश्रेश्चवषःअर्वदःश्चेःदेवःश्चःवेदःशःवेदःशःवेदःशःदेवःश्चेदःवर्श्वः। व्यावःबेदःविदःविदःश्चेदःषःश्चेदःषःश्रेश्चवषःअर्वेदःश्चेदःवेदःशुःकेःवश्चवःवर्गवःवेदःशःवेदःशुःवर्श्वःशुःवद्वाः।

ळॅल.रिट.र्यार.त्र्.क्ट्र्ब.श्चियीवट.येली



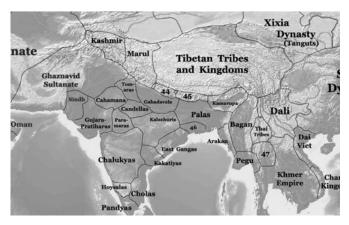
| 97'R59  |     |
|---|-----|
| क्षेत्र-ह्या-अयित्र-ह्यो-ह्यह-द्वे-क्किय-र्य-अ-रेट्। त्रह-र्य-अह-र्य-अ-रेट्।  |     |
| र्में .सूगा र्रेगवा त्यव ग्याय र्वा ते हुते :बे :बॅर ।  | 10  |
| बर्दे.र्चे.राषु.क्षे.बीच.रचेब.चर्डेब.धुँच.च.ट्र.चषु.धुँच.वी.  | 4:  |
| ग्रदः वितः विद्याल्या वितः विद्याले । विदः क्षेत्रः क्षेत्रः विदः विदः विदः विदः विदः विदः विदः विद   |     |
| देव:मबुहःसुम्बर्गःच्हः।युह्यः ह्यहःस्यः न्युः र्याः   | 53  |
| मुन्-हुन्-अर्केन्-मन्नेन्-ग्री-वर्द्-द्र्व्-व्-व-द्युच्-  | 80  |
| ଦନ୍ଦ୍ର, ମଧ୍ୟ, କ୍ଷ୍ମିୟ, ଅଧ୍ୟ, ଯିକ, ଅଧ୍ୟ, ଅ | 97  |
|   |     |
|   |     |
| নভন'নেই   |     |
| श्रुते. पश्चिर. पश्चिर. पृत्रेष. ध्वेत. पश्चेष. श्चेष. पायाष. पठर. ट्रे. बुष. पा  | 127 |



### क्षेव रमा अम्बर्ने न्वर्व कुषार्थ अरेन् वराया धरा अरेन्

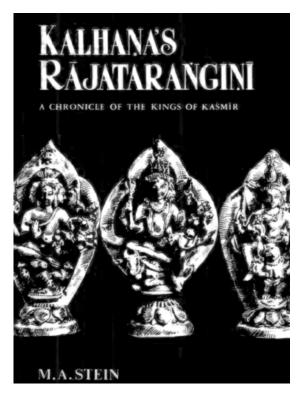
च न्वे'लन्द्र'म्च'व्यास्य (अ'न्द्र)





तम्यान्त्रीयः क्षण्यायः स्ट्रान्द्राः विद्याः त्यायः स्वीतः म्यान्यः स्वीतः स्वायः स्वयः स्वायः स्वयः स्वय

द्रैयः स्टाबा श्रृंवा वीयः द्रीयः (Pir Panjal) रे. टाक्किट्र वाढ्रेयः यद्रीर वाढ्रेयः स्टावः स्वावः वाढ्रेयः व द्रियः स्टाबा श्रृंवा वीव्यः वीव्यः श्रियः श्रुं काव्यः स्ट्री । विः क्रेदेः स्थायः क्रियः स्टायः क्रियः स्टाय रो. प्रोत्ते स्वावः वाढ्रेयः वीव्यः स्वावः (Pir Panjal) रे. टाक्किट्र वाढ्रेयः यद्रेयः विद्रेयः स्वयः स्वय



श्रीन् पर्ट्र सारान्त्रीय न्या क्षेत्र माझ्य (Kalhana) ध्री स्वर्य सारान्त्रीय न्या क्षेत्र सारा क्षेत्र स्वर्य सारा क्षेत्र सारा क्षेत्र सारा क्षेत्र स्वर्य सारा क्षेत्र सारा क्षेत्र स्वर्य सारा क्षेत्र सारा क्षेत्र सारा क्षेत्र स्वर्य सारा क्षेत्र सारा क्षेत

<sup>[1]</sup> Sarla Khosla, Ksemendra and His Times (Socio-Religious & Economic History of Kashimir as Depicted by Ksemendra, Delhi, 2001. 5-6p



यात्मार्थाः विकास स्वात्मा स्वात्म स्वात्मा स्व

लूट्राला लुच्रा-क्षा-बाल्बर लुच्या-क्षेट्र-, ब्रा-स्पर्ट्र-लाट्राशीवश्वा-दाक्ष्य-दाक्ष्य-त्या-क्षेट्र-, ब्रा-स्पर्ट्र-लाट्र-श्री-क्ष्य-त्या-क्ष्य-त्य-क्ष्य-क्ष्य-त्य-क्ष्य-क्ष्य-त्य-क्ष्य-क्ष्य-त्य-क्ष्य-क्ष्य-त्य-क्ष्य-क्ष्य-त्य-क्ष्य-क्ष्य-त्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-त्य-क्ष्

च्याःचितः कुः चेतः स्वायः स्वयः स्वायः स्वयः स्

<sup>[2]</sup> प्रभूत'त्यूर'(र्धे'त्यूर'आ) प्रभूत'त्यूर्राविश्चर'कॅति'र्वर'र्र्वण'र्पर्दे'भूत'वर'।१००० वृष्ण'र्यार्र्वा

<sup>[3]</sup>  $\pi$ ुत्य-र्थं त्यद्दे (782-813 AD)बार्ळव् गावव वै चैत्रु त्या देज्ञ चेत्रः विदः गाः वे बीतः गुः कुत्यः र्थं विया चेत्रु

<sup>[4]</sup> क्वत्य कॅव्य इस्राय के प्रत्य क

द्योतः सः क्रे. प्रंत्यः क्षेटः त्यस्त्रायः संविषाः स्वेषः स्वायः अप्यायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः सः विषाः स्वयः स्



मित्रा क्चिन् क्चेत्र संति क्षेत्र प्रदेश चैक्त्रम् स्थ्या स्या स्थ्या स्थ्या स्थ्या स्थ्या स्थ्या स्थ्या स्थ्या स्थ्या स्थ्या

क्षेत्र-प्रमान्तु-प्रस्थायाः प्रदेशः मृत्यः प्रमान्त्रः प्रमान्त

चश्चराचेतु-श्रेब्र-स्वा-क्ष्रश्चराचक्षश्चयान्त्रस्यात्त्रम्न्त्रात्त्रम्न्त्र्यात्त्रम्न्त्रस्यात्त्रम्न्त्र्यात्त्रम्न्त्रम् चश्चराचेतु-श्रेब्र-स्वा-क्ष्र्यात्त्रम्न्त्रस्यात्त्रम्न्त्रस्यात्त्रम्न्त्रस्यात्त्रम्न्त्रस्यात्त्रम्न्त्रस्यात्त्रम्न्त्रस्यात्त्रम्न्त्रस्यात्त्रम्न्त्रस्यात्त्रम्न्त्रस्यात्त्रम्न्त्रस्यात्त्रम्न्त्रस्यात्त्रम्न्त्रस्यात्त्रम्न्त्रस्यात्त्रम्न्त्रस्यात्त्रम्न्त्रस्यात्त्रम्न्त्रस्यात्त्रम्न्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रम्न्त्रस्यात्त्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्या

$$\begin{split} & \neg \varphi w. \hat{y}. \neg z - \hat{\beta} z. \dot{y}. \not = \hat{\beta}. \neg z - \hat{\beta}. \neg z -$$

<sup>[7]</sup> વદ્દી ત્યારા ક્રિસ ફ્રિંચા સંગ્રા કો. ગુંચ ના કે. બાર્ચ ક્રિયા ક્રિ

र्तु र्र्यक्षंश्वरः (Chaturvarga-samgraha) ब्रेश स्वर्थित हुन स्वर्थित स्वर्धित स्वर्य स्वर्य स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्ध

च्छ्याची मुंदा स्वायाचा क्षेत्र प्रायाचा क्षेत्र प्रायाच क्षेत्



च-५८। ५८a.स्टबा बर्झ-५व.झ८.वक्स्ट.बा चर.पर्थे ब.ता ध्रुंच.बा क्या.व.ध.या.चेष.ध्र.पठवाण्ची.श्रूंप.हीर.पर्ट्य.वीबा.लूरी

त्रस्यूत्य (Narmamala) त्रेत त्यान नेत्यान नेत्यान नेत्यान नेत्यान न्यान न्य

प्रो-प-द्री-प-पर्दे (Ramayanamanjari) प्रकार्श महिन्द्र पर्देश स्वर्ण स्वर्ण मृत्रस्व पर्देश प्राप्त प्राप्त स्वर्ण प्राप्त स्वर्ण स्व

4.06 प्र्युः  $rac{1}{2}$  1.0 क्र्यः 4 क्रेषः 4 के के क्रेषः 4 के के के के के के



### ≅र.चर्गूला चर्डेच,चङ्क,टर.क्रुे,चूपु.शुर.क्षेत्रअस.लुच,लुच,चक,ऊचक,लुचा.थे.लच.ता

વર્ષન્ય. તા. ત્રું. ત્રું. ધ્રું. ધ્રું. છ. શર્ફે. શ્રું ત. ગ્રું. શ્રું. તા. શે. ત્રું. સંગ્રું તે. તા. ત્રું તા. શે. ત્રું. ત્રું છે. લી

| 1.  | Abhinavagupta              | অইব নগু হু।  | 20. | Gangaka         | ম্মুনা             |
|-----|----------------------------|--|-----|-----------------|--------------------|
| 2.  | Amritataranga              | অই। চুচ্ হন্   | 21. | Gunadhaya       | गुहर्नुण           |
| 3.  | Anantaraja                 | अवङ्ग <u>्</u> यह्   | 22. | Harivamsha      | <u> দুখুখু</u>     |
| 4.  | Auchitayavicharacharcha    | জীউচুবির্বুস্বস্থৃ   | 23. | Kalavilasa      | সান্ধু বীন্ধু আ    |
| 5.  | Avasararasasara            | জেন্ব্ৰহ্ম ক্ষুহ্  | 24. | Kalhaṇa         | শস্থিত             |
| 6.  | Banabhatta                 | न्ह इंट्र  | 25. | Kamasutra       | শুমধ্বুদ্ৰ         |
| 7.  | Bharatamanjari             | च्च-<br>च्च-<br>च्च-<br>च्च-<br>च्च-<br>च्च-<br>च्च-<br>च्च- | 26. | kanakajanaki    | শ্চশ্ছ্ৰশূ         |
| 8.  | Bhodisattvavadanakalpalata | र्वेड्डेबड्ड्यन्वगस्यन्।                                     | 27. | karikas         | गरिगा              |
| 9.  | Brihatkatha                | র্ভিন্নরা  | 28. | Kayastha        | ମୁ୴ଞ୍ରା            |
| 10. | Brihatkathamanjari         | र्चिन्त्रम्ब्ययकृत्र   | 29. | King Jayapida   | मुल-स्-ह्लरीटा     |
| 11. | Chandragupta               | র্বন্ধ   | 30. | Kuttanimata     | गुह्रवैयह्         |
| 12. | Charucharya                | <u> </u>   | 31. | Lalitaratnamala | यवी हर हू सूया     |
| 13. | Chaturvarga-samgraha       | র্বদুমন্দ্র<br>ক্রমন্দ্রশ্বস্থ্য                             | 32. | Lavanyanvati    | यपहुद्धे।          |
| 14. | Chitrabharata              | <b>উ</b> চ্ছু <b>ম</b> চৃ                                    | 33. | Lokaparakasha   | র্মুম্বস্মূপ্      |
| 15. | Damodaragupta              | <b>न्बॅ</b> न्स्गुहु।  | 34. | Mahabharata     | য়৵ৢয়ৢৼঢ়ৢ        |
| 16. | Darpadalana                | <i>न्यन्</i> यूक्  | 35. | Mangalacharana  | <b>এ</b> শ্বহ      |
| 17. | Dashavataracharita         | <u>ব্</u> পুবচ্হ <b>র্ড</b> ইনু।                             | 36. | Muktavalikavya  | প্রস্লু বর্মানু বু |
| 18. | Deshopadesha               | देर्नेयदेवा  | 37. | Muladevam       | <u>સુત્યને સ</u> ા |
| 19. | Didda                      | 5 5  | 38. | Munimatamimamsa | য়ৢঀ৾য়ঢ়য়য়ৢ৾য়ৢ |

### व्यायहर्ग

39. Narmamala ব্স্ব্র্থ্ বিদিশাশ্বদুর্ Nitikalpataru **पू5्रग**र्स्सरी 41. Padyakadambari ঘনৰ্ঘন্তু প্ৰিশা 42. Pavanapanchashika 43. purusharthas र्जुक्ष वा সুর্ল্বুঝ 44. Rajavali 45. Ramayana নুঝখুচা नुराधुहराह्ने। 46. Ramayanamanjari ম্চুমুন্য 47. Ratnamala শ্রমান্যসূর্যী Samayamatrika ब्रेच्याम्यर्भा 49. Sevyasevakopadesha র্মঅঘদ্য 50. Somapada গ্রহ্রদ্বশা 51. Suvrittalaka 52. The Ashvamedha "horse sacrifice" ধ্যেপুরীক্ল্যু र्इहरिस्क्विश 53. The Rajatarangini নমঙ্গ্রীশ্ব 54. Vasantika বহুরুর্ছা Vatsaraja বহুণুচা Vatsyayana 57. Vatsyayana Sutrasara বহুপুচঝুহ বিভূমা 58. Vinyasas বিవ্ఞ51 59. Viryabhadra

₽NI

ভূমপুদুশা

60. Vyasa

61. Vyasashtaka



#### 高、エヌム・ロ・ヴ・美士・温・ロ・寒・ナニー {ロヨム・夏トムー}

## ७७। वि.सै.म.र्च्यात्र्यात्र्यात्राच्यात्र्याः युष्टिष्ट्राः श्राप्ताः विश्वाचाः या

स्वा-पर्यः चेट्यः प्रिवा-पर्टेटः कुः त्यकः ग्रीटः ट्र्यूट्या।
स्वा-पर्यः विश्व-प्रिटः सूतुः प्रटः चार्चिवाः क्रावाः विश्वः क्रीचः त्यः त्यः विश्वः क्रीचः त्यः त्यः विश्वः क्रीचः त्यः प्रवाः विश्वः क्रियः त्यः द्यः विश्वः क्रियः त्यः विश्वः विश्वः

 $2^{2} + 2^{$ 

### र्रेन्वे,श्रक्ष्य्यं,श्रेन्य्येसार्चिताताश्चरतात्रेत्रेत्रात्र्यं,त्रियं,श्रेयं,त्रियं,त्रियं,श्रेयं,त्रियं,त्रियं,त्रियं,श्रेयं,त्रियं,त्र्यं,त्रियं,त्रियं,त्रियं,त्रियं,त्रियं,त्रियं,त्रियं,त्रियं,त्रियं,त्रियं,त्रियं,त्रियं,त्रियं,त्रियं,त्रियं,त्रियं,त्रियं,त्रियं

स्वास्त्र स्वास्त स्वास्त्र स्वास्त

ष्पटः तहिषाः चितः स्टात्रोत्यः विश्वायाः विश्वे देनः श्वे अः न्टाः हेषः न्यमः निष्णं विश्वः विश्वः विश्वः विश्व त्रमः श्वेन्। याञ्च पाषः न्टः ॐरः नः त्यः ॲपाषः यानः न्याः श्वेदः शुश्वः न्टः हेषः न्यमः न्याः वीषः नृशेषाषः यः ने न्याः वीः स्टाः निष्वः कैं सितं विञ्च पाषः नृतः विश्वः व

<sup>[1]</sup> देय.मञ्जूमहार्भः हूं सर स्राह्ने

<sup>[2]</sup> देवःगञ्जगराः सः हृः धरः स्र/११०



र्ये. चाब्रजा चर्या चरः क्रिंट नः जबः चाव्र श्रीयः जीटः श्चः पट्टेट न्त्यः चरः क्रिंट न्त्यः प्रांष्ट्र वर्षा क्रीयः श्चे. प्रांच्यः ज्ञेषः नः श्वेषाः जाः चः श्चेट - यट्टेषः नः यु चायः न्त्यः प्रांच्यः च्येट - यञ्चेट - यञ्चेट - यञ्चेट - यञ्चेतः च्येषः चयेषः चयेषः

<sup>[3]</sup> देय.चाञ्चम्बर/सूर्वःस्रः/१९९५

<sup>[4]</sup> देवःमञ्जूषरा/भूःहूःधरःअ/११३

<sup>[5]</sup> देवःगञ्जम् । १२ हुः धरः ॥ १११६

चल्चेर्र-तथा-ब्र-द्र-द्रम्थ-सर-व्यु-अर्क्ब-छ्रेर-ग्रीका-श्चर-प्रकेष-प्रक्ष-प्

#### र्र् ज्ञून्जुे'ह्रगुर्भासे प्रतेन्या विषाप्रश्चरायति खुर्मास्त्री स्तर्भासा

 $\frac{1}{2} \frac{1}{2} \frac{1}{3} \frac{1}$ 

<sup>[6]</sup> र्षे.पर्वेष/रयी.व/क्/४०४

<sup>[7]</sup> ब्रें नब्रुव / न्तु सा/त/१५५

<sup>[8]</sup> देव'गञ्जगरा/र्ह्ने'श्चेद'धर'अ/



शक्ष्यं दें. (ज्यूं) क्षेता-प्ट्र्या युं, प्टाः बैच-युं, स्वाया-लूप-यं, पटा-वृ। शक्ष्यं, युंच-युं, युंचा क्ष्या-पट्ट्या युंचा प्टाया-लया युंच-युंचा प्रत्या-युंचा प्रत्या-युंचा प्रत्या-युंचा प्रत्या-युंचा प्रत्या-युंचा प्रत्या-युंचा प्रत्या-युंचा प्रत्या युंचा प्रत्या-युंचा प्रत्य

<sup>[9]</sup> र्षे.चस्रव/र्यः अ./क्/७५३

<sup>[10]</sup> र्चे'.पर्चर्य/र्च.प्र.४५५७%

<sup>[11]</sup> र्चे.पर्वर्थःशर्चे\४\४४

<sup>[12]</sup> र्बे.चक्रेब\रचि.ध\प\<sub>\</sub>

<sup>[13]</sup> देवःगञ्जगर्यः/भूःहृःधरःसः/१०)

<sup>[14]</sup> महाँट.पर्यंश./४/००

श्चर.स. ५ की.स. १ अथेश. तथता. की.स. स. मुंचर. संबंग्णा स्य. स्ट. की.स. १ अथेश. तथता. की.स. स. मुंचर. संवग्णा स्य. स. मुंचर. श्चर. स. मुंचर. की.स. की.यं. हु की. यं. प्रम. स. मुंचर. से. सी. सूचर. संवग्णा स्वग्णा स्व

<sup>[15]</sup> र्बे.चक्षेष्./र्ट्ये.थ./प्*\७)* 

<sup>[16]</sup> देच:শাস্ত্রশৃষ্ণ/ন/গৃৰ্



ट्याया.याखु.ज्याया.थी.लूट.तपु.झूंबाया.थी.शु.पट्ट.पाखुय.टी.पज्या.टी.याया.कु.कूया.घ.ज्या.या.का.ज्या.टी.याया.ची.याया.कु.कूया.व्या.का.ज्या.ची.याया.ची.याया.कु.कूया.व्या.का.क्या.व्याया.ची.याया.ची.याया.कु.कूया.व्याया.क्या.क्या.व्याया.ची.याया.ची.याया.ची.याया.कु.कूया.व्याया.क्या.व्याया.ची.याया.ची.याया.ची.याया.ची.याया.ची.याया.ची.याया.ची.याया.ची.याया.ची.याया.ची.याया.ची.याया.ची.याया.ची.यायाया.ची.याया.च्या.ची.याया.च्या.ची.याया.ची.याया.ची.याया.ची.याया.ची.याया.ची.याया.ची.याया.ची.याया.ची.याया.ची.

#### गुन्न'निक्षे'पर्नेन'स्थाप्तशुन्न'नित्रं सुन्देन'स्त्रेन'सिक्षेप्र'निक्षेप्र'निक्षेत्र'सि

पर्याचारम् स्थान्या व्यवस्थात् । विद्याचारम् स्थान्य स्थान्य

<sup>[17] &</sup>lt;u>रच</u>.क्र/प्र/५०८

<sup>[18]</sup> देचःगञ्जम्बरः/तः/१९०

<sup>[19]</sup> ङ्रो.पक्षेत्र./र्ये.अ/ज्र/४०८

<sup>[20]</sup> र्षे.चर्षेष/र्यः था.\प\४०४

<sup>[21]</sup> ङ्गे.चङ्गर्यः/दर्यः सः/प्र/४५४

<sup>[22]</sup> देन:गञ्जूग्राः/१५१

म्बद्धाः स्वाप्तः महिन् क्षेत्रः स्वाप्तः स्वापतः स्वाप्तः स्वापतः स

क्रैट-चतुः श्रीः शक्ष्यः सूच्याः जायटः लुः चेयाः यन्नेयः -ट्रीट्-शह्ट्-खुः लुर्म्। सी.श्रीयः ग्रीः चार्षेट-च्याः पर्वायः न्त्रीयः चित्रः पर्वायः क्ष्यायः क्ष्यायः म्यायः न्यायः न्या

लुब.स.ट्र.कु.झज.सर.घशब.क्ट.ट्र.झु.प.शुट.सर.खुबा.चश.खु.ब्रा ट्र.केर.बु.श.लुब.छ्र।ट्र.स्ट्र.खु.सर.ट्र.खु.सर.प्रेब.सथ.पटेज. सप्.तिट्र.सर.कु.चुख.स.च्य.घशथ.क्ट.घ.प्रचय.झथ्य.त.झश्य.जश्च.चेथ.चु.झ्य.सर.चुख.स.क्य.श्चय.स.कूथ.स.च्य.स.च्

<sup>[23]</sup> देवःग्रम् म्यार्भिः श्चीदः धरः स्थायन्य

<sup>[24]</sup> देवःगञ्जगर्गास्यानुगर्गास्यः

<sup>[25]</sup> देव:मञ्जूमर्थ/भुःहु:धर:ब/१३१



य.कुर.रं.लूर.तर.पश्च राष्ट्रिस.र्स्।

श्रुव-सह्मा-स्मूथ-स्प्राच्या स्था विष्या त्या मान्या माय्या माय्या माय्या माय्या माय्या माय्या माया

#### 

 $\frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{1$ 

<sup>[26]</sup> देच'मञ्जूम्बर'/र्ह्वे'श्चेद'धर'सर'स्र/११५

<sup>[27]</sup> देवःगञ्जगर्भाभूःहृःधरःस/१५५

<sup>[28]</sup> देवःगञ्जगराः/भूःहुःधरःसः/१५५५

॔ऄॻॺॱय़**ॸॱॻॺॣॸॱय़**ढ़ऀॱॻऀऄॸॱढ़ॏॸॱॴॸॱॻऻॕॾॕॸॱॸढ़ॱॻॖऀॺॱॻॖॸॱॸॸॱॻऀॱख़॒ॻॱय़ॱख़ॎॕढ़ॱय़ॸॱऄॱढ़ॖॺॱऄॸॱऻऄॺॱॸॸॱॻऀॱय़ॸ॔ॻॱढ़ॏॸ॔ॱ શું.શુંના બા શુના નુશ. ૪૮. મું. ૧૮માં છુટે. બાલે. ૧. જો. છું. તુંના કુલ ૧૮માં ૧૯૫૧ કુલ ૧૬ કુલ ૧૫ મુખ્ય છે. તું ૾શુંષા'તદ્દેવ'રા'ઍન્'રા'કે'સા'પીક'ઍન્'શું। ને'ભ્રુ'ક'પાન'સ્ટ'રેંગ'રા'કે'ઍન્'રા'પીક'ર્સે|| નેતે'છુેસ'સન'રેંગ'રા'ૅંજ્ય'ને'તદ્દેવ'  $+ (1 + \frac{1}{2} + \frac{1}{2}$ ૄ કુમ: ત્રા ત્રેઃ લેંગ: ત્રેઃ ત્રું ત્રું ત્રું ત્રું ત્રું ત્રું ત્રું તારા ક્ષેત્ર: ત્રું ત્રું તે તે ત્રું તે તે કુષ્ કુષ્ણ કુષ र्स्टरिंग ऑस्पराया धीव राया दे किन् ग्रीया दे त्यहिंव राजिया धीव हिं॥ वियार्से ग्याया स्टर्सिंग स्रीत रिया हीन् सम्यापाया स्टर्सिंग स्वापाया स्वापाया स्टर्सिंग स्वापाया स्टर्सिंग स्वापाया स्वापाया स्टर्सिंग स्वापाया स् ढ़ऀॺॱॺऻॹॖॸॺऻॱॺॸॱॻऻॸॱॺऻऄॺॺॱॸढ़ॖॱॺॸॣॕॱ<sup>ॼॎ</sup>ज़ॺॱॻऀॸॱऻॱॾॖॱक़ॕ॓॓॓ॸॱॸ॔ॹ॔ॱॸॸॱऻॖऻॾॱक़ॕ॓॓ॸॱॺऻढ़ॕज़ॱॺॖ॔ॱॸॸड़ॖॱॴऻॱॹॖॱॺऻड़ॗॸ॔ॱ देग'-धर'क्षे'त्रश्चुर'ना। दे'न्वबेद'र्रोब्राय'ग्रीय'न्दर्भा बेय'ग्रायुद्य'-प्रावुद्द्यदे'-द्द्द्येत' 🕮 'त्याप्राप्त देग' क्षेत्र' ब्रेन्-रादे: श्चेरा। बेल' महात्वा इ'रा: वेल'र्नायक' ग्रुम्'। बर'बे'रम' न्मावद' ग्रुं'न्में वाल' हे 'बूम' यर 'ग्रेन्'य्युर' द्या। बा.ग्रीया। यावायाच्चा **इ**बाबाया अ.ज.क्रुंबायाचा हिन् ग्री.क्रन् बा.ग्रीयावश्चार पदी। यमा.ग्रीयायावा यावायाचा विवास - ८८: | बै.च.क्षेत्र:क्क्रीं-.पर्ह्ना<sup>:136</sup> जन्ना चायः हे.स्ट.स्याः ऍट्.श्रेयः यी। इस्रः नेषः द्वाराः हः क्षेत्रः त्युरा। चावतः क्रींटः चः ८८: त्रहोतः च.जबा। ट्व.ज्यूर.ट्री.चतु.ट्या.चबुव.बूं॥ बुब.जूबाबा.वु.अक्ट्व.त.द्य.क्री ट्य.वा.चज.पटी.ट्रूर.चतु.क्रूर.यु.जी.बाब्ट.क्रथ. (यक्ष:रद:र्रेण:ब्रेट्:धर:क्रेब्र:व्रेव्:प्रु:ब्रह्मंचर्व:क्रां

<sup>[29]</sup> देवःगञ्जग्राः/भूःहःयरःसः/१५०

<sup>[30]</sup> देवःगञ्जगर्गानुगरुः हः धरः स्र/१५०)

<sup>[31]</sup> देवःगञ्जगराः/भुःहःधरःसः/१८५

<sup>[32]</sup> ब्रें नगद/सर्दे ब्रें /ठ/१००१

<sup>[33]</sup> देवः मञ्जूषरा/भूः हूः धरः स्र/१०१४

<sup>[34]</sup> ब्रें'नङ्गव/न्तु'व्य/र्ज/५

<sup>[35]</sup> ब्रें'नब्रुब्/न्तु'ब्र/र्ख/रू

<sup>[36]</sup> ब्रें.पष्ट्रव/द्यं.स/त्य/य)



स्था, मुका भा अत्या, श्रीट ताल प्रकार के प्र

ट्र. २. २. १. १ च्या. अवस्था क्री. क्री. क्री. क्री. क्री. जाया प्रमुद्ध स्था. ताचा क्री. क्री

<sup>[37]</sup> ङ्गे.चङ्गद्र./न्तु.स/म/१८१

<sup>[38]</sup> देवःगञ्जगराः/भूःहूःधरःअ/१५८

<sup>[39]</sup> देवःगञ्जषायान्यः हः धरः याः ११५८

ॾॴॴॿॻऻॱॿॺॺॱॾॸॱॻऀॸॱढ़ॼॣज़ॱॻॸॱॻऻॸॣ॔ॺॱॹॖॱॼॣऻ। ढ़ॗॴॱॹऀॻॱॺॱॸॖॖॺॱऄऀॱऺ॔ॻॣऺऺ॔॓ॱॻॣॕॱॻय़ॖॱॻऻॺऺॴऒऀॱक़ॕॸॱक़ॗऀ। ऺॖॱढ़ॎ॔ॱॷऀॻॱॿॖ॓॓ऺ॔ॱऄऀॱॺ॓॓॓॓ढ़ॱॾढ़ॱॾज़ॱॿॗऺॸॱॻऻॿॖ॑ॱज़ॺॱढ़ॿ॔ॺॱॻऻ॔॔ॺग़ॷऀ ॿॖऺॴॱग़ॺॻॣ॔ॱक़ॖ॔ग़ॎॱ॔ॸॱॷॺॴॡॺग़ॎॾज़ढ़ॎॿॣ॓ॸॱक़ॗऀऻ॔ॱज़य़ॖॱॻ॔ॿऀ॓॓ॸॱय़ऀॱॻऻॿऀ॓ॸॱॹऀॻऻॴढ़ॎॸॴऄऀग़ॿऀॴॺॴॎढ़॔॔

क्रीयाचीया साम्राज्य साम्राज्य साम्राज्य साम्राज्य सम्राज्य सम्य

#### ॱज़ज़ॱॸॸॱॱॺॏॺॱॾॕॺॱॻॖऀॱज़ॸज़ॱऄॸॱॱॱक़ॕॺॺॱय़ॱॿख़ॱय़ॎॿॖॸॱॸय़ऀॱॿॖड़ॱॲ॔ॸॱऄज़ॱय़य़ॆॱज़ढ़ॆॸॱय़ॸॹज़ॱॻऻ

वृद्धः स्टः नीः चुद्रः स्तृतः र्वेषः मीः यद्वा स्तृतः स्तृत्वा स्तृत्वा स्तृतः स्तृत्वा स्तृतः स्तृतः स्तृतः स

<sup>[40]</sup> ब्रें.चङ्गब्/न्तुःसः/त्/१०)द

<sup>[41]</sup> भ्रे.चस्रव/न्तु:स/र्छ/र्४

<sup>[42]</sup> देवःगञ्जगस/२६

<sup>[43]</sup> ब्रें'प्रसूद/द्यु'स/त/१५



तः चव का तपुः पुं - प्याः च्चितः क्रीका नाषू व ज्ञाः व व का तपुः च्चाः अक्षवः क्षः भारतः न्यां व प्राः चितः च्याः च्यः च्याः च्याः

चलुर्-तथःसू॥ ६्वाया-र्म्यात्मरकुषावायात्मराचक्षेष्रत्मात्मर्थे स्थावित्रकुष्यात्मर्थे स्वायान्त्रकुष्यात्मरकुष्याव्यात्मरकुष्याव्यात्मरकुष्याव्यात्मरकुष्याव्यात्मरकुष्याव्यात्मरकुष्याव्यात्मरकुष्याव्यात्मरकुष्याव्यात्मरकुष्याव्यात्मरकुष्याव्यात्मरकुष्याव्यात्मरकुष्याव्यात्मरकुष्याव्यात्मरकुष्याव्यात्मरकुष्याव्यात्मरकुष्याव्यात्मरकुष्यात्मरकुष्यात्मरकुष्यात्मरकुष्यात्मरकुष्यात्मरकुष्यात्मरकुष्यात्मरकुष्यात्मरक्षयाः विष्यान्यस्यात्मरक्षयाः विषयाः विषयान्यस्य विषयाः विष

 $\frac{1}{2} \sum_{i=1}^{n} \frac{1}{2} \sum_{i=1}^{n} \frac{$ 

<sup>[44]</sup> क्रें.यगाय.पर्येय./त्यता.कुर्यः/वि/३३०

<sup>[45]</sup> ब्रें न स्नुव/नर्से न स्वाय/गा/५०

<sup>[46]</sup> ङ्गे.पक्षेष्रिष्ट्रीट्य.लुग्ने/२०५

<sup>[47]</sup> 휯'.디잗주/독등'전'(47)

<sup>[48]</sup> ই'বম্ব'/ব্বু'অ/ঠ/গ্ৰ

श्चरः हूं चेब्रास्तरः कुब्राचेब्रास्तरः चित्रेदास्त तुव् हे। हूं ब्राव्याचिह्नः ग्रीक्षाक्षेत्रास्त्रा स्वर्थाः स्वर्धाः वृव्याः वृक्षाः वृव्याः वृक्षाः वृव्याः वृक्षाः वृव्याः वृव्यः विव्यः वृव्यः व्य

 $\sqrt{1}$ યે. ત્રાફ્રેય. ત્રાં ક્રયા સ્ટાફ્રેય. ત્યા સ્ટાફ્રય. ત્ય

<sup>[49]</sup> र्चे'-पङ्गर्व/न्तु'स'/त/१११३

<sup>[50]</sup> र्मे.यक्षेष/र्यः ४/८५/%

<sup>[51]</sup> ब्रें'नङ्गब्र'/नृतु'ख/त्/११५

<sup>[52]</sup> देव:मञ्जूमर्गः भृ दृःधरः स्र । १९९



 $\frac{1}{2}$  प्रि.शंकर त्रांता श्रव्या क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क

द्रम्थानपुः, लयः श्रीयः ग्रीः, चिष्टः प्रिच्यायः श्रीः, देमः विद्याः स्वायः स्वयः स्वायः स्वयः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः स्वय

#### **क्रुंभ**:ग्री'चन्ग'तहेत्र'र्केत्र'र्क्सन्स'सु'चंबेन्'चंबल'तश्चर'चते'द्युत्र'र्केत्र'केत्र'चङ्गत्र'

चाबात है। मूट दें .बेब . प्रट. मूथ . कूथ . ग्री . पर्च . बूब . ब

<sup>[53]</sup> क्रे.पक्षेष्/र्यः अ/प/३०३

त्रमुलासान्नस्थाल्याल्लेब्र-स्थाल्लेब्र-साक्ष्र्यानेव्यलेखासान्नस्याल्लेब्र-साक्ष्रम्याच्याल्लेब्र-साक्ष्रम्यालेब्र-साक्ष्यालेब्र-साक्ष्रम्यालेब्र-साक्ष्रम्यालेब्र-साक्ष्रम्यालेब्र-साक्ष्रम्यालेब्र-साक्ष्यालेब्य-साक्ष्यालेब्य-साक्ष्यालेब्य-साक्ष्यालेब्य-साक्ष्यालेब्य-साक्ष्यालेब्य-साक्ष्यालेब्य-साक्ष्य-साक्ष्य-साक्ष्य-साक्ष्य-साक्ष्य-साक्य-साक्ष्य-साक्ष्य-साक्ष्य-साक्ष्य-साक्ष्य-साक्ष्य-साक्ष्य-साक्ष्य-साक्ष्य-साक्ष्य-साक्ष्य-साक्ष्य-साक्ष्य-साक्ष्य-साक्ष्य-साक्ष्य-साक्ष्य-साक्य-साक्ष्य-साक्य-साक्य-साक्य-साक्य-साक्य-साक्य-साक्य-साक्य-साक्य-साक्य-साक्य-साक्य-साक्य-साक्य-साक्य-साक्य-साक्य-साक्

द्रेव-श्र्-अः श्रुं स्थाः वाश्युं स्थाः यथाः ग्रुः स्थान्यः याः स्थाः स्थाः स्थाः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स श्रुं स्थाः स्

रा.खेट. टटा, श्रम्याच्चित्रापूरच, जा.कूंचा त्तर. प्रजीय. क्री. चोषवर. टचा. जा.बु. शा.लुब. बूं॥ खेळा चोशें य्या तपुर चेळा श्रीय. ट्या प्रचेत्र. या.चे. जा.चु. शा.लुब. बूं॥ खेळा चोशें या श्रायाच्चित्र. ता.च्या प्रचेत्र. त्या प्रचेत्र. ता.च्या प्रचेत्र. त्या प्रचेत्र. ता.च्या प्रचेत्र. ता.च्या प्रचेत्र. ता.च्या प्रचेत्र. ता.च्या प्रचेत्र. त्या प्रचेत्रचेत्र. त्या प्रचेत्र. त्या प्रचेत्रचेत्र. त्या प्रचेत्र. त्या प्रचेत्रच्या प्रचेत्रचेत्र. त्या प्रचेत्रचेत्रचेत्रचेत्रचेत्र. त्या

<sup>[54]</sup> ङ्गे.चङ्गव/दर्गःश्रा/प्र/१५५

<sup>[55]</sup> ब्रें'प्रसूद'/द्यु'स/प/१११)

<sup>[56]</sup> 훶'디칡저/독진'제/정/기상

<sup>[57]</sup> ब्रें पङ्गब्र/न्तु ख/प/१५

<sup>[58]</sup> देवःगञ्जग्राः/र्वेःश्चेटः/धरःसः/१८०

<sup>[59]</sup> ब्रे.पश्चेष/र्य.अ/प/४०४



तपुः क्ष्यःश्चयः सुर् क्षेत्रः श्रूच्यः सूच्यः पः प्वाः च्यः प्वाः प्वाः प्वाः प्वाः विद्यः प्वाः विद्यः स्वाः स्वाः प्वाः विद्यः प्वाः प्वः प्वाः प

<sup>[60]</sup> देच.चाञ्चचाषा./श्रुप्र.च्चेषा.सप्र.श/५०)

<sup>[61]</sup> ক্ন্র্নির্বার্থর ব্রাধ্ব

<sup>[62]</sup> শ্রত্থন:ধ্য-/শ্/ব্যব্

#### *`*ढ़ऀॴॱय़ॱॸ॔ॸॕॴय़ॕॱय़ॸॕॸॱय़ॱॿक़ॱय़ॷॸॱय़य़ऀॱॺॖढ़ॱॲ॔ॸॱऄढ़ॱय़य़ऀॱय़ढ़॓ॸॱय़ॸॷढ़ॱय़ऻ

गुत्र सिंद्य में रस्य परा केत्र प्राय हितः येगाया प्राप्त प्राप्त स्वाप्त प्राप्त प्र प्राप्त ह्मत्र त्युर प्रते त्युवारा त्येवा पार्ट्य प्रते राजी प्रति राजी स्वर क्षेत्र हे<sup>ॱ</sup>शुःर्द्र-तर्वःयःदी। र्देवःर्रः र्देवःश्रेरःग्वेवःथीदःद्य। शुःर्द्रःत्रवःयःत्रुवःशःश्रुवः। र्देवःर्रः र्देवःश्रेरःत्रुवः ત્યાનુત્રાત્વતાનું માનું ત્રાપાલનું તાનુત્રાનું તાનું તાનું કૃષ્ણ તાનું તાનું તાનું તાનું તાનું તાનું તાનું તાનુ ત્યાનુત્રાત્વાનું તાનું તા त्रुषायाः मुष्ठाः धीदाया न्रेर्स्यार्ये न्र्न्यार्ये सेन्याया मिष्ठा स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापित स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वाप रा.झ.पज्ञील.भीब.जया.चाळाज.च.र्ट.रेट्य.भी.पचाज.बुट.। चाज.पे.खुचारा.चावब.राषु.पर्ययाच्याच्या.चीचा.छूचा.छेवा.वी <u>दे-दर्दर्यः बेद-र्-चन्यः पदे-कृषः कॅद-ग्रीः केर्यः पर्दर्भ कृष्णः प्रमाण्यः वृष्णः वृष्णः वृष्णः वृष्णः पदि-दर्दयः</u> ब्रेन्-विषा-सःत्यःतहिषा-ब-विषा-स-न्हेंयःब्रेन्-नु-त्युक्--नुर्षेषा-सःष्युह्न्यःस-न्ह--व्यात्यःविह-। ऋ-वेषा<sup>-(©)</sup> त्यषःग्रुह-। षात्यःहेः र्पतः द्वीरः है। द्येरः द। ङ्वरः पः दहः सुदः पः प्रविद। वेषः गसुरुषः प्रवः दी। सुः गुः दरः देवेः विगः पः गदिषः गर्वेषः गर्वेषः ग्रीयः देषः बः वैवाःयः वैवाःयः ग्रादः तुषः वैवाः क्रुवैः दर्देषः बेदः यथः देः गविषः गविः गविषाःयः तुषः गविषाः तुषः गविषः य पया ने त्या न त्या न त्या महिला प्रति महिला प्रति प्रति विश्व विषय । त्या न त्य 

<sup>[63]</sup> 휯'디잗저/독기(대)(5/기년

<sup>[64]</sup> देव:मञ्जूषार्थात्र:ग्रेख:/धर:ब्राय्यंत्र

<sup>[65]</sup> र्चे.पर्वेष/२८.४/२०)

<sup>[66]</sup> तुङ्गःपूःविः हरेयः मञ्जूषायः/श्रेत्रः च्रीयः धरः स्थाः ४५०

<sup>[67]</sup> देच:मञ्जूमका/१५%



 $\frac{1}{\sqrt{2}} \left( \frac{1}{\sqrt{2}} \left($ 

इ.चुबाइका.चन्ने-(जयाचर्याजा-चार्ट्-, खुट्-, पलचायाना लाचः श्रीयाक्षी. चेत्र्च्याना क्ष्मी. चार्च्याच्याचा चार्च्-, खुट्-, पलचायाना लाचः श्रीयाक्षी. चित्रं स्थाना खुचाना ज्याचा चार्च्या चार्या चार्या चार्च्या चार्च्या चार्च्या चार्च्या चार्च्या चार्च्या चार्च्या चार्या चार्च्या चार्च्या चार्च्या चार्या चार्च्या चार्च्या चार्च्या चार्च्या चार्च्या चार्च्या चार्या चार्या

24.2 - 24.3 +

<sup>[68]</sup> ट्रेच.चाञ्चचारा/सृ.हृ.धर.श/८५/

<sup>[69]</sup> सू हू : धर : अ/दे य : माञ्जू मारा/१५%

<sup>[70]</sup> ङ्गे.चगाय/सया.क्रेक्/वि/१११)

<sup>[71]</sup> ङ्गे.चगाय/सया.क्रेब्र/पा/१११)

<sup>[72]</sup> ब्रें'नङ्गव/न्तु'स/५/१५

द्रा र्वा का अप्तान्त्र के अप्तान्त्र स्व का स स्व का स्व

<sup>[73]</sup> र्बे.चक्रेब्\र्च. व्य. प्रा./ता/ग्रेत

<sup>[74]</sup> देवःगञ्जगर्भाभुःहःसरःस/१९०



<u>२ म. लूट. प्रेट. प्रेट. प्रथा में थे. पर्य से इंब. जूरी के. या रूप प्रथा हैं अ. जूरी के. या रूप प्राप्त के. जूरी के. या रूप प्रथा हैं अ. जूरी के. या रूप प्रथा हैं अ. जूरी के. या रूप प्रथा के अ. या रूप प्रथा के अ. या रूप प्रथा के. या रूप प्</u> म्। पॅर्-रार-त्युर-विर-। येर-द-वेयवार्व-दिन्द्रियः मुन-पर-मुन-त्येद-पर्य-युव-यविर-पर-मुन-विर-द्रियः त्यरः वस्रवारु निर्मात्रा विकासी विकास ટ્રૈજાનાથીન નથા ફ્રીન જેચર્ચાન્ડન પોંદાયેદ ટ્રૈજાનાથીના દરાર્ધેત્રાસુરના શેચર્ચાન્ડન ક્રીન જાયોદાનાના કુરાવધેન यव्यान्त्राच्यान्तात्राच्यान्ताः स्वान्त्राच्यान्याः स्वान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त ऍट्र-चर्सु दिवा वीय तर्देत्। ऍट्र स्था दिवा चर्रा हता दिट्र। येट्र स्थु हिट्र गुट्र मुट्र त्येद्र रादे सुवाय सुरवाय वाहेया  $+ \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2} -$ वया रेगवात्वयाद्रमः बी: यह्रवः परी: रेगवार्ह्या परी: पर्: पर्: पर्: पर्: वेव योदः परी: हेवा पर्ह्या मह्रयः मव अद्रा द्वारा वित्र तृ क्षेत्र द्वातः चित्र क्षेत्र द्वावद्वात् अद्र विवादा वित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र द्वात् व्यवद्वात् विवादा व विवादा मञ्जूमारा रुवः श्रीवः परिः स्वः श्रीवः ग्रीकः वया सायतः मारः कुः स्विनः प्रीः स्वार्थः स्वेनः स्वेमार्थः प्रवः स्वी। न्यायः ૄ કુરાલું જાત્માના કુરાયા કુરાયા કુરાયા જાતા કુરાયા કુરાયા કુરાયા કુરાયા કુરાયા કુરાયા કુરાયા કુરાયા કુરાયા કુ  $-12^{2} + 3$ ळेंबा:मुक्तेमा:बबा:बळ्मा:ब:मुक्ता:मुदा:प्रतः विषा:ध:पविषु:धेषु:धवा:पविषा:ध। यवाय:धाः दें:घ:पुर:धेष:ब:पुरमा:क्री:वर्द्र: रापुः चीर्या कथः क्री प्रीचाया थी. राष्ट्रा चीया पर्दिया राष्ट्रा प्रीचा चीया कूँया राष्ट्रा थीया परः क्रिया श्रीया श्रीय श्रीया श्रीय श्रीया श्रीय श ८ दूर्या. त्रा. त्रा. त्या. तर्या. तर्या. वर्षा. वर्षा. वर्षा. वर्षा. वर्षा. तर्या. वर्षा. वर्षा. तर्या. वर्षा. वर ह्य-देवायाच्ची-प्रवाचिवा-प्रवाचिवा-प्रवाचित्-विवर्तः वित्तः वित्तः वित्तः वित्तः विवर्तः वित्तः वितः वित्तः वित्त 

<sup>[76]</sup> देवःगञ्जगर्गासुःहःधरःसा/१६५



4

गुत्र अधित क्रेत रॅंदि क्षे प्रदा तेत्र प्रचेत । या पर्द के हि र्डंट वि प्रायः ह्रेत्र प्रायः दि त । या पर्दे त । वि गर्यर-४०.ग्री.र्ट्रेब.ज.झेंच्य.त.चेंब.तपु.य.बी.य.बी.य.बीच.जा रेंब.हीब.थी.यी.य.चेंच.या.तयी अर्ट्र.विश्व.वेंच्य.या.चेंच.रेंच्य.त्य. ୯୯୭ - ୯୯ `<del>ऍ</del>ॱहेॱबेग'पते'ग्वर'त्य'णर'। बुब'ॲर'ब'णेब'पते'ग्र्न'अबत'र्य'तृ'बर'ऍ'यरुष'य'णेब'त्य|*दे'द्ग*'र्र्रा'वेद'ग्रीष'ग्रुर' શું ભૂરા તરફાત પંતે શુવા અદ્યવ દે અદે શુદ્ધ શું ગાત તે કરા કરા હતું તે છે. ત્યા ભૂરા અર્દ્ધત છે તે પાયા વાયા સાથ <u> दे.चट.२.त्वेचेश.तपु.थ.क्रूचेव.जीट.अक्ट्र.तर.पूराचेट.इय.वट्चे.ची.ची.वी.वी.वी.ची.इश्वा.जीट.श्रृं</u> हे। बेरा-रुष:पदि:श्रु:चॅ:इस्रारा:स्रेर-स्हेग-हेर-पत्य:पदि:ह्या-त्या:गुर-धॅर-रुगद:पदि:श्रुर-दिवरा-रूट-र्श्वेर-ॐग-र्गादी: क्रम्याः सूराः क्षेत्रयाः पार्यम् । पार्वे । पार चतुःक्क्र्या-प्रतिज्ञ±श्रम्। यञ्च-त्र्य-दश्च-व-योध्याक्री:खेय-दानुष्या बेय-यशुद्रय-दान्दी क्र्य-पर्श्नुः पर्यः अर्थः चिरःक्ष्यः र्षात्राचनपतः मुं स्वर् ग्री। रेगवा वे अर्ळव अर्गा त्या प्रवा वेवा। वेवा राष्ट्रर स्वावा कृत प्रता गरीया ग्रीवा सुवा रावे र र्ट्ट ह्माबा अर्देव पर माबला पर्दः बला माबुट क्षेट र्धे उव है। क्ष्रियबादी उंबा बीव पा केट मी बनाया दि माबुट क रतः द्वाः तथा गुरः क्रेषः वाषायः तरः अर्देषः है। यदै । यदः वै । रहः ठवा । यकदः ईंदः ईंखः वाशुःखः यः बुवाषाः यः इखषः ग्रीषः हेषः शुः पञ्चप:न्रॉष:धते:श्रेष:न्धे:<u>च</u>्च:न्द:च्य:प:बेष:ग्रॉ।

त्र्यूं.  $\pm$ श्चात्मर बिशा चया लाट्या श्रिष्ठिय त्राप्त प्रति प्रति प्रति त्या स्त्रिय त्या विष्य त्या प्रति त्या स्त्रिय त्य स्त्रिय त्या स्त्रिय त्या स्त्रिय त्या स्त्रिय त्या स्त्रिय त्य स्त्रिय त्या स्त्रिय त्या स्त्रिय त्या स्त्रिय त्या स्त्रिय त्य स्त्रिय त्या स्त्रिय त्या स्त्रिय त्या स्त्रिय त्या स्त्रिय त्य स्त्र स्त्रिय त्या स्त्रिय त्या स्त्रिय स्त्र स्त्र स्त्र स्त्य

<sup>[77]</sup> र्वेन् ग्री गर्डुन यम विवान्य मिन प्राप्त स्था १९५

<sup>[78]</sup> देवःगञ्जगम्भुःहुःधरःस/१०५



कुर्भे अवतः द्रमः छुर्भः राज्ञः अर्भः विमा देअः मृत्रेषः अवतः द्रमः छुर्भः सार्वः सुष्यः सार् क्रूष्ट्रमः स्वर बावब म्वब से न हे त्या क्षेप्र स्वा के देते हो न से का बाव के कि से कि से कि से स . ८८। ग्राज्ञ, याञ्चेतः म्राज्ञ, प्राप्त क्षायाः पर्दरः मुखायते प्रमुषः प्राया। ययः क्षेत्रः विषाः प्राप्तः विषाः भूति । ब्रेन् ड्रेन्र्रं अर्ह्न् धरे रहें हाया विषय्त्रा विषया प्रति न्ड्या क्षेत्र क्षेत्र विष्या स्था स्था स्था स्थ चन्द्र-नेत्र-चित्र-चर्षुन्य। क्रॅंत्र-सेन्-द्रनु-सित्-सित्-सेन्द्र-सेन्-पा-या। देव-मह्य-स-दर्भा दर्म्य-स्त्र-द्रमा-र्येषा दर्म्य-सित्-स्त्र-स्त् ग्रेब्र-चिता हे. पर्श्वर द्वारा प्राचा तर्मेब्र चिता पर्मेब्र चिता प्राचा प्राची प्राच मिल्रासुम्बर्भाक्षात्रे विष्याचित्रा प्रति दिन्ना स्टान्ने विष्टी अवामिल्या स्वाप्त अधिकारम् । विष्यानिक्रा सम् - ८८. द्या अर्द्ध्याया अर्थः अर्थः अर्थः विषा। अर्थः ४. द्या अर्थः या अर्थः या अर्थः या विष्यः या विष्यः विष्य गह्मरूपः प्रतः अर्क्षेद्रः अप्रिकः अरः त्रवुः अपः वीः नृतुः व दश्यः योः भूरः हेः भूदः वेदः गह्मरः परिः भूवः केद *न्*ण-गीष-र्जेय-अन्-पर्ठेष-अन्-रोष-हे-र्छेन-पि-प-प-प-र्नेन-ए-ब-गीष-नर्जेन-प-अर्*न-प-प-वि-प-वि-अपवर्ग-प-सु-*विग-गी-ह्रय-ह्यर त्यारा गुरा सहत्य पुता तु सारा ह्या ह्या ह्या स्वाप ति स्तु पति पत् तु र गुर्वे सामित स्वाप सारा हिता प्री सामित स्वाप सामित स्वाप स् <u> च्चेन्-५ मॅल-२ॅ्व-७८-६-७५ विषा-७५-५५ त्रापुत-अधिक-ळे</u>ब-२ॅल-ग्लुर-ग्ले-५तुगल-५नुह्न-हे-ष्ट्र-अर्हन-ऋ्रय-५८८-२ॅ्वाल-सा

## वर,बैट,रूब,टंंश,चांद्रेक्ष,ग्री,क्षेत्र,चंचच,विष,ञ्चट,ञ्चर,त्रंच,तर,चक्षेष्व,ता

हे 'त्रा' माने का 'त्रां माने वा 'त्रा' माने का माने क क्रिया का माने का क्रिया माने का क्रिया माने का माने

 $\Box (a_1, \underline{a}) \cdot \underline{A} + \underline{A} \cdot \underline{A$ 

चानुका सक्षा दे निर्मा क्षा स्वाप्त स्वापत स्व

प्य-ग्र-भूंम- ह्युन क्रेब-ऑ- त्या प्रदेश- द्या प्रदेश- प्राय क्ष्य- क्ष्य- प्राय- क्ष्य- क्ष्य- प्राय- क्ष्य- क्षय- क्ष्य- क्ष्य- क्ष्य- क्ष्य- क्ष्य- क्ष्य- क्ष्य- क्ष्य- क्षय- क्षय-

<sup>[79]</sup> मुश्रम: तमुझ/स/सू: स्रति: समः स/१५५

<sup>[80]</sup> चिर्यट.पर्चेश/स्रं-धपु.सर.श/३५४

<sup>[81]</sup> महीट.परीश./मो/८

<sup>[82]</sup> 휯'디잗저/도딘'씨'



त्याया याद्यास्या स्वाप्ता स्व स्वाप्ता सः त्रेया त्रेया क्षेत्र प्रता क्षेत्र स्वाप्ता स्वा

त्तम् विद्रास्त्राह्चीः अप्याप्त्याण्याः विवाद्यायान्त्रात्र्यः क्ष्याः विद्रास्त्रायाः विद्रास्त्रायः विद्रास्त्रास्त्रायः विद्रास्त्रायः विद

<sup>[83]</sup> 휯·디뭙저/톤/৫°

<sup>[84]</sup> ङ्री:पङ्गद्र-/न्तु:स/रा/११४

## *सन्त्राञ्चराञ्चे प्रोपे देशचेत्राचेत्राचुः* अद्वित्रहृत्याः वृत्र् वर्षेत्रः अत्राचनः पङ्गताः

त्रिया पार्रा त्रीया प्राप्त **इ. वेथा प्रीया ता क्रूया याथा स्**याथा याथा ही पार्या प्राप्त प्राप्त वा स्था वेथा स्याय

<sup>[85]</sup> ब्रें'नगद/न्गॅ्व'न्हेग्ब/८/५०

<sup>[86]</sup> 활·디탈적/독립·제/제/9속



 $g(x) = \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right) + \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2} -$ 

<sup>[87]</sup> देव:मञ्जूषरा/भू:हू:धर:ब/१११०

<sup>[88]</sup> देवःगञ्जग्राश्वःहःधरःअ/१७१

पश्चिमः प्रतिः भूषिः अह्यः प्राचीत्रात् अत्याचीत्रात् सायः त्याः प्रति स्त्रात् स्त्र

 $\frac{1}{\sqrt{4}} \frac{1}{\sqrt{4}} \frac{1}{\sqrt{4}$ 

#### पर्ररःश्चेयाःया

<sup>[89]</sup> देवःगञ्जाबाराः/भूःहःधरःसः/१५५



हील. दे. श्वेच. होथ. त्यीक. त्या. हैं, लहीं तह. चीटा की. चीकेट. प्रचा त्याय. कुचा. प्रचा हीय. हो। प्रचा कीय. की. त्यीचा. ची. त्या. हीय. अष्ट्रची. की. त्या. चया. तया. तया. तया. कुचा. कुचा. कुचा. की. त्या. चया. तया. कुचा. की. त्या. चया. कुचा. की. त्या. चया. व्या. व

# ७७। सर्रे हैं पर स्नु गुन रन्य र न्यू अ ह्यू र न दें विर ह्यू र तु ति अ हा न तु न अ से ।

अध्यात्रीयः यञ्जेषः मनः ग्रम्भा (सःश्चे अत्र्र्येषः)

चर.तपु.जश.शकूच.कूज.त्य.पाजूब.क्.जुश्रा चर.तपु.जश.शक्ष्य.पाजुह्य.कूज्य.पाजुह्य.कूज्य.पाजुह्य.कु.ज्ञ.ज्ञा चर.योथ्ट.र्ट्य.श्रद्य.थ्य.पाजुह्य.कु.ज्ञा.च्य.ज्ञा.कुच.ज्ञा

मुत्य-पतिः प्रमातः त्यान्ते मृतः यद्यतः यद्वा । यह्या रुषः प्रमातः त्या स्वातः प्रमातः यद्यतः विष्यः प्रविदः ।। वह्या रुषः प्रमातः त्या स्वातः विषयः प्रविदः ।। देशा स्वातः विषयः स्वातः स्वातः विषयः प्रविदः ।।

 $\vec{\theta} = \frac{1}{2} \vec{\theta} \cdot \vec{\theta}$ 

<sup>[1]</sup> रूपः क्रूंबः वश्चरः त्रम् या प्रत्। वा  $\int$  ग्रुवः अद्यतेः त्र्व्यंप्रयः त्र्वे स्वाः त्रम् त्र



पत्ति, युश्चायाची ब्रूचार की ट्री-सु-स-स-स्थाय विकाय विकाय की स्थाय की स्थ

गटासूरायर् से पार्वे नुदार्घेषा सापि से पार्वे का तथा पाद्र का प्राप्त से पार्वे के पा

<sup>[2]</sup> क्रे. र में. र क्रें य तक्किय तक्किय। र ति या क्र. या 🔰 र में मा मारणा ५३

<sup>[3]</sup> र्न्न, प्रमेष . पश्चिम श्चिम गाना ने भूवा ग्रम्ब ५

<sup>[2]</sup> र्या.स् मानवर्षः स्टर्से स्टर्से स्टर्से स्वरूपः स्वरूपः स्वरूपः स्टर्से स्वरूपः स्टर्मे स्वरूपः स्वरूपः

चवा-तः सूचायः सन्ध्यः स-दे स-दे स्थान् स्थान् स्थान् स्थान्य स्थान्य

क्षेत्र.ची जिथानाःसूच्याः सप्तुः चिष्यः श्रीच्याः क्ष्यः क्षेत्रः स्वास्त्र स्थाः त्याः स्वास्त्र स्थाः स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्थाः स्वास्त्र स्थाः

<sup>[6]</sup> यक्षेष्रत्युर-र्न्य-त्रेष्ठ-राबो प्रस्ता ह्रो | भर्म खेषा कर्म अप उद्गे अप स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्व प्रमुष्य स्वापन स्व

<sup>[7]</sup> त्र प्रत्याक्ष्यात्र प्रत्याप्त क्ष्यात् वृत्ता विष्यात्र क्ष्यात् वृत्यात्र प्रत्यात्र क्ष्यात् वृत्यात्र क्ष्यात्र क्ष्यात्र क्ष्यात् वृत्यात्र क्ष्यात्र क्ष्यात्र क्ष्यात् वृत्यात्र क्ष्यात्र क्ष्यात्र क्ष्यात्र क्ष्यात्र क्ष्यात्र क्ष्यात् वृत्यात्र क्ष्यात्र क्ष्य

<sup>[8]</sup> शहूर् त्योलाशहूर्य तपुः भ्रेष्ठ तथा। "शहूर श्रे तथा पार्ट्य। स्वाधित स्

<sup>[9]</sup> र्षे.रची.पर्षेत्र.पजीर्या क्ष्ट्र.शो क्ष्रे 🕽 चूंचा.चीर्या जूर

# **्रि** विन'तहग

तपुः निह्मान् भूम् स्वास्त्र भूम् स्वास्त्र स

प्र्याम्यात्रस्य क्ष्यां स्वित्त्रस्य स्वात्रम्य स्वा ।

बा विकार प्राप्त स्वित्त क्ष्यां स्वाय्य स्वायां ।

बा विकार प्राप्त स्वाय्य स्वाय्य स्वाय्य स्वायं ।

बा विकार प्राप्त स्वाय्य स्वायं स्वयं स्वय

 $\xi$ -प्रतिब्दः  $\xi$ -प्रतिव्येतः प्रतिन्त्रं  $\xi$ -प्रतिव्येतः प्रतिन्त्रं  $\xi$ -प्रतिन्त्रं  $\xi$ -प्रतिन्त्रं तिन्त्रं त

<sup>[10]</sup> क्र्यास्यात्रीय। यस्यारीया

<sup>[11]</sup> र्कट्-श्र-इस्राय्ज्ञीया क्र्ट्-श्चिटायेत्री

<sup>[12]</sup> र्ळन् स्याद्येया र्ळन् स्रूपायेतु।

इं.चेर्-पर्याश्चर-री-प्रश्चर-प्राच्चेश्वर-प्राचेश्वर-प्राचेश्वर-श्चेर-श्चेर-श्चेर-श्चेश-श्चर-प्राच्चेश-श्चर-प्राचीश-प्राचीश

चेश्वर्यात्त्रम् ।  $\frac{1}{2}$  च्यात्त्रम् क्ष्रां क्ष्रम् स्वात्त्रम् स्वात्त्रम् क्ष्रम् स्वात्त्रम् स्वात्त्रम् ।  $\frac{1}{2}$  स्वात्त्रम् स्वात्त्रम् क्ष्रम् स्वात्त्रम् स्वात्त्यात्त्रम् स्वात्त्रम् स्वात्त्रम् स्वात्त्रम् स्वात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम् स्वात्त्रम्यात्

#### चानुस्राद्मायस्राष्ट्रीःश्लॅराया

પ્રાચાના ત્રાસ્ત્રાના પ્રદ્યાના પ્રદ્યાના ત્રાસ્ત્રા ત્રામાં ત્રાસ્ત્રા ત્રામાં ત્રાસ્ત્રા ત્રામાં ત્રામા ત્રામાં ત્રામા ત્ર

 $<sup>[14] \ \ \, \</sup>Box \not \in J \ \, \exists u \ \, u \ \, \exists u \ \, u \ \, \exists u \ \, u \ \, \exists u \ \, u \ \, \exists u \ \, \exists u \ \, \exists u \ \, u \ \, \exists u \ \, u \ \, \exists u \ \, u \ \, u \ \, u \ \, \exists u \ \, u$ 



<u>च.र्षेय.यर्पय, व.रा.श्रूच, श्रीय.री.शबूच. च.र्थशूच्ट.जा शबूच. च.री.शुच.त्र्यश्रीय.ता.र्श्नुयाज्ञा मूथाय.ता.यघर.</u> ଷ୍ଟିୟ'ଧ୍ୟର୍ଷ'ର୍ଧ୍ଭ୍ୟ'ୟାଷ୍ଟ୍ର'ୟୁ'ଭଁଟ୍ୟ'ଣ୍ଡ୍ରି'ଟ୍ଟ'ଷଞ୍ଚଟ୍ୟା ଟିର୍ଟ୍ରେମ୍ପ୍ୟମ୍ୟମ୍ପ୍ରଷ୍ଟମ୍ୟରି'ୟମ୍ମ୍ୟମ୍ବ୍ରମ୍ୟମ୍ୟର୍ମ୍ୟ `<del>हॅ</del>णक'रा'ङ्क'र्'त्र्जॅ्'र्क्क'रीट'। दे'ल'अर्झेट'लअ'ङ्क'र्'त्र्जॅ्'र्क्का। यदेव'रा'अर्देव'र्खुअ'र्'अर्झेट'य'ल'दे'ङ्क्केंआरा'ङ्क् र् त्यॅ र्वेषा क्वेंयायायायक्वेंयानु रे वेषाप्तयानुष्याम्वर्याय्यायवार्षयाय्येषायायायायायायायायायायायायायायाया દેવદ:અર્કેદ:બચ:ગ્રુંચ:गુર્સ:વદ્યાયા:ગ્રું:વદ્યા:ત્રું:વદ:વરુષ:વદ:શ્રુંવ:વ:ગુર્સ:વદ્યાયા:ગ્રું:ಹ:ફ્રચમ:ર્સૂદ:લેદ:નર્સ્સ્રાયા:ગ્રુંસ:બચ:ગ્રુંષ: ॅर्चन'तुष'कृंद'ङ्घेन'र्चअ'र्श्वेन'न'धेद'य| इन'रोअष'ग्रीक'ग्रीन'नको'रु'स्नेन'तु'अर्वेन'र्श्वेअ'ग्विक'ग्वेक'नविष' ત્યાનર્શેન્ નામાનુંના માર્યા કુતાના ક ৾ঽ৾ঀ৾৾৾৽৾ঀয়৾৽ড়ঀ৾য়৽ৼৼ৾৽ঀড়য়৽য়৽য়৾ঀ৽ড়ৼ৽য়ৼ৽য়য়৽ৼৼ৽ড়য়৽ড়ৼৼ৽ঀ৸য়ৢ৾ঀ৽ৼ৾য়য়৽ঢ়ড়ৢয়৽য়ৢ৾য়৽য়ৢঢ়য়৽য়ৢ৾য়৽য়ৢঢ়য়৽য়ৢঢ়য়৽য়ৢঢ়য়৽য়ঢ়য়৽য়ঢ়য়৽য়ঢ়য়৽য় . उ.चिरःद्ध्यःस्य। । प्रमायः मृत्र्वः महतः हेत्रः ग्रेषाः तः गुत्र। । हेत्रः सः त्रैः मरमः मुकः कें। । प्रमेः उ ः द्वेः तः देः सरमः मुकः हे। देः गविषात्रे के कि स्टेर दे विष्ठ के गाँध नार्या नाया नाया नाया के कि स्वाप्त के कि स्वाप्त के कि स्वाप्त के कि स वड़िन्-पर्व-ळ-न्न-अह्द-प-इअष-द्रष-वर्ड-प्रे| इन-द्ध्व-ग्री-पर-न्-क्रीन-पर-ड़ेन-न्। "वेष-क्रूंद-प-न्न-पर्व-दुव-र्-न्। चै।हेबात्व्रतः अर्दे :ब्रेग्यते त्देंदाः द्ध्याः धेवः प्याया वे र्क्षया आदाः देवाबा प्यति हेबात्व्यतः वी अर्दे :ब्रेग्यवा वे प्रवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास त्यः स्वायः रामः त्र्योत्यः राम् दः त्यावयः भीवाः देयः रामः न् वीयः त्याः भूवाः रामः नुः गात्रः अधितः न् । असे असे असे व्यायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः स्ययः स्वयः स गश्रुया। ञ्ल. गश्रुया: भेषा प्रवेश प्रवेश प्रवेश । । । विषय: । । विषय: । । विषय: विषय: विषय: विषय: विषय: विषय: ब-देवै-वॉर्यर-ल-पञ्जी-लेखका-द्यव-देव-धर-वर्द्द-द्येव-धर-क्षुब-धर-। दे-क्षुर-वि-य्वव-प्यव-धरी-युब्द-द-धर-ख-स्या वित्रः इस त्रीयः सँग्रायस्य गुर्यः सर्दि गीः सुग्रायः देरः द्रग्रायः विवा ग्वरः सेदः स्रायः रे विवा द्युदः ग्विरः स्रायः स्रा

#### चश्चित्र,त्यच्य,र्यपु,श्च्रूर,जा

पर्चियान्तः वे.पत्तवायान्त्रः अस्य म्ह्रेवायाः त्रीयाः प्रवायाः प्रवायाः प्रवायाः प्रवायाः प्रवायाः प्रवायाः व

<sup>[12]</sup> बर्ह्स्न-रहः तज्ञील। क्री-रह्मेन्न तक्ष्मेन्न वर्ष्मेन्न वर्ष्मेन्न या

 $<sup>[16] \</sup>qquad \hbox{$\eta = \eta = 0$} \ \, 4 - 1 \ \, 4 - 1 \ \, 4 - 1 \ \, 4 - 1 \ \, 4 \$ 

वेब. ह्र्य. ग्री. क्रं. हं स्-ता. श्रॅच. ग्रीच. ग्रीच. त्या. वेब. ह्या. श्रॅच. ता. त्या. वेब. ह्या. श्रेच. ता. व्या. वेब. ह्या. श्रेच. ता. व्या. वेब. ह्या. श्रेच. ता. व्या. वेब. ह्या. वेया. वेब. ह्या. वेया. वेवया. वेया. वेया.

त्र.ना | विषयः क्री. ट्र.चूं. चर्षेच्यायानाः सुया | वृष्यः ह्र्च्याः क्ष्र्यः प्रस्तायाः न्याः ह्र्यः क्ष्र्यः ह्र्यः क्ष्र्यः च्याः वृष्यः विष्यः वृष्यः विष्यः वृष्यः विष्यः वृष्यः विष्यः व

चकारमः क्रियालाबुः श्रूचात्त्रवाद्विम् तावाद्विम् साम् विम्यानावाद्विम् साम विम्यानावाद्विम्यम साम विम्यानावाद्विम् साम विम्यानावाद्विम् साम विम्यानावाद्य साम विम्यानावाद्विम्यम साम विम्यानावाद्विम्यम साम विम्यानावाद्यम्यम साम विम्यानावाद्विम्यम साम विम्यानावाद्विम्यम साम विम्यानाव

अ.स्. अधिबे.त. क्षेत्रका बेल. तबीट. की विस्त की तम् देश हो तम् वीट्रा की तम् विस्त की त्रा की तम् विस्त की विस्त की विस्त की विस्त की तम् विस्त की तम्य की तम् विस्त की तम्य की तम् विस्त की तम् विस की तम् विस्त की तम् विस

त्तुः क्ट्र-अपुः र्टाटः रें. त्रियः ता, त्रुयः क्री. बुयः या श्वेटः या प्राप्ति च्या या यो प्राप्ता व्या विद्या व

<sup>[20]</sup> र्ळन् साइसायग्रीया र्ळन् स्रीय त्येता



ૹુંદ્ર-దર.ఖేંષ.ૹદ્ર-ત.જુંદ્ર-તથ.સેં.પોર્થેજા.દ્યો.ક્રજા.વર્ષવો.દેદ.જાયેજા.કૃષ.ત્રુપ.લદ્યો.જુષ.ત.સૂંપોયા.વદ્દ્ર-દ્યો તર.પોર્થયે.સંત્ર-જાદ્ય.તાલેષ્ય.સેં.સેંપ્યાયા.તેંદ્ર-ત્યાં કૃષ્ય.યો.લેષ.યો.લેષ.ય



▣ ট্র'শশুন'রুন'। {প্লব'ন্ট্রন'।}

# न्द्रतः व्यव्याद्यात् । व्यव्याद्यात् । व्यव्याद्यात् । व्यव्याद्यात् । व्यव्याद्यात् । व्यव्याद्यात् । व्यव्य व्यव्याद्यात् । व्यव्याद्यात् । व्यव्याद्यात् । व्यव्याद्यात् । व्यव्याद्यात् । व्यव्याद्यात् । व्यव्याद्यात् ।

Analytical focus on the origin of the Tibetan poetry and its lyric tradition related to the ancient Bon Religious Tradition

#### [ব্রু-পূর্ব-প্রস্থার

 $[\exists \Xi. \varpi Z. d \underline{g}. \underline{\varphi}]$  लेट. दूव. जेव. जेव. हुंच. हुंच. हुंच. हुंच. जेव. हुंच. हुंच.

चित्र । क्षेत्र स्वा क्षेत्र क्षेत्र विश्व क्षेत्र क्षेत्र विश्व क्षेत्र विश्व क्षेत्र स्वा क्

# য়ৢঽ৾৻ঀয়ৣ৾ঢ়৻ৼৢ৸৻৴ঀৼ৸৻

द्रवा,वाब्य, स्वा,जा, द्रुय, श्रुप, श्रुप, व्रुप, व

# ब्रिच'लहुग

दर्शेर-रिचेट्य-र्टा, अर्थे,चपु-लू-अर्ट-अर्ट-प्र्य-तपु-याच्य-पु-याच-पु-याच्य-पु-याच्य-पु-याच्य-पु-याच्य-पु-याच्य-पु-याच्य-पु-याच्य-पु-याच्य-पु-याच्य-पु-याच्य-पु-याच्य-पु-याच्य-पु-याच्य-पु-याच्य-पु-याच्य-पु-याच्य-पु-याच-पु-याच-पु-याच्य-पु-याच्य-पु-याच-पु-याच-पु-याच-पु-याच-पु-याच-पु-याच-पु-याच-पु-याच-पु-याच-पु-याच-पु-याच

#### नर्स्यागविते'न्स्नि'र्न्स्

यशिटः स्टा. झ्थाया क्री. बेटः बंबा. दुवा. तापुः चोबंबा. कुबं . कि. ला. चीटः . प्रिंचा. प्रिंचा. प्रिंचा. प्रिंचा . प्रिंचा. पर्वाचा. प्रिंचा. पर्वाचा. प्रिंचा. पर्वाचा. प्रिंचा. पर्वाचा. परवाचा. परवाच. परवाचा. परवाचचा. परवाचा. परवाचचा. परवाचचचचा. परवाचचचच. परवाचचचचचच. परवाचचचचचचचचचच. परवाचचचचचचचच. परवाचचचचचचचचचच. परवाचचचचचचच

<sup>[1]</sup> श्रुयः सृत्रे मात्रे प्रात्तिकः स्त्रे प्राप्तिकः स्त्रे स्त

<sup>[2]</sup> कूँब स मनेब र न में रामाया न से माज्या में बार माज्या में में स्वर्ध में में स्वर्ध में में स्वर्ध में में

<sup>[3] 《</sup>चुत्रयात्रा क्रेब्र सं स्टानिय महाराज्येत पत्रिया है हिया सुर्पित क्रिया स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्व



<u> २ च. च्र. क्र. क्र. च्रेच. क्ष. ज्याया भेया. त. च्राया संस्ताय क्र. त. क्र. त्राया स्ताय क्र. त्राया संस्ताय क्र. त्राया स्ताय क्र. त्राय क्र. त्राया स्ताय क्र. त्राया क्</u>

## <u>८८,त्र्री त्र्रीक्षप्रक्षक्षक्षक्षित्रक्षक्षक्ष</u>

<sup>[5]</sup> पह. श्रेज. पंचर. मुळ. पंचरी जिर. क्र्या. पर्ट. श्लेच. रच. मु. पर्या. त. जुन. यर्थ. क्षेत्र. यर्थ. क्षेत्र. प्रची ज्या. मुळ. य्या. मुळ. य्या. क्षेत्र. यर्थ. क्षेत्र. य्या. क्षेत्र. यर्थ. क्षेत्र. य्या. क्षेत्र. यर्थ. क्षेत्र. यंत्र. व्या. व्

<sup>[7] 《</sup>पॅब्र-१-प-५-मुब्र-गुः अर्देश्य।》 नये मानुगवा है माना श्रुव सेवे नये है मावमा

<sup>[8] 《</sup>न्यायः सन्तः तत्त्रः सः क्रेन्दोः क्रेन्रः अवकः सङ्काः स्पृतः १००० स्वः स्वनः स्वानः क्रेन्यः स्वनः स्वानः



लब-तथ्य पर्-तया-क्ष्यक्ष्य-त्य-क्ष्यक्षय-विक्रा-क्ष्य-विक्ष-विक्य-विक्य-विक्य-विक्ष-विक्य-विक्य-विक्य-वि

 $\frac{1}{2} \frac{1}{2} \frac{1}$ 

<sup>[6]</sup> स्टान्स महेना अर्बेट्स श्री श्रीमा स्यामान स्वामान स्वामा

<sup>्</sup>षिय। चक्र्य-ब्रेच-प्रे-प्र-प्राप्त्र-प्रमु: प्र-प्राप्त्र-प्रमु: पर्यों अपूर्व (क्र्य-अ-प्रीय-प्रिय-अप-प्रमु: प्रमु: प्

 $\frac{1}{2} \frac{1}{2} \frac{1$ 

#### यानुसाय। तुसामतसायङ'यानुसायते'ऋँक'त्'वॅन'या'तमायते'ऋँक'त्या'वो'याख्टा'याना

 $+ \frac{1}{2} (1 + \frac{1}{2} (1 +$ 

<sup>[11] 《</sup>इंस. शहूरी》 श्रुपु: पर्स्य हार्या ह्या हुंस. थी. स्वास स्वास

<sup>[12] 《</sup>कॅरः अहॅर्]》१९७०विते वर्षे से हिर्या दरः रविः वृषा ह्या (४)वयः म्यावा



साम्यीकालूर्याल्याः स्टानुपुं चूर्याम्याः व्यक्ताः कुल्लास्ट्रा कुल्ल

 $\hat{a}_{n,n}$   $\hat{b}_{a,n}$   $\hat{c}_{a,n}$   $\hat{b}_{a,n}$   $\hat{c}_{a,n}$   $\hat{$ 

ब्रन् भूनः महिन्न स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान स्य

त्र-म्यायल-हे।  $2 + \frac{1}{2} = \frac{1}$ 

पक्रियः मिश्रेयः ग्रीः मिलिटः प्रिचायः मिश्रियः ग्रीः मिनः श्रेः याद्यः मिश्राः मिश्रेयः मिश

#### 

<sup>[14] 《</sup>প্লুব'দশ্যন্তুৰ'শপ্তুঝ'শ্বনথ'ববি'ঐ'শ্বদ্য) বসাব'দদ্দিৰ'ভব্য দ্বী শানুশন্ত্য ব্যান্ত্ৰ শ্বন্তি বি

<sup>[12] 《</sup>श्रेनयः, रम्पुः, भूवा, स्व. (७४०) त्रवः, रस्य। तश्चित्रः, स्व. १४०० व्यः, स्व. १४०० व्यः, स्व. विष्टः, स्व. १८०० व्यः, स्व. १८०० व्यः स्व. १८०० व्यः स्व. १८००



च्छित् .कृष .(298) छु.चे. .(1813) त्युत्त न्यूत्र .(1813) त्युत्त .(181

चेश्वरास्ते स्वाप्तां स्वापतां स्वापतं स्वापतां स्वापतां स्वापत

दे.र्चा.पाळा.चांक्रेय.त् इत्य.हूं.पर्चा.घचया.))ब्रेय.ता.चीब्द.हं...इट.चीचेव्.क्षेव्र.ट्चा..क्रुय.चीट्ट.लूर्.ता.पर्चर. इंट्य.ता.क्रु.चीच्या.चीव्य.क्षेत्र.लूच्या.

<sup>[16] 《</sup>पगपर त्युक्तः ग्रीक्षे कृत्र स्त्रीत कृतः प्रदेश स्तर । देवः महामान स्त्रामान स्त्रामान स्त्रामान स्त्रामान स्त्रामान स्त्रामान स्त्रामान स्त्रामान स्त्रामान स्त्रामान

<sup>[17] 《</sup>ग्राप्त्राः स्वातः विद्याः स्वातः क्षेत्रः स्वातः स्वतः स्वातः स्वतः स्वातः स्वतः स्वातः स्वतः स्वातः स्वतः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः

য়য়৾ঢ়৾৾৽ঢ়ঢ়ৢ৻য়ঢ়ৢয়য়ৢঢ়৽ঢ়ৢ৻য় য়য়৽ঢ়৾৽ড়ৢ৽য়য়ৢঢ়৽ঢ়ৢ৻৻ য়য়৽ঢ়৽ড়ৢ৽য়য়ৢঢ়৽ঢ়ৢ৻৻৻ য়য়৽ঢ়৽ঢ়৽য়য়ৢঢ়৽য়ৢ৽য়ৢঢ়৽য়ৢ৽য়ঢ়ঢ়৽৻৻

ૹોવય. ત્ર્યું. હુશ્વ. દેશ-દેવન્દ ત્વર્ધેશ ક્રી. પ્રતાન તૃડ્યું કે. સૂપ્ત હિવય. ક્રી. ત્રી ત્રાપ્ત ક્રિયે. ત્રી ક્રિયે. ત્રી ત્રાપ્ત ક્રિયે. ત્રી ક્રયે. ત્રી ક્રિયે. ત્રી ક્રયે. ત્રી ક્રિયે. ત્રી ક્રિયે. ત્રી ક્રિયે. ત્રી ક્રિયે. ત્રી ક્ર

> 大元, 並伝, 第, 七日亡, 夏七, 路山, 石壁(山 1,,10) 安如, 石山石, 磐全, 七山, 襲山, 秀口, 夏子 1 1 野上, 名, 石名之, 多七, 石名之, 墓, 石高之 1 1 む, お七, 歩七, 尖山如, 名, 如, 七 墓, 七 1 1 古名し, 山均々, 磐々, 新山如, (七山,) 多如, 名, 七 1 1 本一, 近四, 岩之, 安上, 石切水, 영如, 七 墓, 七 1 1 本一, 近四, 岩之, 安上, 石切水, 영如, 七 墓, 七 1 1 本一, 近四, 岩之, 空上, 石切水, 号如, 石 墓, 七 1 1 本一, 近四, 岩之, 空上, 石切水, 号和, 石雪之 1 1 本一, 近四, 岩之, 七 2 1 1 1 本一, 近四, 岩之, 七 2 1 1 1 本一, 近四, 岩之, 七 2 1 1 1

ष्ठायकाराः वुचाराः कृष्यः चार्ष्टः याञ्चेतः याञ्चेतः याञ्चेतः याञ्चेतः विचार्षः याञ्चितः याञ्चेतः याञ्चेत्रः याञ्चेतः याञ्येतः याञ्चेतः याञ्चेतः

<sup>[18] 《</sup>क्रेयः ट्रै. प्रत्यः व्रवत्रा》 गॅमः अर्द्धम्यः पॅमः व्रॅमः व्रॅमः व्रेमः प्रतः प्रतः मेवः म्यः प्रमः प्रतः प्रतः प्रवारं प्रवारं

<sup>[19]</sup> अ. ग्री. मीच. प्रीय. प्री. प्रीय. प्रीय. प्रीय. प्रीय. प्रीय. प्रीय. प्रीय. प्रीय. प्रीय



्रस्याः ग्रीका-पर्ने - त्योग्नका-प्रमाणिका कृता-विक्षित्वा स्वान्त्र क्ष्या विक्षान्त्र स्वान्त्र क्ष्या विक्षान्त्र क्षया विक्षान्त्र क्ष्या विक्षान्त्र क्ष्या विक्षान्त्र क्षया विक्षान्त्र विक्षान्त्र क्षया विक्षान्त्र क्षया विक्षान्त्र क्षया विक्षान्त्र क्षया विक्षान्त्र विक्षान्त्र क्षया विक्षान्त्र विक्षा

# चल्ले,त्रा चक्चर,क्षेत्र,रचा,त्रांच्य,त्रूं,त्रर,ब्र्चर,बुत्र,क्षेत्र,चिल्यं,क्षेत्रया

<sup>[20]</sup> अद्यतः तत्तुः नेतः क्षेत्रः त्र्वः त्रीः वी १ मर्डरः गरीवः क्षेत्रः त्राः स्टः म्हाः गर्यतः त्राः स्वरः विवाधिकः स्वरः विवाधिकः स्वरः स्वर

चळात.पटेच स्ट्रीचोबाों को सुनाब.रेनु, श्रेचे. वट.,। ४०३७ चूंचा हूब.३४००थ. चळाजा चालचे. लट. टेचे. तपु. (श्रेच्या चर्चेचा कट. टेचे. श्रुच्या प्रतिट. क्रेच्या प्रतिट. क्रेच्या प्रतिट. क्रेच्या प्रतिट. क्रेच्या चर्चेचा क्रिया प्रतिट. क्रेच्या क्रेच्या प्रतिट. क्रेच्या क्रेच्या प्रतिट. क्रेच्या क्रेच्या प्रतिट. क्रेच्या प्रतिट. क्रेच्या क्रेच्या

शक्षः क्षां प्राचीत्र प्राचीत् स्वार्ष्ट्र स्वार्थ्य स्वार्य स्वार्थ्य स्वार्य स्वार्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्य स्वार्य

#### <u>ङ्</u>या द्व्य-्य-प्रस्थान्त्रम् । स्वत्य-प्रस्थान्य-प्रस्थान्य-प्रस्थान्य-प्रस्थान्य-प्रस्थान्य-प्रस्थान्य-प्रस्

ax.ayz - ax.dz - ay.dz - ay.

#\frac{1}{1} \text{\tilt{\text{\ti}\text{\



चनद्रस्य चुर्धेका स्वास्त्रस्य हो । व हे स्वास्त्रस्य चित्र चित्रस्य स्वास्त्रस्य चित्रस्य चित्रस्य

चतुःस्रच्याःसुःस्परः। चतुःस्रच्याःसुःस्परः। चतुःस्रच्याःसुःस्परः।

ૡૡૺ.ૡૹ૾ૺૹ.ૡઌૢ૱ૹ૾ઌૡ.ૹ૾ૺ.ૡ૮.૱૿૽૱ૡઌૺૺૺૺૺૺ૾ઌ૽૱ઌ૽૽ૢઌૹૹૺૡઌ૱૱ૡઌ

इब्र.चाव्याः त्यादः विषाः न्याः ग्रामः सङ्ग्रह्या।" श्चेमः नम्प्रिमः तम्मः ग्रावः न्तुः त्याव्या। श्चेमः नम्प्रिमः तम्मः ग्रावः न्याः विष्याः तस्या। इब्राम्याव्याः विषयः विषयः स्वा।।

लेतु पति स्ति स्ति स्त्रीपका सुग्निप स्त्री मी मी मी मी मी मी मी मी प्राप्त स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री

च्यायः स्ट्रिन् स्ट्रिक् स्टर्स्स्य स्टर्स्य स्टर्स्स्य स्टर्स्स्य स्टर्स्स्य स्टर्स्स्य स्टर्स्स्य स्टर्स्य स्टर्स्स्य स्टर्स्स्य स्टर्स्स्य स्टर्स्स्य स्टर्स्स्य स्टर्स्य स्टर्य स्टर्य स्टर्स्य स्टर्य स्टर्स्य स्टर्स्य स्टर्य स्टर्स्य स्टर्य स्टर्य स्टर्य स्टर्य स्टर्य स्टर्य स्टर्य स्टर

चायःक्रचाःमुद्धः तदिः नेत्रः स्रोह्यः चाद्धाः ॥ श्रेः भेद्यः ग्राद्धः प्रुः क्र्यः स्रोद्धः चा। देः भेद्यः क्रयः त्यः क्रयः स्राह्मः चा। श्रेः स्रायः तद्दिः चादः प्रदः ।।

अज्ञान्यात्रभूत्रात्रात्त्र्वात्रेत्र्यात्रेत्र्यात्रेत्र्यात्रेत्र्यात्रेत्र्यात्रेत्र्याः अपितः स्वात्राः स्वात्राः अपितः स्वात्राः अपितः स्वात्राः अपितः स्वात्राः अपितः स्वात्राः स्वात्

#### মুপ্তই.এখা

तिस्त्रम् स्यास्य म् स्यास्य स्था। तिस्त्रम् स्यास्य स्यास्य स्थानाः स्यास्य स्यास्य स्यास्य स्यास्य स्यास्य स्यानाः स्यास्य स्यास्य स्यास्य स्यास्य स्यास्य स्यानाः स्यास्य स्यास्य स्यास्य स्यास्य स्यास्य स्यानाः स्यास्य स्यास्य



खेशकारा पर्ट, लाट भ्रेंबि स्टी पश्चिम । "खेका ग्रीट वाश्चिम लाट स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त वालव . लाट . ट्वा प्रकट . वाह्य हु वाका स्वाप्त । । वालव . लाट . स्वाप्त स्वा

#### 

रमः वी-सः मात्रसः त्रसः चुमः प्रतेः क्षृतः क्षेमाः रेमा प्रतेः मात्रुमः स्यापार्यः रो। साम्यापार्यः स्थापार्यः स्यापार्यः स्थापार्यः स्थापार्यः स्थापार्यः स्थापार्यः स्थापार्यः स्थापार्यः स्थापार्यः स्थापार्यः स्थापारः स्थापार्यः स्थापार्यः स

द्रायालटा सूर्या पर्योजा श्राच्या प्राया मार्या स्ट्राया मार्या स्ट्राय मार्या स्ट्राय मार्या स्ट्राय मार्या मार्या स्ट्राय स्ट्राय स्ट्राय स्ट्राय स्ट्राय स्ट्राय स्ट्राय स्ट्राय स्ट्राय स्ट्र

"ðiðjaratðigar

<sup>[23]</sup> क्रुब्र-ह्मा अं विहास न्दाया निवास मानुहासुमाला मानुहासुमाला मानुहासुमाला निवास मानुहासुमाला मानुहासुमाल



# लट.ट्रे.बुट.जया

क्षेत्रः भूके प्राचित्रं । भूक्षेत्रः प्राचित्रं । भूक्षेत्रः प्राचित्रः व्याप्तः व्यापतः वयापतः व्यापतः व्या

 $\alpha$  त्रात्ता क्षेत्र क्षेत्र त्रात्ता कष्ति त्र त्रात्ता कष्ति त्रात्ता कष्ति त्रात्ता कष्ति त्रात्ता कष्ति त्र त्रात्ता कष्ति त्रात्ता कष्ति त्रात्ता कष्ति त्रात्ता कष्ति त्र त्रात्ता कष्ति त्रात्ता कष्ति त्रात्ता कष्ति त्रात्ता कष्ति त्र त्रात्ता कष्ति त्रात्ता कष्ति त्रात्ता कष्ति त्रात्ता कष्ति त्र त्रात्ता कष्ति त्रात्ता कष्ति त्रात्ता कष्ति त्रात्ता कष्ति त्र त्रात्ता कष्ति त्रात्ता कष्ति त्रात्ता कष्ति त्रात्ता कष्ति त्र त्रात्ता कष्ति त्रात्ता कष्ति त्रात्ता कष्ति त्रात्ता कष्ति त्र त्रात्ति त्

<sup>[24]</sup> गॅम् अर्द्ध्य निर्मेश्वर विराधित सम्बन्धित स्त्रीय स्त्री



ॡ्यान्त्राक्षेत्रात्याः वित्रात्त्र्त्रात्त्रात्त्रात्त्र्त्रात्त्रात्त्र्यात्त्रात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त् अर्थान्त्रात्त्रात्त्रात्त्र्यात्त्रात्त्र्यात्त्रात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त

## 

क्षेत्र. स्वा. कुष्य. पसूर्य. खूंचा पर्यु. स्वाय. खुंच स्वा. खुंच स्व. खुंच स्वा. खुंच स्वा. खुंच स्वा. खुंच स्व. खुंच स्वा. खुंच स्व. खुंच स्वा. खुंच स्वा. खुंच स्वा. खुंच स्व. खुंच स

हुदःर्द्रम्यादेराधियायया हुःदेश्वाम् मुत्याग्रीयायवेरयायये अगुराळेगा देवा पर्मान् व्याप्ताययाययायया



ধ্রুম:বদ্ব

र्देन-ने-ध्रेन।

ह्य:दे:ब्रेट्।"<sup>[25]</sup>

विषासँग्षागुषायार्क्षेत्रायान्ता

ने'नबिब'तुब'र्नेन'धिम्'क्वेन'(P1286)यश्

"ग्रव्यःश्चीःवै:र्तुषा

षा.पु.(त्रा.)बु.र्गीजा

र्श्वर में वे के र

শ্বমান্ত্রীরি:মান্

ळु:र्व:गुव:ग्री:वी:यर्ग:र्वे।

র্ন:অর্হা

ষ্যার্থন্য

ผูณ:กสรา

 $\hat{g}_{i}$ .पह्रक.(थह्रक.)भूर.र्गत.र्थ.(२.) $\hat{y}_{i}$ श

कूथ.यबर.ये.वुरी

स्. अर्ग्नेमयास्य तस्या पत्या पत्या वर्षा (मवयास्य)

र्म्यःग्रीमः(ग्रीमः)त्र्यम्।  $7^{126}$ 

क्षेत्रः मात्रावः स्पर्नः स्पर्नः स्वेतः मात्रावः स्वेतः स्व

«ᠬᆲ ངང་ཁངརྡ་རྡོས་ང།

ম্যু'নর্তব'অধ্র'র্ন'ক্রা

<sup>[25] ((</sup>कॅर-सर्ना)) ह्येति तर्रेष होत्या दर्ग स्वा स्वा ४) ५१

ૹહેજાતા.જારૂદ્દ- $\hat{p}$ -ભૂપી. $_{[5,1]}$ કુબ.પહિંદ્યાતા.પ્રદા.પ્રા પ્રાયમ મુદ્રા.જી.ભૂપી. $_{[5,1]}$ કુબ.પહિંદ્યાતા.પ્રદા.કૂજા.ખેંચાયા.ખૂર્ય.ત્રી.જા.જૂવી.મ્પાતા.જૂવી.મ્પાતા.ખૂર્ય.જૂવી.પ્રાયમ પ્રાયમ પ્

यो व त्रान्ता में त्रानि में त्रान्ता में त्रानि में त्रान्ता में त्रानि में त्रान्ता में त्रानि से त्रान्ता में त्रानि से त

 $\underbrace{\$^{3} \cdot (3\pi^{3} + 1)^{2} \cdot$ 

 $<sup>[27] \ \ \</sup>langle\!\langle \hat{\mathbf{a}} \rangle \cdot \mathbf{x} - \mathbf{x} \mathbf{a} \cdot \mathbf{a} \rangle \cdot \mathbf{a} \mathbf{x} \cdot \mathbf{a} \cdot \mathbf{a$ 

<sup>[28]</sup> १९९९ वृद्धाः वृद्



चार्ट्रन्थात्रव्यः त्रीत्रः स्वार्यः द्रवार्यः द्रिः त्रवः त्रीतः त्र्यः त्रीतः क्ष्यः व्यार्थः त्रीतः व्याप्य व्याप्याय्यः त्रीत्रः त्राव्यः त्रीतः त्राव्यः त्रीतः त्रीत्रः व्याप्यः व्याप्यः व्याप्यः व्याप्यः व्याप्यः व

 $\frac{1}{8} \frac{1}{4} \cdot \frac{1}{4$ 

 $\begin{array}{l} \displaystyle \operatorname{All}_{\operatorname{A}$ 

<sup>[29]</sup> १५५७ व्यति तर्द्व ने इत्रान्द्र वित्रा (व्यत्र ना व्यत्र वित्रा व्यत्र ना व्यत्र वित्र व्यत्र वित्र व्यत्र वित्र व्यत्र वित्र व

 $<sup>[30] \</sup>qquad \left<\!\!\left<\hat{\mathbf{a}}\right> \times \nabla \mathbf{a} \cdot \mathbf{a} \cdot \mathbf{a} \times \nabla \mathbf{a} \times$ 

ही क्र्याय शुन्ति मण्यात् क्रियाय। न्यत संस्थाय स्वाय स्वाय क्रियाय स्वाय स्व

### সইবা,সুদা,বাইস,রিমা

$$\begin{split} \text{CEL}_{\text{SI}}(\mathcal{A},\mathcal{A}) &= \mathcal{A}_{\text{SI}}(\mathcal{A},\mathcal{A}) \\ \text{CEL}_{\text{SI}}(\mathcal{A},\mathcal{A}) \\$$

 $<sup>[31] \</sup>qquad \left< \langle \frac{1}{2} \frac{1}{2}$ 



 $\frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left$ 

पश्चियः प्रतित्वा द्वा श्चियः प्रवाह्म श्ची द्वा श्चर स्वाह्म स्वाहम स्

## क्षेत्र,रच।क्रुत्र,रच,रटः,पचुल,चपु,रचीर,चीषुपु,लुच,कपु,क्रु,चीखरः।

- स.चाङ्चा.पञ्चात्रयात्रा.पट्टाचार्थेशायटंचा चूच् शु. दुचाया. दुग्.सीच. विटा.चया. देतर. दे. पश्चेच. त्या.चुचा. देटा. १००० जूच. श्चेच. दुग.पचेट. श्चेच. प्रचेया. प्रचे
- चि त्रमात् वर्षे क्षेत्र मृत्या मानवा मिनवा मिनवा मिनवा क्षेत्र मिनवा म
- चिर्म् केर. कुर्-रंग क्षेट्र पर्दे क्षेत्र क
- 🕮 यभेब':बायब':र्ळुव्य'त्रियब्य:कुव्य:बाळ्बा (1783-1855) 《क्षुब्र'-ह्या':ਘर:क्ष्रीर:र्बेर:सुंदे:सुंद:रव':)४८८१ (अक्षुब्र'-ह्या:सुब्र'यासुव्य:द्येर:प्हेंद:

श्चर-देवे.चन्द-भ्रिच-तर्य-स्थि-तर्यम्) देव-मञ्जाषा १०७०-व्य-श्चर-भ्रिव-चर्ष्य-देव-क्षेत्र-क्षेत्र-क्षेत्र-स्थ-देव-क्षेत्र-स्य-देव-क्षेत्र-स्थ-क्षेत्र-स्थ-क्षेत्र-स्थ-क्षेत्र-स्थ-क्षेत्र-स्थ-क्षेत्र-स्थ-क्षेत्र-स्थ-क्षेत्र-स्थ-क्षेत्र-स्थ-क्षेत्र-स्थ-क्षेत्र-स्थ-क्षेत्र-स्थ-क्षेत्र-स्थ-क्षेत्र-स्थ-क्षेत्र-स्थ-क्षेत्र-स्थ-क्षेत्र-स्थ-क्षेत्र-स्थ-क्षेत्र-स्थ-क्षेत्र-स्थ-क्षेत्र-स्य-क्षेत्र-स्थ-क्षेत्र-स्थ-क्षेत्र-स्य-क्षेत्र-स्य-क्षेत्र-स्य-क्षेत्र-स्य-क्षेत्र-स्य-क्षेत्र-स्य-क्षेत्र-स्य-क्षेत्र-स्य-क्षेत्

- म सङ्गे. १. १ क्रें १
- च आवकः न्यनः न्यायः क्ष्राक्षः क्षेत्रः विश्वका न्यायः वश्चरः वश्चरः वश्चरः क्षेत्रः कष्टि क्षेत्रः कष्टि क्षेत्रः क्षेत्रः कष्टि क्षेत्रः कष्यः कष्टि कष्टि क्षेत्रः कष्टि कष्
- 📭 बाक्षु-पङ्के: ५: गुब्-द्र-वादः कुत्यः अर्ळव्। (1182-1251) 《बावबार्यः त्यः त्रह्रवा रात्यः देत्रः भू।» देवः यात्रवावा अर्ळे: भूवः वीः देवावा-द्रवाः भूवः विदः।
- सार्डे अक्ट्रची प्रस्ति क्षेत्र क्षे
- चित्र क्षेत्र त्यं त्र म्हें हे ज्ञुल वर्ष वर्ष क्षेत्र प्र हो हिन्द्य न्द्र स्थित अस्त क्षेत्र त्य अहल त्य स्य क्षित्र वर्ष अप स्व क्षेत्र त्य क्षेत्र क्षेत्र त्य क्षेत्र क्षेत्र त्य क्षेत्र क्षेत्र त्य क्षे



શ્રુંબ.બૂ.મ.ક્રી.લિદિયા ૡનુ.યુ.૧૧મૂ.શ્રેન.લિયા.મૂં.૧૯૫૧.વે.તુંબ.વે.૧૧૬.તોખ.તું.ત્યા.મું.૧૯૫૧.મૂં.૫યુંબ.યું.૧૪૫.શુ.૧૧નિયાનું ત્યું ત્યો - તુ.યુ.૧મૂ.શ્રેન.લિયા.મૂં.૧૯૫૧.વે.તુંબ.વે.૧૧૬.તોખ.તું.ત્યા.મું.૧૯૫૧.મૂં.૫યુંબ.યું.૧૪૫.શું.૧૫૭.૧૫૧.સું.૫યુંબ.૧

- चि.पी.लाज. मुच. कुच. कूच. प्रमूच प्रचान कुच. त्री. त्राचा की. याचा नि. त्राचा का. त्राच का. त्राचा का. त्राच का. त्राचा का. त्राच का. त्राच
- चित्रात्तरक्षाः अत्यात्त्रत्याः चित्रत्यः च्याः अव्यायः विकार्तः विकार्तः विकार्त्यः विकार्त्यः विकार्यः विका
- चित्र देव स्थित्य स्वाप्त स्
- चि च्रष्टः क्षेत्रः योश्वरः सुतिः चरः क्षेत्राशः वेश्वरः स्याः योः च्रस्यः चर्षः श्रेतः त्यः वह्याः चरित्रः श्री । १४८४-१५०७) ﴿श्रुवः स्याः योः च्रस्यः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विषयः
- $\Box$  तज्ञुन्यः पः पञ्चः त्र्रापः प्राप्तः प्रापतः प्राप्तः प्राप्तः प्राप्तः प्राप्तः प्राप्तः प्रापतः प्रापत



## ब्रैट.र्यं.राषु.श्र.सया. (१,५४५) र्जूर श्री.पियेट्या

- %पक्षाःश्वा।

  ची-श्वः इति-रिन्यः प्रीचि-रिन्यः प्रीचि-प्राचि-रिन्यः प्रीचि-श्वाः स्वाः स
- म् मूट्यास्यान्त्र्यात्त्रः तिश्वास्याः स्वास्याः स्वास्यः स्वास्याः स्वस्याः स्वास्याः स्याः स्वास्याः स्वास्याः स्वास्याः स्वास्याः स्वास्याः स्वास्याः स
- चित्र-दट्ट-सिश्च-हट्ट-सुन्च्याः चार्ष्वेयः कुं श्रीयः श्री-सिह्नियाः अत्युः स्त्र-स्त्रियः चित्र-स्त्
- 🚇 सुम्रान्स स्वायत्र संस्था नेत्र न्दाया वर्षेत्र (1704-1788) 《क्विंग कुत्र सुन्द त्तृत्र क्षृत्र स्वायत् क्ष्रीं अर्क्ष क्षेत्र सास्वित संस्था वित्र संस्था वित्य संस्था वित्र संस्था वित



ૹૼૺૹઽ૿ૺૣૣૣૣૣૣૣૣૣઌૣૣૣૣૣઌૣૢઌૣૣૢઌૣઌૢ૱૱ૢ૿ઌૣઌૣૣૣૣઌૢૹૹૣ ૡૡૢઌૹઽૹૢૡૢઌૣઌૹૹૢૣઌૡૢઌૢઌૢઌ૱ૢૢઌઌૹૢઌૹૹૢઌઌૢઌ ૡૡૢઌૹઽૹૢૡૢઌઌૢૡઌૹૢૢઌૡૢઌૢઌઌઌ૽ઌૹૢઌઌૹૢઌઌૢઌઌૹૢઌઌૢઌઌઌૹૢઌઌઌઌઌૢઌ

- चिट्ट पर्छे. बाबुब्य सप्टु. क्षेब्य पहुंब्र क्ष्य कुट्ट स्वृद्ध क्ष्य कुट्ट स्वृत्ति क्ष्य स्वृत्य कुट्ट स्वृत्य कुट्ट स्वृत्य कुट्ट स्वृत्य कुट्ट स्वृत्य स्वत्य स्वत्य स्वृत्य स्वत्य स्वत
- ला.जचात्र.चईर.चूं.चाळाजःश्चीजःभेषः शे.हेच.होट.काड्यः) चट्टयः थ्री ।
   ला.जचात्र.चईर.चूं.चाळाजःश्चीजःभेषः न्यां होट.काड्यः व्यां होट.व्यां होट.व्यां होट.व्यां होट.व्यां होट.व्यां होट्यां होट.व्यां ह
- चित्र-दितः खं श्रेष्ठः श्रीतः श्रीयः त्यूं स्टायः श्चेदः चानुष्ठः गुरुषः शुः स्टा-चृदः च्युः चाशुष्ठः यद्ये चाः व्यस्यः श्चेदः श्चेतः श्चेतः
- चि. श्रीताः श्रीयः द्रवः सं. कु. ख्रां चीयः श्रीयः श्रीयः श्रीयः स्वायः श्रीयः स्वायः श्रीयः द्रवः सं. कु. या श्रीयः स्वायः श्रीयः श्
- चि तहश्चर्यात्राःशुःश्चर्याय्वेतः स्वरः ग्रामाया वित्रः स्वरः स्
- $\Box$  पह. बु. तथा. प्रह्मा. में अक्कृत. ब्रि. तथा. क्यूचे. त्र स्था. प्रत्या क्यूचे. त्र स्था. प्रत्या क्यूचे. त्र स्था. व्याचित्र क्यूचे. तथा. व्याचित्र क्यूचे. तथा. व्याचित्र क्यूचे. तथा. व्याचित्र क्यूचे. तथा. व्याचित्र क्यूचे. व्याच्या क्यूचे. व्यूचे. व्याच्या क्यूचे. व्याच्या व्याचे. व्याच्या क्यूचे. व्याच्या क्यूचे. व्याचे. व्याच्या क्यूच



'र्स'ल'र्से'न्गेर'त्त्रुं स्त्रुं स्त्र

- च्च कु. चे.क्र. प्रतिस्था

  च्च कि. चे.क्र. प्रतिस्था

  च्च स्थान कि. चे.क्र. प्रतिस्था कि. चे.च्या स्थान कि. चे.च्या स्थान स्
- कु. ट्र. चूचा बिका स्चा स्वरास्ता से का क्ष्या विका के बिका के वा का क्ष्या की स्ट्र स्वरास्ता से का स्वरास के का स्वरास
- चिन्-न्-प्रमान्-प्रवास महित्र क्षेत्र महित्य क्षेत्र महित्य क्षेत्र क

- क्रिट. र्न. स्थि. विष्ट. येथ. र्नाय. प्रस्त विष्य. लूर्य।

  (यो थेथ. री. प्रस्त विष्य. येथ. री. विष्य. विषय. वि
- चर्ञात्व्या ((क्षेत्रत्वाम्वर्णतिः क्षेत्राव्यवाणीः तथरः क्षेत्रा) हेवाम्बुम्बा आश्चेवात्रा आश्चेवात्रा अवस्थितः विवावह्या। विवावहर्णाः विवावह
- तिट.बेय.चक्षेत्र। तिट.बेय.चक्षेत्र। तिट.बेय.चक्षेत्र। तिट.बेय.चेय.क्षेत.चचट.बूर.चे। (क्षेत्र.ज्ञेत.क्षेत्र.क्षट्य.चे.ब्र्य.जे.च।)) चूरे.कूट्य.क्षे.र्चय.च्य.चेय.क्षेत्र.



#### ■ ゼン・コネタ・ベナ・ロダム (多,全知・単句・ゴ,をて.)

# मुद्र-तुन् अर्क्षन् निक्षा ग्री सर्दे द् स्था या द्यद् या

(गा) व्याग्यत्रभ्रोट्यावी

चुट्टा-स्. कुच्टा-स. तस्वाथा-साम्चाया-जुट्टा (यदीया-कुट्टा-स्ट्रा-स्वां-स्वां-स्वाया-कुट्टा-स. ट्या-स्ट्र-स्वाया-कुट्टा-साम्चाया-जुट्टा-स्वाया-कुट्टा-साम्चाया-स्वाया-कुट्टा-साम्चाया-स्वया-स्वाया-स्वाया-स्वाया-स्वाया-स्वाया-स्वाया-स्वय

<sup>[1]</sup> मु:गर-पृहःशुदाः इस्रयः ग्री:इस्राधर। देंदः ग्री:द्रिः सर्ह्दः विदः। १८७५मा स्वाः अ

<sup>[2]</sup> क्रेमाखर क्रूय विवेदः इ. अक्षर क्रि अक्षर क्रि अप्तर्भ र्मे प्रतः क्रूंट क्षमा देशः क्रिट देशः क्षेत्र विवास

मेनायान्तर्यस्वायान्त्रात्त्रीयान्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्य स्वायायाः स्वायाः स्वयाः स्वयः स्वय

र् अप्तान्त्र म्यान्त्र म्यान्य म्यान्त्र म्यान्त्र म्यान्त्र म्यान्त्र म्यान्त्र म्यान्त्र म्

<sup>[3]</sup> मी.चंट.क्र्य.पत्नीट.। यु.च्रिंब.ब्रा.ट्रच्याय.टेरा.स्रिंब.विट.। अपल्यू। रूचा.चीट्य.ज



खे.ट्याप.लट.। भ्रिय.ट्या.अकूचा.यायुष्य.ग्री.चर्षूट्र.न.श्रायप.श्रवेश.श्रा.जयान्। ट्या.शकूचा.यायुष्य.ग्री.श्रूच्र.विज्ञ.यायाजा.वुच.सं.प्यूट्र.नपु.र्नेनेट.क्र्.श.ग्री.र्चयथा.ट्र.पयाजया.पे.श.जूब्र.नयाय.क्र्या.च्या. शवेश.श.र्ज्ञच्या.श्रुव्य.श्रह्म.वज्ञ.यायाजा.प्यूट्य.श्र.यायाया.नः वृषा.जया.ट्र.ग्रूव्य.ट्र.ग्रूव्य.प्यायाया.प्य

> पट्टेब.अष्ट्र्या.वैज्ञिपु.धूचा.जा.क्षेचा.पक्ष्या.जूर्रा । क्षेट्र.चश्चिश.शु.अड्टट्.खुट्.चु.ट्टाजा.क्षेट्र.न्रा । चंट्य.शुट्र.चश्चिश.टी.क्ष्य्चयाच्चेश.चटा.झूच्यय.चुट्रा । बावप.श्चेश.पर्ज्ञ्चा.जा.बिब.च्र्ड्यय.चटा.चूंट्या.च्या ।

तस्त्रच्याः अक्ट्रचः भ्याः श्रीतः वित्यः त्यः स्त्रचः त्याः वित्यः वित्

लॅंचे.ट्रे.चतु.खेच्या.प.सैच.पक्षा.जूर्। सर.पट्टेट.झेश्या.ज.सर.रापु.जश्र.यहूर्या। जूच.झे.क्र्य.पटट.श्रेज.कंब.ह्या.थे.पहूर्या। ट्रे.श्रेया.से.ट्रं.ट्यो.ज्याया.टराज.लूब.ट्यो।

पलचायात्मा सूचायाः सुन् विषयात्मास्याः प्रस्तायाः ।

यद्गः चानेवायाः चार्यातः स्वातः त्याः स्वातः स्

<sup>[4]</sup> कॅबार्बेट्-रचामवायाञ्चायाचाराञ्चे दंवी अमुत्यामुद्रा र्त्वी मानवाराञ्चेरा। १९९० व्या स्वाप्या

त्रायकात्रकूचा. ट्रीची. चाकुष. खटका. जा. खेचा. जक्ष्या. जू। । तह्त्रा. श्रीट. जट्टी. ब. गीष. त्राष्ट्रीय. चाकुषा. त्रच्या. श्रीचा. व्याच्या. श्रीचा. चाट. चीषा. श्रीं. ग्रीं का त्राचीजा. चाट. चीषा. श्रीं. ग्रीं का त्राचीजा. चाट. चीषा. श्रीं. ग्रीं का त्राचीजा. चाट. चीषा. श्रीं. ग्रीं. ज्यां. ज्यां. चीषा. चिषा. चीषा. चीषा

 $\hat{\mathbb{R}}_{0}$   $\hat{\mathbb{R}_{0}$   $\hat{\mathbb{R}}_{0}$   $\hat{\mathbb{R}_{0}$   $\hat{\mathbb{R}}_{0}$   $\hat{\mathbb{R}}_{0}$   $\hat{\mathbb{R}}_{0}$   $\hat{\mathbb{R}}_{0}$   $\hat{\mathbb{R}}_{0}$   $\hat{$ 

कूथ्यः मु. र्यायाया स्तृ (विषयः त्यः सियाः तक्ष्यः जू। । श्रीः स्थः अथः प्रहूष्यथः श्रीः स्वृद्धः याश्रीश्वः यायाया। । यायाया स्वृद्धः कुषः प्रहूषः भूषः याश्रीशः यः यायाया। । कूषः मु. र्याया स्वायः कृषः श्रीयः त्यायाया ।

अकूचा-चोष्टेया-धीः अकूपुः नियम् मूः ज्ञान्तक्ष्ण ।

अकूपः चित्रयः चीः अकूपुः नियमः मूः ज्ञान्यक्ष्ण ।

अकूपः चित्रयः चीः अकूपुः नियमः मूः ज्ञान्यः चिह्न । ।

अकूपः चित्रयः चीः अकूपुः नियमः मूः ज्ञान्यः चिह्न । ।

<sup>[5]</sup> क्रमःश्चित्रस्य नवायाः स्रायः प्रवादा स्त्रीः द्वारी स्वाताः स्त्री स्वादाः स्वादाः स्वादाः स्वादाः स्वादा



स्वा.प्र.चीया.राषु.लुट्.चीया.सेवा.पक्ष्वा.जूर्रा पह्या.मुट्टायह्या.चुट्.चीया.सेव्याया.युव्यायार्गे भुःट्ची.स्थाया.पाज्याया.राषु.पाथा.भूवि.रार्गे बीच.राषु.पक्षेवे.पा.चुट्टास्यूता.पर्टूट्.वयार्गे

 $+ (1+1)^2 +$ 

### {P} 여론회'원도'최본제'필의'원'원''

> क्ष्यःग्राटः ट्रेंबः इक्षयः द्वीः तथा यावयः इक्षयः तटीः व ट्रायः व क्र्याः क्षेतः व । । दे - प्रतिव : त्येष्यः व श्रायः व स्व : प्रतः प्रतः व स्व : प्रतः व : प्रत

યાયાબા ગુટે ત્રિ. મિ. મે. માં માત્ર ત્રાપ્ત ત્રાપત ત્રાપ્ત ત્રાપ્ત ત્રા ત્રાપ્ત ત્રાપ્ત ત્રાપ્ત ત્રાપ્ત ત્રાપ્ત ત્ર

 $\alpha$ . कुब. त्र. पट्टे. मुब. त्र. कुप्ट. जु. मूच. प्वायः पचचें ब. त्र. त्या अंगे. श्रीयः जूच्या था जुटे. त्या अंगा था त्या श्रीयः प्यायः प्रायः प्यायः प्यः प्यायः प्यः प्यायः प्

 $<sup>[6] \ \ \</sup>mathsf{d} \, \mathsf{d} \, \mathsf{d}$ 

<sup>[7]</sup> क्कॅंबर से केंग बहूर केंबर स्रा श्चित्रकर स्या है निवर प्या है निवर प्या स्था रिया रिया रिया

 $\frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right) \cdot \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right) \cdot \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right) \cdot \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac$ 

चालक्.लस्.ट्ची.पङ्ग्र.स.क्ट्र्य.श्रेंच च्रीकाचर्डेकासपु.कुट्-टी.प्ट्ट्रास्कुश्च्यात्मकाले। के.लस्चयात्मकास्याच्चेत्मकुर्यास्यक्च्याच्चेकासपु.कुट्-टी.प्ट्ट्राच्चेकाच्यकाक्ष्यात्मकास्याच्चायाः स्याच्चेका के.लस्चयात्मकास्याच्चेन्द्राची श्रुच-द्र्य अष्ट्री-पच्च-अष्ट्री-पच्च-अ्च-व्यास्य-प्रक्रि-अ्च-अ्च-व्यास्य-साञ्चेका क्च-प्रक्याची.स्याच्चेन्द्र्याची श्रुच-द्र्य-श्चेन्द्रयाच्चेका-कुळा-व्यास्य-प्रक्रि-स्याची-अर्थ-स्याची-अर्थ-स्याची-अर्थ-स्याची-अर्थ-स्याची-अर्थ-स्याची-अर्थ-स्याची-स

> ट्रे.ट्यां.श्रेश्वः.ग्रेटः.श्चेटः.पूर्यः.श्चेशा वह्त्रः.यु.वे.स्त्रेटः.यु.यात्रेत्रः.श्चेत्रः.युव्या। इत्यः यः असः.वेटः.श्चेत्रः.पूर्वः.श्चेता। वेत्यः.त्यः.स्वः.वेटः.युत्रः.युव्याःय्वयाःया।

चित्तः कुंद्रकारातुः विदेश्यर्थः स्ट्राह्रकारातुः कुंद्राह्रकार्यः कुंच्यात् साम्यात् स्वात् । विद्यास्यात् क्ष्याः विद्यात् । विद्यास्यात् क्ष्याः विद्यात् । विद्यास्यात् विद्यात् । विद्यास्यात् । विद्यास्य । विद्य

<sup>[8]</sup> मु.चर.क्रूब.पचीर.। थु.पूर्व.बु.र्चवाय.र.नु.स्वय.वर.। १८८०चू। धूर्वारस

<sup>[9]</sup> चॅन्-धिया क्रिया यहिन: मु: अर्क्ष: यात्रा क्षी: व्रॅन् क्षी: रेयावा न्यों क्षुन: परः । १०११व्या क्षेन् : का न्याविकः

<sup>[11]</sup> चक्रुब् त्युप्र-द्ये चक्रुप्र-आ अहॅब्-धा 🖍 ह्यु 🕇 देव : खर-५३ मॅग् ग्राह्म २००५



### {ব} শুব,ইব,সঙুব,ব,ঐধ্যু,ধরুই,প্রেল

# १) सिं.चूर्यस्व.च.ध्रेस.सकूर्य.च.ध्रेस.स.चष्ट्रस्ता

देॱ୴८ः ८६ँ८ः र्द्ध्यः ८८ः र्दे। युः ईंगवः ऋयः गविषः अर्क्ष्यः गविषः ८८ः। ॲवः २१गाः ऋयः गविषः ज्ञुवः दुगः गीः धः ग्रुयः दुः पवि८ः राङ्गे। दे.लट.र्नाय.च्.मर्थंग.लव.जुर.पया.चुर.पया.(1204-1266)थह्र्र.तपुर.कूथ.पवीट.वावय.तपुर.चवर.कूथ.लयाः। चूर.वावय. इस्रायाच्यान्त्रेयान्त्रेयान्त्रवेयान्त्रवेयान्त्रवान्त्यवान्त्रवान्तवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्यवान्तवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त बर्क्रमा-८८। म्वय-र्मा-क्रिय-र्मा-प्रिट्टिक्ष्य-ग्माया-क्रा-बर्क्ष-प्रवेत-रा-क्रित-येग्मयाया मुन्तिमाया मुन्ति ढ़ॊॴॱय़ॱय़ॸऀॴॱक़ॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॺॱॸॖॕॖॺॱक़ॖॕॴॎॗऄॱॸॖ॓ॱॷॎऄॱॸॖ॓ॱॶॴढ़ॸॱॸॗऀॴॱॴढ़ॖॺॱख़ॗॕॴॴॹॣॸॱक़ॕॴॹऻॴऒ॔ढ़ॱॷॴॱॴढ़ॖऀॴॸॖ॓ॱड़॒ॴॗॹॣॱॿॣय़ॱ `ક્રૅંગષાએન'ને'અર્ક્રૅગ'गढ़ेषा`ષ્ઠ્રી | લેષા'गશુન્षા'ના સુના'વર્લઅ'ગ્નેન'અલેષા'નન-'છેન'નવે' મુંત્ર' કુંગ' ફ્રી ક્રૅંવ'ન્વેં લ્યૂટ 'ને'સ' - ५८<sup>-</sup>। श्चॅन-५धॅब-५च्चैग-गलेब। श्चॅन-५धॅब-छॅगब-श्चर। ५५व्य-स्व-ळॅब-ग्वगब। श्चॅन-५धॅब-ऍब-५व-दॅन। श्चॅन-५धॅब-वृग्च-- पर्ने. पहूं अष्य. पहूं चेष्य. त्रि. प्रे. त्यु<sup>ॱ</sup>र्घेगल'गन्निल'ल'अर्क्केग'गन्निल'लु'ग्गाल'नित्। धुि'स'इसस्य ग्री'क्षेत्र'त्'र्स्त्र'पॅद'नद्र'पॅद'नद्र'त्र'पॅद'नद्र्यत'र्प्त कुर-५्रम-५्रदर-छेर-५्री। बेब-मशुरूब-५-१्रे-३-४ क्य-म्मब-कुर अर्क्ष-५८-। ५५८-५-१ मुख्य-यम-झेर-प। पर्४-८६ अब-५४-ऱ्.कु.झ्याताचीश्याक्रीयालूयात्रीया.स्याचीव्याम्बर्याचीयाचीत्याचीत्यात्राचीयात्राचीयाचीव्याचीव्यालूयाचीव्याचीया 

<sup>[12]</sup> अप्रियः रादेः न्यादः क्रेंद्रा श्चनः क्षे श्चेः नेयायः न्येः श्चेत्रः प्रिनः। १८५५ स्था व्याप्रिः

<sup>[13]</sup> चर्-र-वह्स्ययः क्र्यः वद्युद्धः। सः वित्रः स्रेः रेगवः रचेः स्रुवः गवदः। १९९५विं। विग५०

# ४/ भिष्य,र्टिया.पास.अक्क्र्या.यायुस्य.पाष्ट्रपा

लट्टिश्चान्त्राच्याः स्वरंद्वाच्याः स्वरंद्वाच्या

# ৻৴ লুখ৻৸৾৸৻৸৾৾৶৵৻য়ড়ৣঀ৻৸৾৾৶ৢ৵৻৸৻৸ড়ৢ৾৾৴৻ঀৢ৻৸

दे.लट.अकूबी.बाबुब्र.धी बीब.टीबी.बाबुब्र.बी.सूंच.का.वरील.च.रट.जब.बाव्य.लबा

क्ष्या.प्रि.चीया.तपु.सुट.चीया.क्ष्या.प्यूपा.पूर्वा। पह्या.मुट.याह्या.चीट.चीय.टीया.याष्ट्रया.याध्या.पा। भु.टची.क्षया.पा.पुयाया.तपु.पात्रा.कूर्या.पाध्या.पा। भु.टची.क्षया.पा.पुटा.क्ष्या.पाकूर.यथा।

चाब्रेखाता-चर्कूर्-ता-चाब्रुखाम्। बोब्रखाता-चर्कूर्-ता-चाब्रुखाम्। बोब्रखान-चर्कूर्-ता-चाब्रुखाम्।

র্জ্ব-ট্রিয়৸.য়৴য়য়ৣঢ়ৢ৴৴য়৸৻য়৴য়৸য়৸৻য়ঽ৸৻৸৴

<sup>[14]</sup> तहः ब्री:पव्यः देवः सं ऋते: स्नादः गाविषः नवः स्नादः । वृंगा १९वा १९वा १९वा

<sup>[15]</sup> तह् :बै:प्रथः रेव :रॅं: क्रेंते:श्नर :गृतेष: १व :धूरा :१वा १९वर्ष हुरा:५पा



> क्र्यःसरःयःचेथःग्रीदःयःवृतःपृच्छाः । मिष्टःयःक्ष्रीयःयःरेःतःद्रः स्मयःयःरेया । यह्यःभ्रीटःभ्रित्रःद्रम्यःयक्ष्यःमिष्ठेयःवेयःय्या । देःकुरःक्षेरःद्राधाःयक्ष्यःहःदरः। ।

> > विद्याः गुरुष्ट्र राज्याः

# *८* रनज.र्स्च क्रूब्य क्रुच्य क्रूच तायत्रेत क्रुव्य

ट्र्या-पहूंब-ट्र-ट्र-ट्र्या-गु-पर्कूट-ता-जा नुट-तपु-ग्रेब-ट्र्या-ग्रुव-क्र्य-वान्य-ट्र-अधेब-खुटा ट्र-ट्या-ज-पकूट-त-क्र्याय-श्रेय-ग्रेब-पट्य-पट्य-प्रम्य-अह्य-ग्रेब-नुट-तपु-ग्रेब-ट्र्य-प्राच्य-प्रच्य-ग्राच्य-ट्र-अधेब-खुटा ट्र-ट्या-ज-पकूट-त-क्र्याय-श्रेय-ग्रेब-पट्य-पट्य-प्रच्य-अह्य-प्रच्य-प्य-प्रच्य-प्

> यक्क्ष्य-तथायश्चीयश्चयः चयः क्ष्युः निर्द्धयः ग्रीयः यञ्चेया। इसः निःश्चीरथः तथा त्रीयः चारात्रात्रेयः अधियः छसः।।

<sup>[16]</sup> चॅद्-कुःळेंगः अहंद्-ळेव-ळा श्रे-देगका-द्ये-क्षुद्र-त्य-। १००५वा कूंद्-ळा ञॅग५५३

<sup>[17]</sup> चुर्रः ळुतः त्यञ्चः क्रीः देञ् रत्यते वित्रः धेनायञ्च देञः नाशुर्रः क्रॅं अत्ते वित्रः क्रॅं वित्रः क्र्यः । १०९१वां वित्रः देशः वित्रः

<sup>[18]</sup> बाञ्चा प्रतिः विवादि हुँ मुबार पञ्चिमवा प्रतः हूँ एवः श्री न सरवः र येः श्रुवः । वरः । १००१वा विमान



यह्म्ययःश्चर-रनजःस्व-क्ष्यःश्चेर-विनयःजःयर्द्धाः। यह्म्ययःश्चर-रनजःस्व-क्ष्यःश्चेर-विनयःजःयर्द्धाः।

क्षं.लु.क्ष्यं.क्षंया.युव्यं.क्ष्यं.युव्यं.

तल्च्यायात्तायायाः सूर्या।

अक्ट्या-चानुकाःग्री-चानुकाः मूर्या-चानुकाः मूर्या-चान्या-चानुकाः मूर्या-चान्या-चानुकाः मूर्या-चान्य-चान्यः मूर्या-चान्यः मूर्या

#### *६५*} स्ट्रस्याय्यसम्बद्धस्यायक्ष्यायक्षेत्रायुः स्ट्रिट्यस्य

दे.लट. इ. पर्या. बुर. कुर. त्या. (1357-1419) शहर्र - त्या. प्रिय. प्राची विषय. प्र

 $<sup>\</sup>begin{tabular}{l} $[19]$ $a.$^{\frac{2}{3}}$ + $$ 

<sup>[20]</sup> इट:हेब:बेन्नब:चन्नट:क्र्रैट:घॅ। वज्ञब:श्रुटव:र्त्तु:न्बब:श्रुट:। १९९७वॅ। ॲन:ग्रह्मः



य्यः श्चितः व्रवायः येदः वितयः तः श्चीः त्यः तर्द्रा।

ज्यायाः स्वास्त्रात्ते प्राप्ताः स्वास्त्रात्ते व्याप्ताः ।

तस्यायाः सः स्वास्त्रात्ते प्राप्ताः स्वास्त्राः स्वास्त्राः ।

तस्यायाः सः स्वास्त्राः स्वास्त्राः

श्रावयात्तर्यः स्टास्यास्य स्वायाः स्व स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायाः स्वयाः । स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायाः ।

> तस्त्रच्याः अक्रूचाः भ्रीः श्रीयः लयः श्रीयः तः स्व्या । रश्चाचाः श्रयः श्वीचयः ह्याः तः स्वाः तः तः स्व्या । लयः रचाः सूच्याः तथः सूजः त्यः रुच्चयः तः तः सूच्या । श्रचतः श्वायः श्वेः तयः क्रूयः ग्रीचः श्वेरः तरः च्याञ्चवाया ।

इ्चायःश्रट्संभें अश्रुट्रे जिनयः तः स्विचः तक्तः स्वा इश्चार्यः स्विवः न्यतः स्विच्यः स्वाः स्विचः स्वाः । इश्चः न्याः सिव्यः न्यतः स्वाः स्विचः स्वाः । इश्चः न्याः सिव्यः स्विच्यः स्वाः सिव्यः स्वाः सिव्यः स्वाः । इश्चः न्याः सिव्यः सिव्यः

<sup>[21]</sup> हेते.चुत्रस्प्त्वश्चराम् चुत्रस्य चुत्रस्य व्यावासुव स्पर्यं व्यावासुव

अकूच,चानुक,मी.लु.र्चटर.सू.ज.सीचा,पक्जा। क्या.चीच्यय.ची.पपु.प्रीय.चीच्या.च.साह्या। क्या.चित्रय.ची.यपु.चीच्य.च.चीया.पक्य.चह्या। क्या.चित्रय.ची.यपु.चीच्य.च.चीया.पक्य.चूरा। क्या.चित्रय.ची.यपु.पच्य.चीच्य.प.च्या.पक्य.चूरा। क्या.चीच्यय.ची.यपु.पच्य.चीच्य.प.स्चा.पक्य.चूरा। क्या.चीच्यय.चीच्य.पपु.पच्या.चीच्य.पर्या.ची भीवा.पर्या.पर्या.पच्या.पपु.चीच्या.पक्या.ची क्या.चीच्यय.चीच्य.पपु.चीच्या.चीच्या.पक्या.ची भीवा.पप्या.चीच्य.चीच्य.प्रीया.पच्या।।

चाल्यः (बुचा-ययः चय्यः क्रुचा-चुयः (यः क्रुचा-ययः व्यान्ताः व्याः व्यायः व्याः व्यायः व्याः व्यायः व्याः व्यायः व्ययः व्यायः व्यः व्यायः व्ययः व्यायः व्यायः व्यायः व्यायः व्यायः व्यायः व्यायः व्यायः व्ययः

2ची, लूट्य, चीचाय, 2ची। विट्रांत्र, भ्रिया, प्रया, प्रविद्या, प्रिया, प्रविद्या, प्रया, प्रविद्या, प्रवि

<sup>[22]</sup> यद्गै द्वै देवायाः स्वास्त्र स

<sup>[23]</sup> क्रिंग के के ना अहं न के ने केंग्री हो ना ना निर्मा के निर्मा के ना निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्मा के निर्म के

<sup>[24]</sup> गै।र्छट र्छेष र्श्वेट रूटा गुरुषा द्वी गुलु वृत्र गुरुष तुर्



चल्चेर्-जिचक्ष-स्ट-अर्क्ट्य-तर-चिव्य-स्वा । ज्यान्यक्षित्य-स्वा । व्यान्यक्षित्य-स्वा न्यक्षित्य-स्वा न्यक्षित्य-स्वा न्यक्षित्य-स्वा न्यक्षित्य-स्वा न्यक्षित्य-स्वा न्यक्षित्य-स्व न्यक्षित्य-स्वा न्यक्षित्य-स्व

## (७) मुत्र'ड्रग'अर्क्रग'गश्रुअ'र्'पबेट'र्ख्या

याब्रिक् प्याः क्रिंक् प्रत्युण क्रिक्य आर्क्स (1367-1449) ग्रीका आर्द्ध प्रतिः क्रिक् प्रत्याः मृत्रिक प्रतिः क्रिक् प्रतिः

ल्य. ५ य. प्ट्रं . मुं. विचयः यः स्वतः एक्तः स्वा। यदेजः चषुः चिवेटः प्तेच्यः अष्ट्र्वः मुः मुक्तः अह्र्यः या। क्रेयः स्ट्रं सः अटः चषुः स्वच्यः अट्यः चया। यदेजः चः मुः अष्ट्र्यः स्वच्यः यः च्या।

द्याः त्र्राचित्रः विद्यां क्षेत्रः विद्याः विद्याः

<sup>[25]</sup> क्षेत्र न् मॅत्र ह्याय स्त्रीतः यहार त्याया यन् याह्यसः या साह्यसः स्वासः नियसः नियसः । ५००५ त्या स्वाः ११

<sup>[26]</sup> आवल पति : न्यात : क्रेंबा क्री : नेयाल : न्यो : क्रुव : विष्टा : क्रुव : विष्टा : क्रियाल : विष्टा : विष्ट



উপা-শ্র-মিব-দে-শ্র-ম্বিশ-শ্রন্থ-শ্

### (क) ब्रेन'र्चन'यङ्ग'नज्ञन'र्न्'नलेन'र्छ्ला

रे.केर.रेट.र्यार.धूं.पचट.पहांबेर.लक.(1927-1997)ग्रीकाश्चाह्र.रापु.सेट.र्यार.कूच.शाह्र्र.लक.<sub>[59]</sub>ग्रीटा, लट.बे.खेर.हे.ट.र्यार.कूच.शाह्र्य.लक.<sub>[59]</sub>ग्रीटा, लट.बे.खेर.हे.ट.र्यार.कूच.शाह्र्य.लक.वाह्र्

<sup>[27]</sup> गुरु अष्टित महीद त्रहा स्ति । र् ते ने वित् रे ने प्राप्त महीद । १००० वि वित्र स्ति ।

<sup>[28]</sup> तुन:नगरः ळेवा अहँ नः ळेवः अं। युनः केंदिः चेनः नेवा सः निसं क्षुवः विनः। २००१वा विवाराणे

<sup>[29]</sup> तुर-नृग्न-क्रिया अहँन-क्रेब्र-ब्रॅं। गुर-क्रिंचेन-त्रिया-ध-न्शे-क्रुब्र-यिर-। १००१व्या व्याप्रक्रिया व्याप्रक्रिया व्याप्रक्रिया व्याप्रक्रिया विष्णु



#### 

 $\frac{1}{2}$  ज्या देश श्र. त्रे. त्या देश हे. या. त्या. त्या.

## {७} बुत्र'ड्र्ग'लस'सर्ह्रम्'गज़ैस'स्रे'प्रदेर्प्रदेश्ह्या

यहेब.त.चभेट्य.तस्य.च्या.चर.ट्याता.तर.ट्याता । सर्.चीट.चाध्या.सूच.चीय.चय.प्रेट.चकेब.च्याच्या सर्.चीट.चाध्या.सूच.चीय.चय.प्रेट.चकेब.च्याच्या। प्रकेब.त.चभेट्य.तप्र्यंचया.च्याच्याच्या.त्या.त्या.

अर्द्र-त्र-तसम्बर्धः स्थान्तः स्वायः परिः व्यव्यः मुक्षः यहेमाः हेवः पुः चुँवः पः व्यः यञ्चः । धुवः योः याः शृः विवायः मुक्षाः यम्। विहः

<sup>[30]</sup> देवा बेरा द्वारा वी की रेगका द्वी क्षुवावरा। १९५७ वें। व्यव

<sup>[31]</sup> तुरः नगरः क्वेयाः अर्हेनः क्वेबः स्र्री गुरः मेदिः र्वनः र्वनः यः न्वेः श्लुबः विरः। १००१स्। स्वा१००

<sup>[32]</sup> गॅम्-श्चाला: ऑब-५व-मु:बार्क्टवे:वेषाचु:गुव-विमा बी-देगवा-मो-सेन्श्चव-विमा १००५ वा विमा १०१

चीबार-स्टान्वुस्-जिचाबाः श्रिबंद्धः ताचीस्त्रास्त्रा अकूचाः चाबुबाः चीुबाः चीतः स्टान्वुस्-जिचाबाः सूनः याचीस्थाः सूनि। विवाः चाबावाः स्टान्विस्याः सूनि। विवाः चाबावाः स्टान्विस्याः सून्याः स्वाः स्वः स्वाः स

अर्देर-व-रु-र-प्राय:क्रिया-अर्ह्स्न-(यर्वाःम) यह्या-भ्रीट-क्रिया-क्रिव-ह्या-क्रिव-स्राय-क्रिया-क्रिय-क्र

<sup>[33]</sup> चर्-द.पहूंशब.कूब.पवैट.। यु.पूर्व. यु.सूब.चय.र तु.सूब.वट.। ४५५५यू। स्वापः

 $<sup>[34] \ \ \</sup>overline{\S} \, \overline{\varsigma} \, \overline{\varsigma} \, \overline{\gamma} \, \overline{\gamma} \, \overline{\gamma} \, \overline{\delta} \, \overline{\gamma} \, \overline{\gamma} \, \overline{\delta} \, \overline{\gamma} \, \overline{\gamma}$ 



तः च्राक्षका चरः श्रह् देः सः क्ष्याक्षः सूर्।।  $\frac{1}{2}$  क्षाः च्राक्षका चरः श्रह् देः सः क्ष्यां च्राक्षका चरः श्रह् देः सः क्ष्यां च्राक्षका स्त्रां च्

इया.ची.वीय.पर्षेष.त्र.पर्षाया.तथा.त्रा.की.जू. ४०१८ डी. १० क्रूबा. ४० ट्वी. पर्।।

# ৢ৽৽॥ৢৢয়য়ৢয়৻য়৾য়৻য়ৢ৾য়৻য়য়৻য়ৢ৻ড়ৢ৾৻য়য়৾ঢ়৾য়৻য়৻ৼয়ৢৼ৻য়

गूर.र्गर.र्ग.क्ष्री (स.र्.अवू.ध्रॅंचा)

द्रम्यात्तपृःश्चेताः सः हेष्ट्रेषः वर्ष्टीयः मश्चेटः यह्तं ट. याष्ट्रयः यहेषः यो तः यहेषः । । त्र्यः चतुः मालटः त्ययः मिट्रियः चीः तर्देषः यहः हुतः ताः नेषः गीषः युषः नेषः यो याः यूषः निषः यहः । । याष्ट्रा चीयः वर्ष्यः ताः मिठ्रमः तुः यहः वर्षः यहः हुतः ताः नेषः गीषः युषः यहः । । यह्नं - चीयः मिठ्रियः गीः हुः स्यः यहः वर्षः यहिष्यः यदः यो येषः युषः यहः । ।

#### ষ্ট্ৰব্যথা

चर्चिययः पक्ष्यः स्रैटः यः दे. पत्नुयः दी। क्रियः यः क्रूयः स्रथयः भेषः ययः ग्रीय।। अः स्टः भेषः पुरात्रः प्रात्यः प्राः । । हिः स्रेयः यटः पत्नुषः स्रयः भेषः ययः भीषः ।

#### शूॅ्रिन:द्र्यंत्र:श्रुच:ब्र्न्यराणुरा

¥श.नेय.श.लुव.धीव.शुव.ची । टु.जय.चावव.रापु.श्रेय.ची.चाटा । श्रेय.ची.य.शुव.क्ष.श.लुवी । श्रु.शुव.र्धिट.शुव.वश.श्रापप.शुवी ।

#### 

चन्द्रभः स्थान्त्रः स्थान्त

## गाव साम्रिव सी प्रया रेव र्पे केश



हे.श्र.ज.चबर.चयु.ह्र.ह्रा

યાલું જીત્ર.ત્વ્ર્યુત્ર. કૃતા. શ્રુતા ત્રાપ્ત ત્રાપત ત્રાપ્ત ત્રાપત ત્ર

कूथ.ई.थ.राष्ट्रश्चीथा

स्यायान्त्रम् व्याचा । व्यास्यायाः स्यायाः स्यायाः स्यायाः स्यायाः स्यायाः स्यायाः स्यायाः स्यायाः स्यायाः स्य

हें पर्ग केर केव रें हा

 $= \frac{1}{2} - \frac$ 

ব্রহ্ম ন্ত্রহ্ম মট্রির নৃত্ত ক্রম ন্ত্রী রূম ন্ত্র্ম

ह्म्य.त.प्रीय.चेता.चय.क्र्.रची.अषु.जन्ना ।क्रूय.न्यात्य.धी.तुर.त्यर.क्र्य.धी.अर्थ.प्रीय.व्या.क्र्य.धी.व्या.व्य त्र्यर.पर्य.क्ष्य.भीय.क्ष्य.पर्वेत.च्युत्त.क्ष्या.त्र.च्या.व्या.क्ष्य.धी.त्यर.व्या.क्ष्य.धी.व्या.व्या.व्या.व्य

"मॅट्र स.श्रु.सेट्र पर्छे.पर्ध.स.क्रुस्स।

য়ৢঀ৽ঀ৾৻৻ঀৢঢ়৽ঀ৾ঀয়য়য়ঀ৽য়ঀ৽ৼৢঀ৽য়৾ঀৼয়ৢঀ৸ঀড়ৢঢ়৽য়ৼঢ়৽য়ৢয়ৢঢ়৽ঀঢ়য়৽ঀ৽য়ড়ঀ৽ঢ়৽ঀঢ়য়য়৽য়ঢ়য়৽৸৸ য়ৢঀ৽৻ঀৢয়৽ঢ়ঀৢঢ়৽য়য়ঀ৽য়ঀ৽য়ঀ৽ঢ়ৢঢ়৽ৼৢঀ৸৳ৢঢ়৽৻য়ৢঢ়ঢ়৽ৼয়ৢঀয়৻য়ৢঀ৽য়ঢ়য়৽য়ঢ়য়৽য়ঢ়য়৽৸৸

#### 対け、数インコ

त्यात्मक्षात्त्रेराक्ष्राक्ष्यात्त्रात्मवात्त्रात्मवात्त्रा । प्राप्तात्मक्ष्याः भ्राप्तात्त्रात्मक्ष्याः भ्राप्तात्त्र । प्राप्तात्मक्ष्याः प्राप्तात्त्र । प्राप्तात्मक्ष्याः प्राप्तात्मक्षयः प्राप्तात्मक्ष्यः प्राप्तात्मक्षयः प्राप्तात्मक्ष्यः प्राप्तात्मक्षयः प्राप्तात्मक्ष्यः प्राप्तात्मक्षयः प्राप्तात्मक्षयः प्राप्तात्मक्षयः प्राप्तात्मक्षयः प्राप्तात्मक्षयः प्राप्तात्मक्षयः प्राप्तात्मक्षयः प्राप्

<sup>[1]</sup> ब्राह्म अर्थन अर्य अर्थन अर्य अर्थन अर्य अर्थन अर्थन अर्थन अर्थन अर्थन अर्थन अर्थन अर्थन अर्य अर्थन अर्य अर्य अर्य अर्थन अर्थन अर्थन अर्थन अर्थन अर्थन अर्थन

 $\frac{1}{3} \frac{1}{3} \frac{1$ 

क्ट. मी. ट्रस. च्रम. क्रुंच. क्रुंच. क्रुंच. मी. क्रुंच. च्रस. अक्र. अव्यय प्रांच. क्रेंच. च्रम. च्र



 $\hat{a}$ ी.पट्ट. प्रवृत्त.  $\hat{a}$ चे त्या.  $\hat{a}$ चे त्या. त्या

<sup>[2]</sup> रिट.ट्रायर क्षेत्रा अर्थर मि. स्वार्या के क्षेत्र स्वार्य स्वार्य

 $\frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1}$ 

तर्मा विकास स्वास्त्र स्व

 $\frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{3}} \frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{3}} \frac{1}{2}$ 



पट्टी- विचायन्तरक्षे निष्यां । देट- बट- बीचायान्तरक्षे अध्याद्धाः इत्राची- क्षेत्राचाः स्वाप्ताः स्वापताः स्वापतः स्वापताः स्वापतः स्वापताः स्वापताः स्वापतः स्वापतः स्वापतः स्वापतः

लाम् चीम्यान्तः भेषाः श्रीत्। ।

लाम् चीम्यान्तः भेषाः श्रीत्। ।

लाम क्षेत्रः प्रत्ने मान क्षेत्रः भेष्तः भेष्तः प्रत्ने मान क्षेत्रः प्रत्ने मान कष्त्रः प्रत्ने कष्त्रः प्रत्ने मान कष्त्रे मान कष्ते मान कष्त्रः प्रत्ने मान कष्त्रे मान कष्ते मान कष्त्रः मान

च्छुचा. में. प्रतिपान्या प्रथा, प्रेन्त्र, प्रस्ति ने स्वा प्रकृत, प्रवि प्रा स्र्रेश श्री। ।

बिचा. च्युच्च प्रस्ति प्रा प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रकृत प्रवि प्रा स्र्रेश श्री प्रवि प्रस्ति प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रवि प्रस्ति प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्रवि प्रस्ति प्

मर्वेद्र-ध्रते म्बद्द-त्री त्येम्बर-ध्र-ध्रव्यक्ति ।

रमः कूँचयः ग्रीयः श्रीयः चः यप्ट्रेयः सूचः चर्चीचः यप्टः तप्टः व्याः चीवाः व्याः चीवाः चाय्यः श्रीयाः याः व्याः चायः व्याः चित्रः चीवाः चित्रः व्याः चीवयः व्याः चित्रः व्याः चीवयः चित्रः चीवयः चित्रः चीवयः चीवयः चीवयः चीवयः चीवयः चित्रः चीवयः चित्रः चीवयः चित्रः चीवयः चित्रः चीवयः चित्रः चित्रः चित्रः चीवयः चित्रः च

## ७<<ছ্ৰীমান্ত্ৰমান্ত্ৰীঞ্জানইোৰামাৰাজনান্ত্ৰীমান্ত্ৰমান্ত্ৰী

<sup>[3]</sup> मील.च.रे.चु.परीय.चीय.मीळ.अह्र.न्यु.अह्र्स.पु.च्या.घर.लश.चळा.चीर.लय.चिथा



मुच द्वा मुट तालका ट्र्बा मुच त्युच त्युच त्युच त्या सुच त्या सुच त्या स्था त्युच क्षा मुच त्या स्था सुच त्या सुच

रा.कुबःधियः स्तृत्यं प्रस्तः अक्ष्टः स्त्रीचा-तपुः स्टाः क्ष्यः जावा वाष्ट्र जान्यः स्त्रीचा वाष्ट्र प्रस्तः वाष्ट्र प्रस्ति वाष्ट्र प्रस्ति

त्र. चेर. चिर्यात प्रतिय अन्तर स्थान प्रति स्थान स्था



पषानिषाया केता वा निष्ठा प्राप्त के वा प्राप

्यप्तिन्त्रा श्रीय-तपुः सूच्या तपुः श्रीय-नुन्-त्नः कृष्य-तपुः श्रीय-सूच्या विष्य-वर्ष्यः श्रीय-तपुः सूच्या तपुः सूच्या तपुः

- स्वास्त्रम् । अर्द् स्वास्त्रप्ते अत्राध्यात् । क्रिन्त्र । क्रिन्त् ।

<sup>[4]</sup> म्बिट्र प्रेर प्राचित्र म्वामा स्याप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप

क्षेत्रक्षः स्टर-स-र्ट-, श्र-स्वा-स-रच्चेत्र-क्षेत्रक्षाक्षण्यान्य स्वान्त-स्वान-स्वान-स्वान-स्वान-स्वान-स्वान क्षेत्रचीयः सन्तः स्वान-सन्तः स्वान-स्वान-स्वान-स्वान-स्वान-स्वान-स्वान-स्वान-स्वान-स्वान-स्वान-स्वान-स्वान-स्व क्षित्रची स्वान-स्व

ह्या.ग्री. इथा. चिष्या. पहुंचा. पहुंचा. पहुंचा. पहुंचा. पहुंचा. च्या.ग्री. श्री. प्राप्ता. युंचा. युंचा.

# 

दृत् श्रमः द्रेषः चर्षेथः चर्यात् श्रमः चर्षः विष्यः क्ष्मेयः विषयः विष्यः विष्यः विषयः विषयः

<sup>[6]</sup> गुत्र-सम्बेद-तह्रस-चत्र-ग्री-शुप-सम्बद-स्र-चति-स्रेग-तमा प्राप्त



यम्मा-कृमा-मृत्येश्वर्या।

यम्मा-कृमा-मृत्येश्वर्या।

यम्मा-कृमा-मृत्येश्वर्या।

यम्मा-कृमा-मृत्येश्वर्या।

यम्मा-कृमा-मृत्येश्वर्याः अविव्यः अविव्यः यम्भू विव्यः यम्भू विव्

च्चित्र क्रॅन्थान्त्र स्थान्त्र त्यान्त्र स्थान्त्र त्यान्त्र त्यान्त् त्यान्त्र त्यान्त्य त्यान्त्र त्यान्त्य त्यान्त्र त्यान्त्य त्यान्त्र त्यान्त्य त्यान्त्र त्यान्त्य त्यान्त्य त्यान्त्य त्यान्त्य त्यान्त्य त्यान्त्य त्यान्त्य त्यान्य त्यान्त्य त्यान्य त्यान्त्य त्यान्त्य त्यान्य त्यान्य त्यान्य त्यान्त्य त्यान्त्य त्यान्य त्यान्य त्याच्य त्यान्य त्यान्य त्यान्य त्याच्य त्याच्य

<sup>[7]</sup> विषे.यग्रेष.ग्रीय.श्रघष.जग्र.चर्थेश

कुट. टी. कूंब. तथा तारा ब्रीया या हाट पा तपुर प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त कु. या प्राप्त कु. या प्राप्त कु. या प्राप्त प्राप्त

યાવયા શ્રી તા ક્રિયા વધા સુત્રા તારુ તા સુત્રા તારુ અપ તારુ તા સુત્રા તા

<sup>[8]</sup> मुल'र्ळप'ह्रेब'यहर्द्'पंदे'र्ळप्'याङ्गब्य'त्र्योल'ग्री'लेतु'र्दः'र्येदे'ङ्गब्य'प्रभूत्'वा



## १८८ हेस'व'सुन'स्नि'युन'हे'सुन'नबेन'सुल'ल'नधुन'न। >>

<sup>[9]</sup> देरः सरः द्ये क्षः वः वस्य दरः वर्देन् यः चस्य दः क्ष्रें स्थानः क्षेत्रः वेता विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः

<sup>[10]</sup> तर्नुतार्यतः क्रिंग् सर्हिन्। र्नेग् ग्राम्या १००५ स्थारस्य राज्यो प्रत्ये स्वारं मीया यस्यया

<sup>[11]</sup> गुर-घर-पर्वेश-तपु-ब्रॅंश्व-अथायह्र-पर्व-र्गु-एय-पुग्यायाचर-क्रिय-पर्व-ब्रॅब्र-पर्व-ब्रिय-पर्वा

# 



प्रथानपृत्यं स्थान्यः सूटः तर्यं च क्षेत्रः नयः शेत्रः विचित्त्यः चित्तः चित्तः चित्तः विच्तः विक्रेत्रः अर्ह्यः सूरः अर्ह्यः स्थान्यः स्यान्यः स्थान्यः स्थानः स्थान्यः स्य

त्र्य्, च.लक्ष. बॅट.च. ट्ट. ब्रॅट. ता. चोबुका. चा. ब्रॅट. ट्चू का. ता. जा. तुच्च प्राचा. क्ष्यं च्या विका. विका. च्या वि

षपु.लश.जाय्यायात्तरःश्चितःत्रयःश्चितःत्रयःश्चितःत्त्र्यः भ्वातः त्रित्तः त्र्यात्तः व्यातः त्रितः त्र्यात्तः व श्चेत्रः श्चेत्रायाः स्वातः त्र्याः वित्रः वित्यः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः

# 

८३८-तपुःश्च्रं,चथा-पहुचा-क्रेच-तपुःशिचाबाक्चीः घःश्चेट-तपट-कुट-ता-क्ष्राबा-पृथे,चाट-प्राच्या-प्रच्या-प्राच्या-प्राच्या-प्राच्या-प्राच्या-प्राच्या-प्राच्या-प्राच्या-प्राच्या-प्राच्या-प्राच्या-प्राच्या-प्राच्या-प्राच्या-प्राच्या-प्राच्या-प्राच्या-प्राच्या-प्राच्या-प्रच्या-प्राच्या-प्राच्या-

णुय-दिन्द-सन्य-स्ट-तृष्ट्रय-श्री । त्र्य-स्त्र-स्त्य-स्त्र-स्त्र-स्त्र-स्त्य-स्त्र-स्त्र-स्त्र-स्त्र-स्त्र-स्त्र-स्त्य

# <u>इस्रवायत्वीर्यत्त्रीय्रम्यत्त्र्याक्ष्यत्वत्त्र्यत्त्र्यत्त्र्यत्त्र्यस्यत्त्र</u>्



## <u>इस्रचल'त्रशुर्र'यते'स्याय'य'य'ऋ',ऋ'र'श्चर'यवेर'नवेर्स्र'यते'श्चु'स्रङ्ग्र'यवे'यो</u>

क्याह्म.याया स्थाना चित्रेच.य्या त्यीच.क्यां शुट्ट.स्याच.क्यां प्रथम् व्याप्त स्थान्य स्थान्य

त्या. तृष्ठ, ध्री श्रामा. विश्वा. तथा. श्री स्टा. तप्त्रा. तथाया. तथाया

्रेट्-तु। तुअन्यत्त्रे महत्त्वर्वाक्षेत्रे मावाद्यात्रे स्थान्य क्षेत्रः मावाद्य क्षेत्रः मी महत्त्वरः क्षेत्र अदि -तु। तुअन्यत्त्रे स्थान्य क्षेत्रः यत्रः यदेव स्थान् क्षेत्रः यत्त्रे क्षेत्रः भी वाव्यवः वाव्यवः वाव्यवः क्षेत्रः भी वाव्यवः कष्यः वाव्यवः वाव्य

<sup>[12]</sup> न्तु-स्र-न्मॅन्स-स-र्नामस्य



स्तात्री वृष्यः सूच्याः चित्रं चित्र

#### *८*<<न्तम्स'क्र,'चर्ते'न्तु'स'म'न्वत्र'क्रस्य'ग्रीस'व'स्नुन'स्न-'सून'से'न्वेन'चर्ते'ह्रस'स'न्धुन'म।>>

द्रि. इ.स. त. शुब्र. थे। ब्रेस. तपु. स्ट. व्ह्रीय. प्यूचा. तपु. पर्युचा. तपु. प्रा. व्हुचा. वहुचा. वहुचचा. वहुचा. वहु

लीता-र्रे.खेथो। ब्र्य-ब्रापु-झ्र.ब्र्या-प्रकेथ-ता-यो। यथा-योवत-अब्रूट-खेय-य्रीय-त्रा-प्रियोगी। खेया-वीशेट्य-त्रापु-झ्री-प्राप्त-क्र्य-। खेया-र्रे-। क्र्य-था-युवाया-वोधेय-श्री-प्रय-श्रेवया-क्र्याया-पश्चित्र-त्राया द्रवाया-पश्चित्र-या-व्रीय-प्रविय । खेया-र्रे-। क्र्य-था-युवाया-विश्व-ता-श्री-प्रय-श्रेवया-क्र्याया-पश्चित्र-त्राया-प्रवियाया-प्रवियाया-क्रियाया

श्रम् अप्यास्त क्ष्मा । क्ष्मा क्ष्म

ઋત્યા શે.તજ્ર- તવુ. ક્રેંદ- જ્વા. ત્યા ત્યા જાલવ જૂર્ટ ન તવુ. જોત્યા ન તું. તવું ન હેય. ત્યા છે. તે છે. ત્યા છે. ત્યા છે. તે છે. ત્યા છે. તે છે. ત્યા છે. તે છે. ત્યા છે. ત્યા છે. તે છે. તે છે. તે છે. ત્યા છે. તે છે. તે તે છે. ત્યા છે. તે છે. તે છે. તે છે. તે પ્યા છે. તે છે



धर.पर्या.म्री

 $\frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{$ 

 $\alpha$ दी, ब्रैं अध्याश्चर, त्याप्त, त्यां दें प्राप्त अपाय प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त

मुक्तःश्ची-पत्रःश्ची-पत्रःश्ची-पत्रःश्ची-प्रत्यःश्चि-प्रत्यःश्चि-प्रत्यःश्चि-प्रत्यःश्ची-प्रत्यःश्ची-प्रत्यःश्ची-प्रत्यःश्चि-प्रत्यःश्वि-प्रत्यःश्वः।

यम् प्रत्यास्य स्वास्य स्वास्

#### ५<<=>'गଡ଼ିକ'ଈ'ନମ୍ମଦ'ରନି'ୟୁ-'ନିମ୍ନକ'ଫ୍ରି'ଛୁଁକ'ରମ୍ମ >>

चला-र्यी-श्रम-श्री-ताम्भियान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रान्त्राम्यान्त्रान्त्राम्यान्त्रान्त्राम्यान्त्रान्त्राम्यान्त्रान्त्राम्यान्त्रान्त्राम्यान्त्रान्त्राम्यान्त्रान्त्राम्यान्त्रम्यान्त्राम्यान्त्राम्यान्त्रम्यान्त्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्यान्त्रम्यान्त्यम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्यम्यान्त्यम्यान्त्यम्यान्त्रम्यान्त्रम





क्षेर्-विश्वरा रुर्-वावद्रः स्ता । क्षेत्रा राज्या मूंद्रा वानुवा गार-विवा । वेदाः व्यावा वात्रा वात्रा

ट्रीट्र-त्तृत्यक्ट्र्ट्र्या । पट्ट्र-वर्ष्याय्वयायायः भेषाट्ट्र-प्री-प्राक्ष्यः क्ष्रा । व्राव्यक्ष्यः प्राप्तः व्राप्तः व्रापतः व्राप्तः व्रापतः व्रापतः व्रापतः व्रापतः व्रापतः व्रापतः व्यापतः व्रापतः व्रापतः व्रापतः व्रापतः व्रापतः व्रापतः व्रापतः व्यापतः व्रापतः व्रापतः व्रापतः व्रापतः व्रापतः व्रापतः व्रापतः व्यापतः व्रापतः व्यापतः व्रापतः व्रापतः व्रापतः व्यापतः व्रापतः व्रापतः व्रापतः व्यापतः व्यापतः व्यापतः व्यापतः व्रापतः व्यापतः व्

चलुब्र त्यम् र ग्रीब्र अष्ठिब्र मूं र अवात्त्वावात्त्वा स्वर् स्वर प्राच्या वात्त्र वात्त् वात्त्र व

द्र-(बेब-र्-प्रेन्वेब-र्न्)। प्रवेब-त्र-प्रक्र-प्रवेब-र्न्।

ख्याचिश्वर्यातपुःहिरा ख्याचिश्वर्यातपुःहिरा खाञ्चेयान्तरःकुंचान्तरःकुंचायाः च्यायाः व्यायाः व्यायः व्य

র্বৈ দি। এই অ' দ্রা দেইর দের দের এইর এইর এর রাজ্য হিদ্যা প্রদেশ বিশ্ব দের প্রদেশ করে। এইর এইর এইর এইর প্রদেশ করি ।



तात्तवत् क्षेत्र.  $\hat{\mathcal{L}}$ . यात्र्वत् क्षेत्र.  $\hat{\mathcal{L}}$ . तात्त्र त्यात्र त्यात्त्र त्यात्त्य त्यात्त्र त्यात्त्य त्यात्त्र त्यात्त्य त्यात्त्र त्यात्त्र त्यात्त्य त्यात्त्र त्यात्त्य त्यात्त्र त्यात्त्य त्यात्य त्यात

 $\frac{1}{2}$  |  $\frac{1}{2}$  |

यर. द्रमाश्चा।

यर. द्रमाशः श्वा।

यर. द्रमाशः विष्यः माशः विष्यः माशः विष्यः माशः विष्यः माश्वाः विष्यः माश्वाः भ्वाः माश्वाः भ्वाः विष्यः माश्वाः भ्वाः विषयः माश्वाः भ्वाः विष्यः माश्वाः भ्वाः विष्यः माश्वाः भ्वाः विष्यः भ्वाः विष्यः माश्वाः भवाः विष्यः माश्वाः भवः विष्यः माशः विष्यः भवः विष्यः माशः विष्यः माशः विष्यः माशः विष्यः माशः विष्यः माश्वाः भवः विष्यः माश्वाः विष्यः माशः विष्यः माशः विष्यः माशः विष्यः भवः विष्यः माशः विष्यः माशः विष्यः माशः विष्यः माशः विष्यः माश्वाः भवः विष्यः माशः विष्यः माशः विषयः माशः विषयः माशः विषयः माश्वाः भवः विषयः माशः विषयः माश्वाः भवः विषयः माशः विषयः माश्वाः भवः विषयः माशः विषयः माशः

#### > 기기

त्व्र-दु-त्र्व-क्री-ह्र्ब-त्व्र-त्व-क्री-हु-क्री-हुक्-त्व्र-त्व-क्री-।

क्रिक-त्व-क्रिक-क्रिक-क्रिक-क्रिक-क्री-।

क्रिक-त्व-क्रिक-क्रिक-क्रिक-क्रिक-क्री-।

क्रिक-त्व-क्रिक-क

# न्धन्'म्बेद्धः'म्बन्द्रः'सन्'।

- 🗖 र्र. या मुद्रा मा स्वार मा स्वार में द्रा
- 🕮 বুল্ম'ন্সুব্'শ্লুব'নের'প্রিন'ল্
- 🚇 বুল্মার্শরেমান্তুর্
- 🕮 वेर वर्षेवाणी ५ गा
- 🗖 पहेंग.पंग्रील.कै.च.स्व.श्रला
- 🔳 ঘ্রব:ঘ:ন্র্নম:ল্মন্
- 🖺 देश विशारित र्रा के क्रेंब शो
- र्कूंद्र: धुव : ऋत्यः प्रज्ञद्रः श्रेण : त्रज्ञेद्रा
- **व** र्कन् अः म्रेन्त्रुवः धेन् ग्रीः सुवः सेत्य
- 🗖 है.पहंबा.रविरयारविषाहेंत्रि.विधरापरीया
- **व** हिते.पहेबो.सपु.इस.चन्नर्.र्म्स्य.स.स्य.बोबाबा
- 🕮 इ.चे.प्रेग.क्रुवा
- 🖺 ৠয়৽য়ঢ়ৼ৽ড়ঀ৽য়৾৽
- 🗖 सुःश्चितः नृष्ट्यः मुद्रा







# व्यतः त्रक्ष्वः श्चेवः स्यान्यः शुः त्रहरः त्र्यः या श्वतः त्रक्ष्वः श्चेवः सः स्यान्यः शुः त्रहरः त्रुयः या

યું.સ્પ્રેય.ત્વર્ય. ટું.લે.શ્રે.ત્વર્યા. શ્રેલ્ય.શ્રેય.ત્વર્યા. ત્રીયા. ત્રાસેય. ત્રાપ્ત પ્રાપ્ત પ્રાપ્ત

`Ĕ॔गॱऋॖॱतॱॡॖॸॱॸॖॖॺॱॺॺॱॻॺॺॱॻॺय़ॱॻॺॸॱॻॺॱढ़ॗॱॻॖऻ॒ॸॱख़॔ॸॱख़ॾॕॺॱय़ॕॸॱॺॕॺॱय़ॱऀॺक़ॱॸॖॺ।ॱॸॆऀऄॱॺॵॺॱॾॱॸढ़ॏॺॱ वयः तर्ह्यः त्रीतः श्रेतिः श्रेत्यः कतेः श्रेषः यापः रागायः श्रेयः याप्तरः श्रेत्यः प्रतः ह्रायः श्रुयः क्रुयः श्रेयः क्रियः क्रुयः व्याप्तः ह्रायः व्याप्तः स्वयः स्ययः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्व पश्चपःचृतिःश्वेदःर्थःर्ख्रःत्वद्याःने।देतेःर्वेगाययाःवर्षाःपःशैःश्चेतिःपदेःश्च्याःयःदर्षादयःपःपतेवेदःश्चेगयःददः।ययः क्रेंब्र'ग्वर'क्रेर्र्य, दे क्रेंक्ट्र्य, क्रेंट्र्य, धेंद्र'य' बेव्य'यहिंद्र'। ट क्रें अट दें 'बेव्य'ग्वहट व्य गत्गमानी लेद सेते के केंद्रे दर द्रो कर्दर वहीय पर पेंद्र प्रमूर पर केग तुष क्रूद अर्घर मी के विद्रमा दिये मिन ୬<sup>8</sup>भुत्रयः अर्षेत्रः देत्रः पॅ:ळे:८्टॅयः मृत्रयः त्रययः ग्रीयः की:छितः पः देटः तर्ग ।८ेदे: बटः८ पॅट्यः पः त्वेटः धूट्यः ८८ः। त्रमादःर्श्वेतःम्बदःश्वेद्दशःदेःदश्चेमवाःत्रवायःविमादःश्वेतःग्रीःर्वमाववानव्यात्रवाश्चेतःग्रीतः। व्यमाद्यात्रव वयायभरायाधिवाद। भूगवाक्तिवादीयाधिवायाचा वयाचे ययाचा वा राज्या क्षेत्राची हैं। *बदःददःचरुषःचर्षःव्वः* श्रॅदःदुःसःचरःचत्रुदःचश्र्दःचर्तःकुःगृबुदःवःस्वःवर्द्दवःगवदःकुःदेःग्रेश्चेत्रवायायात्रेतः रैत'र्रा'के'न्,'ठट'व्राग्रा'र्ट्डीटरा'केव'र्रा'रेट्। कॅ्व'य'केवरा'वश्चर'ठेग'गी'स्नवरा'क्वॅय'झे' [ Mumbai ] ग्वय' बर-रु-निद्यान् होन्य-सुक्ष-बेराका द्रका धारा क्रेस-क्रु-क्रिं-। वा निवान क्रिना राष्ट्रिका स्वीका सुदार पा सेना देन्। ॠनलःनेरःॺ्टॅब्रःवःमुःग्ररःग्रीःवलान्तेन्।याः अह्वःन्गॅलःयःने क्वें अह्वःवस्त्रः ग्वन्।नःनः। ने वलानुलः ळॅंदॱऄॅ्रटॱ२ॱॲंदॱ२तेॱॠ्रत्यःधुम्।यद्ॱढ़्रयःधुम्।द्रयेॱढ़्रीम्।य्र्नृद्रःम्बरःध्रेःम्बीम्यःद्रयःयद्रम्यःस्टाःधुम्।द्रयः दे<sup>ॱ</sup>सं'प'वेष'रप'रेद'५५म् ।स'प'वेष'रप'य'बळ्द'ळुद'ळुद'दे'यद्'अद'र्धे'पहप'ग्वद'यद्ग्य ।दे'र्ष ५.२८.लूर.श्रूब.श्रुब.वीर.।

चिम् चिम् क्ष्यः क्ष्रायः त्वीयः सम् । माः यः यः वीयदः क्ष्र्यः स्याः स्याः



प्रणायः त्यायः त्यायः स्वाप्तः स्वापतः स्व ह्नाःबावदःग्रान्तःवर्द्धवयःन्रॉविन्धंःत्रेन्। वॅन्गीःचनेदःन्द्वःन्नःवर्द्यनःस्निन्देनःन्वरयःग्रॅवेःवयःयुग्वरःह्येवः ग्रवरायान्या नृतुः अदिः त्या श्रीः व्यान्या विष्या कृष्टि । स्वान्या कृष्टि विष्या श्रीः विषया विषया विषया विषया विषया । &`दे'म्'रूट'मैं'र्वेम्'ल'र्बेद्'द्मॅब्रप्प'द्दा अर्देर'ब'र्वेद'ग्रीःस'र्देब'द्द'व्द्वेल'वदि'र्वेम'ल'सुम्'लब्राम्बर'च' ૽૽ૺૹ૽ૼ૾ઌ૽ૼૢૼ૾ઌ૽*ૡ૾૽*ઌ૽ૹ૽૽ઌૻઌૼ૽૽૱ૺૺૢ૽ઌ૽ૹઌ૾ૻૹઌ૽ૼ૱૱૱ઌ૽૽૱ૡ૽ૼ૱ૹ૽ૢ૿ઌ૽૽ૹ૾ૢ૾ઌ૽૽૱૽ૺઌ૽૽૱ बर्वेदः ५८१। क्रुवः ग्रागलः क्रेवः र्ये 'ऑप् 'यः ५८१। बी बादः र्येषः यञ्ची रागुरः ऑप् 'यः देः र्येपः र्वता क्रु बार्ळवः गदः त्रेम'त्य'चहे**द'द्रश'प**ऋ'मे'ऑर्'य'र्र्स' म्वर्'ऑर्'ब्रे'र्र्रा' आप्रय'य'अर्'व्रेम'मेव'श्लु'अर्द्र्द'त्य'र्द्र्यम्य' नम्बत्यः के अर्घेट चिन् न्वेंबर नदे क्रुं अर्क्षवर ने मिट त्यर हुम प्रेंन् अन् अर्घ क्षिम मीबर अधिवर ची और वर्ष मानिवर वा<sup>भ</sup>ञ्जप्रायाः अर्षेत्रः देत्रः र्यः केः र्क्षत्रः देगः पः द्रान्यः त्रात्रः त्रात्रः त्रात्रः त्रात्रः त्रात्रः वित्रः वित्र रैग'र्स्र गे'ङ्गे'र्ळव'व्रस्थ,भृगवान्नेव'द्येयवार्षेत्। ध्वॅगवान्विग'व्या'श्रेशुतवायर्षेव'रीव'र्ये'ळे'र्ळव'रीग'य'*र्*स য়ড়য়৻ৼৢ৾৾৽য়৾৽য়ৼ৽ৼ৾৽য়ড়য়৻ৼৢ৽য়৾ঀ৾ঢ়য়৽ঢ়৾৽ঢ়য়ৄ৾৽য়ৢ৾ৼ৽য়ৢ৾৾য়ৼ৽য়ৢয়৽ঢ়৽ড়য়ৼড়য়৽ড়য়৽য়ৼ৽য়৾৽য়ৢ৾৽য়৾য়৽ড়য়৽ড়ৼ৽ৠৢয়৽ঢ়ৣ৽ৠৢ৾য়৽ हे' [Contemplative Science] र्क्षेत्र'क्षुत'ग्री'तृत्रवर्ष'येत्र'त्य'तहेत्र'र्द्य'र्क्त्र'र्नेग'ठेष'श्रे'र्क्त्र'ग्रावर'दा'त्वेग'रुग्वावर <u>ऍर्। ऍर्ळ्य-रधर-रान्च ज्</u>रुदे मृद्धिः मृद्धः मुस्यान्त्रः मुस्यान्य स्थान्त्रः स्थान्य स्थानित्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्य बन्दार्वेषान्तात्रार्वेषाः नीः व्यान्त्रीन्तात् वीन्तात् वीन्तात् वीन्तात् विन्तात् विन्तात् विन्तात् विन्तात् व स्. कुथ. क्ष्य. द्या. यी. कुं. क्ष्य. यट. क्यां था. कुंया. क्ष्य. प्रांचेन क्

क्री.पर्टेच । ट्रे.च.क्री.च.क्.च्.क्री.च.काक्ष्यं सुच.सूच.कुषु.च.चाप.सूच.सूच.वाक्ष्यं सुच.सूच.वाक्ष्यं सुच.सूच.कुष्यं विच.कुष्यं वि



 $\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \right) \right) \right) + \frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \right) + \frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \right) + \frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \right) \right) + \frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \right) \right) + \frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \right) + \frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \right) \right) + \frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \right) \right) + \frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \right) \right) + \frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \right) + \frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \right) \right) + \frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \right) \right) + \frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \right) \right) + \frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \right) + \frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \right) \right) + \frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \right) \right) + \frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \right) \right) + \frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \right) \right) + \frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \right) \right) +$ 

रट्ट्या, ब्र्या, चर्श्वे व्यया, त्रुं, लट्ट्या, क्र्या, व्यया, क्रिया, व्यया, च्या, क्रिया, च्या, क्रिया, च्या, क्रिया, च्या, क्रिया, च्या, क्रिया, च्या, च्या, व्यया, च्या, व्यया, च्या, व्यया, व्यय

तर् ने अरे- प्या रं प्या मु मर दर मी हूँ पाया प्या प्या मु म स्या या किरा प्या दे साथ प्रा स्था स्था प्रा म स् ष्पमः सं अर्घरः मे तर्म । त्र्म । त्र्म । भूभूत्रा अर्मेदः देदः सं क्ष्या त्रमादः मदः नादः नादः तः क्ष्यः ध्या तर्ग। दर्ग-वा के.कर. द्या तर्वाया स्रान्या या या त्या स्वाया या विषा मुका विषा त्या विषा त्या विषा स्वाया स्वाय लट्यार्स्चेन्यान्वेयान्त्रयाद्याद्याद्याद्याद्याद्याद्याद्यात्यात्याद्यात्यात्याद्यात्याद्यात्याद्यात्याद्याद्य <del>`</del>क्रॅं'च'दे'र्जंब'ग्रीक'र्वेक'बी'गृत्रीक्ष'ग्री'प्रिद'र्केक'यार्देव'ग्वकल'र्देद'त्'त्वे'च'ददा' दथेर'व। द'रद'र्केवे'गृत्वृद्द'वदा त्यःणसः। स्टः शुग्नवः तत्वमः य। म्ववः शुग्नवः त्ममः य। क्रॅंदः यः श्रॅ्दः तः वेवः त्यतः ग्रैः प्पॅदः यः वेद । स्वरं म्वावः त्वावः त्वावः य। म्ववः शुग्नवः त्वामः य। क्रॅंदः यः श्रॅ्दः तः वेवः त्यतः ग्रैः प्पॅदः यः वेदः विवायः विवायः । खुम्बारमामा रहासुम्बारविम् । सिन्यास्य स्वार्यास्य स्वार्यास्य स्वार्यास्य स्वार्यास्य स्वार्यास्य स्वार्यास्य रेन्। ने <sup>,</sup>क्षर :धव :खंब :खंन :सं न :कु ने :वंक :ध :रेन :ने। क्षंन :धवे :रे गुक :वगव :विग :खुन :बनक :क्ष्रें :धुन :क्षंन । ने : ૐૼૺૺ૽ૺૼૹૼૼૼૼૼૺૢૹઌૻ૽૾ૺૹૢૢઌૹૻૹ૽ૼૹૼ૾૾ઽ૾ૹૼૻઌ૽ૼૹ૽૽ૡૢૹૹઌૹ૱ૹ૾ૹૺ૽ઌ૽ૼૢ૽૱૽ઌ૾ૻઌૢ*ૺ૽૽ઌ૽ૺૹ૽૽ૼ*ઌ૾ૺૺ૾૽૱ૹ૽ૹઌ૱ઌ૱ઌ૱ ऍट:वी: ५५ वा । दे: अ: वार्हे वाक: ह्येर: ५५ हट: ८० राज्य पा: धिद: द: वाट: ५० ४० वा वा रं: ४० वाक: ५५ वा राज्य ही: ऍटा ઋુનુવા અર્થે તુઃ રેતુ ' ર્ધે' &ે 'ઋુ' જેને રઃ છે; દેવા ત્રવા & નાતવા તુઃ ર્કેં જા ભાવા રે જે જો એનું . વાત દઃ છે ' બેં કું છે' કે વા અરું કે જો <u> पकृर ग्वित पार्थ त्या की श्रुद रेर केवल पश्चर ग्वर श्री वंद की रत्य के प्रार्थ अर्थ पर्य श्री व्यार्थ विगार्थ ग</u> ब्यर-बाक्कीन-पानुहार-पॅन्। ऍराने-विना-प्राप्त पान्य पान्य पान्य प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प् रेन्। वॅन्-ल-ने-तन्ते-लुग्न-बॅ्ल-ऑन्-अ-रेन्। धेद्र-द्वत्न-। ॐभुन्त्व-अर्मेद-रेद-यॅ-ळेब-न्गॅन्व-व-व-कुळेद-यॅ-चलेलाहे। क्रॅलाचक्कुन्कंन्स्यराम्बलाम्बेगलासेचला चॅन्गीः त्रासाके विषाकंन्स्यरास्त्रीतात्रस्य विषाकार्या महिला <u>ॱॹॺॱय़ॸॱॸॖॱॸॖय़य़ॱढ़ॗऄॾॗढ़ऀॱय़ढ़ॊॸॱॺऻढ़ॖॸॱॺऻॶॕॱॸॕॸॱढ़ॾॕढ़ॱॸॺॕॹॱय़ॱॸॸॱ</u>। ॸॻढ़ॎॱॸॹढ़ॱॺऻढ़ॖऀॺॱय़ॱख़ॱॾॱय़ॸॱढ़ॾॕढ़ॱ 

पवः व्यवास्त्र क्षेत्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त

ऍ८.पपु.सैप्याशीक्ष्येया.केंद्र.क्र्य.क्र्य.क्र्य.क्र्य.पपु.क्र्य.ची.क्र.ता.ची.क्र्य.क्रिय.क्रिय.क्र्य.क्र्य.क्र

गद्रास्त्र-द्रास्त्रेत:कराणेश्चित्रवाराक्षेत्र-देत्र-द्राक्तित्र-वात्र-देत्र-वात्र-देत्र-वात्र-देत्र-वात्र-वेत्र-वात्र-वेत्र-वात्र-वेत्र-वात्र-वेत्र-वात्र-वेत्र-वात्र-विक्रा-वात्र-विक्रा-वात्र-विक्रा-वात्र-विक्रा-वात्र-विक्रा-वात्र-विक्रा-वात्र-वात्य-वात्र-वात्र-वात्र-वात्र-वात्र-वात्र-वात्र-वात्र-वात्र-वात्र-वात्र-वात्र-वात्र-वात्य-वात्र-वात्र-वात्र-वात्र-वात्र-वात्र-वात्र-व



अट.सूर.ज.स.बूट.चेबट.स्चेबा च्याप.ट्टी "अञ्चय.रट.बूचा... कुथ.क्च्चाय.न.र्नुत.स.च्टा. वि.बूचाया रश्चाया.क्ट्री ग्रीच.पच्या.चाट.पट्.खुचा.चीट.लूर.

चमातः त्यत्र। बेशकान्दः श्रॅमामी र्क्षम्बान्धः देशी वें। १८५५ ईशायान्येन। धेव व्यव्हः र्क्षम्बात्यनुः नृहः सं १९५७ वॅर-वर्ळम्बर्धर रेन्। व्याप्तर र्ळम्बर्धर वर्षम्बर वर्षम्बर विषय वर्षा व ]कै'बे'क्ष'भेक्'भेक्'भेक्'क्षेत्र'ब्राक्ष'म्'म्बद्रायान्यात्र'स्वि'र्द्धक्'र्द्रम्'र्वेम्'ब्राक्ष्यास्व स्वापि [francisco varela] ন্নি বার্নির ব্রাপ্ত প্রাপ্ত ব্রাপ্ত ব্য ૾૽ૢ૽ૹ<sup>ૢ</sup>ૹ૽૱ૹઃઽૣઽઃૹૣ૽ૼૼૼૼૼૺૺૹ૽૽ઌ૽૾૾ૻ૱૽ૺઌઙૢૢૼઌૣૻૹ૽૱૽૽ઽ૽ૺ૱ૢૺૹ૽ૹ૱ઌ૽૽ૡ૽ૺ૱૱૾૽૱૾ૺૹ૽ૢ૱ૹ૱૱ૹ૽૽ૼ૱ रै**त**ॱर्स`ळेॱळंत्र'रैग'स'न्न'अव्रअ'न्,'नर्जे्'श्चेन्'ग्वेन्'ग्वेन्'सृग्वार न्दीन्त्राळेत्'सॅ'ऑन्'उंन्'। नेतै'ऄॄन्त्राळ'स्वा पःविगःरेर। <sup>ॳ</sup>ञ्जप्रशःस्वर्धः देवः र्यः केः सः गवस्यः सरः र्यः विगः तः केपसः पञ्चरः ञ्जपसः सः गवसः गरः सः स्वरः स्वरः रैग'रा'रार्खल'हे'रागात'र्सेल'ग्रहर'रा'लम्। र्ह्वर'रैग'रा'ग्रहर'र्सेर'ग्रहसःभ्रुग'ग्रहर'द्रका'त्रहर'ग्रही'र्दर' ૹ૾ૣ૽ૺૼૺૼૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૹ૽૽ૡ૽૽ૼઌ૽૽૽૽ૡૹ૽૽૽૽ૺઌ૽ૼૹૹ૽૽૱૽ૢ૽ૺ૱૽૽૱ૹૺૡ૽૽ઌ૽૽ૡૢ૽ૼઌૹ૽૽ઌ૽૽ઌ૱ૹઌઌ૽૽ૡ૽ૺ૱૽ૢ૽ૺઌ૽ૺ ऍट-व-धेद-द। वर्षे:ब्रोट-दे-क्षुम-रॅ-दट-महिट-बव-रॅ-ऍट-क्रु-बॅमल-व्या-बिम-अदि-दर्शमल-धुल-दे-दर्-देन। धेद-*बत्रमः* र्क्षम्यायम् । विष्याम् विष्यमः श्लेपयमः श्लेपयमः अभूत्रयः अर्थेष्ठः स्वर्धः क्षेत्रः यदिः श्लेषाः मीयाः क्ष्यः स्वर् त्यः न्द्रीहरूषः बुग्नुषः दुष्यः क्ष्वः र्रम् । यः न्द्राः अवुः अन् । क्षः न्यन् नः क्षुः विगः रेन् : ब्रीः यनु ग्रीः । यः क्ष्वः रेगः यनु ग्रीयः । श्चेत्र र्वंग्र त्या ग्रम स्थम स्थान मृत्वाय प्रमानित स्थान स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित स् र्द्धवायक्रमा के प्राप्त विकास के विकास के विकास के विकास के प्राप्त के विकास के वित गञ्जाबार उदा की केंबा दे राजा अधर गार्माबार में प्राप्त र ता की स्वार की का की बार के का मार्च म  रामिहराच्याक्षां व्यत्राचित्राच्या महासूराव्यराचेषा प्रयोगम्बान् स्वान्या महिता महिता स्वान्या स्वान्य स्वान्य बै'.५५'.५'ऍ५'.२५'९| ५५५'.५'गऍ८'४|६४०'२'४'५६'.७'५४'.५६'। ढंद'.२ग'गढ़ेश'ग'अ.हाुद'ऍ'ऍ५' र्दरः। वरःचतेः र्देषःवषः कःचल्याः व। ध्याः ह्रेंग्याः चतेः कः क्रेवः नेः गशुअः अः गहिंग्याः धॅरः अः नेर्। अर्देवः शुअः <u>८८। ह्रियः ८२म ६.४४५.पीटः ज्ञान्यस्य प्राचीयाः ५८। ८.मधियः जयः यज्ञानः कुर्यः मङ्ग्यः लूटः पश्चारः जयः ह्रियः</u> र्यम् ने म्या के ना हे सर्यम् त्यम् त्यस्य सर्वे सुधाने म्या के ना अधर अर्दे त्रसुधाया या नर्से वाया विमान् में सा दे'र्ळव'र्रग'र'र्र'कुरुर'अध्व'र्रे'र्भर्। र्ळव'र्रग'रा'र्ळ'अधर'गृतृगल'र्भर'र्र्, स'सॅर्द्रव'स्य'र'र्ब्वेर'रा' + તાર્રે + માર્ચ ત્રાપ્ત ત્રીયા તરીયા તાર્ષ + સાથે તાર્યો તાર્યા તાર્યા તાર્યા તાર્યા તાર્યો તાર્યા म्बम् र्भम्बम् सम्बन्धः विष्यान्तः स्टार्क्वतः मृब्दः द्वार्या स्वर्याः स्वर्याः स्वर्याः स्वर्याः स्वर्याः स्वर · घर्षा यहीया हे ब ' पर्में न पर्में ' इस । पर्मा ह्मा या यहें न भी भी न अपने न ने प्रीव कि प्रीव के प्राप्त के ॕय़॔ॴज़ढ़ॖॆॴॸ॓ॱॺॸॱॳॱॳऒॕॸॱॴॸ॓ॸऻॗॾॕॴॸॿॗॸॱॻऻॿॺॱॳॱॳढ़ॴॱॸॖ॔ॱज़ऄॴॱॸॣॸॱख़ॱय़॔य़ॸॱॳऄॹॱॺढ़ॸॱऻ त्रहेगान्त्रेद्रायम्प्रान्भंद्रायक्ष्याः विषयः विष ब्दःधर्याः कृः या यदः धॅरः भ्रदः कः प्रवृदः गुदः यहै वा ह्रे ब्रायमें दारा प्रायः व्याप्ताः स्वीत् व्याप्ताः व त्यः न्दीन्यः ब्यायः स्पृतं ने त्यन् ध्वेतः नुषाः श्रेष्ठायः अर्षोदः ने दः से क्षेत्रः यो स्वीतः यो विषाः यो व विषयः स्वापः स्वीतः त्र्व रेगायदे म्ब्रास्याय महेषाग्री पर्चे न्नेराची स्वाप्त वर्षात्र स्वानी स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व गिंदी त्या प्रति में मा द्रवा त्री पा की त्री पा की ते त्री पा की ते त्री पा की त्री पा धॅर-रेरा

द्विरः प्रोतुः बुचः यहिवाः क्ष्यंबाः पर्देः बुवाः चर्दे बःस्वाः चाङ्कवाः वाः व्यक्ष्यंबाः क्षेः क्ष्यः स्वाः व अत्रायः स्वाः व्यक्ष्यं वाः विद्याः विद्य



गुर-अर्झ-र्स्नेय-विवान्त्रवार्क्त-रेवार्य-वार्द्धवर्याने-र्क्केवरक्ष्य-त्रमुय-स्ने-रेतिः वर-त्य-तर्द्वाः ग्री-ऑन-रेन्। ने-नुवा र्ळवः रेगः यः म्बरः यः नृष्टः अनुअः नुः र्ळवः रेगः यः गार्वेवः यः र्ळेषः यनुवः श्वाः गठिगः गीः रेषः अनुअः नुः गिनेया नेवः अ गठैग'रग'गठर'नुत्र'हे 'र्स्नें अ'राजुरा दे'श्रेद'देर'दर'र्'दर'यदे'श्व्र'श्वाराञ्च'रादे'श्रावर्ष'या'गठैग'रेत्र'रर'र्' गन्द ल्या ग्रीया र्कन् अदि गल्न त्याया गर्डे वं राज्यवा पदि दरापदे व्यापदे व्य *ज़য়য়*ॱऄढ़ॱॻॖऀॱॿॕॖॖ॔॔॔ॖॸॱॸॱॡॖॸॱऌ॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔ॸॺॻॺॴ ॸ॓ॱख़ॱज़ॺॺॱढ़ऀॸॱ5ॖॱॺऻॺढ़ॱॻॖऀॱऴ॔ढ़ॱॸऀॻॱय़ॱॺॸॱऍॱढ़ऀॻॱॠॸॱॸॸॸॱ। ॸ॓ढ़ऀॱ - क्षर-वर्षाः शुन्नवाः मुद्रेव-५-५६-४ केष-४-५ विषयः प्राप्त । देः विषयः यापवः प्राप्तः व्याप्तः विषयः वि चु:कुतै:तकर:गर्वि:ऍर:दा दे:वा:बेअव:र्रःश्वांगी:र्क्षगवारावी:र्रवा:बव:क:कुव:र्रुवा:वग्वाःकु। रःवःवेअवः ८८:ॲ्न'ची'याषामा'नायाके'ऄ्षा'भेषा'भेष्ग्रीयाधर्मेद्र'देद'र्सके'अवुठा'र्'पर्मे'चीट'ठु'क्च'रे'८८'। यॅ'मविषा'रेते' बरातामु गराताम्हेगात्र्र्वेग्रात्री प्राप्ता स्वार्ष्ट्रम्यातास्य स्वार्म्याम्हेग्राम्यातास्य स्वार्म्यान्यस्य राः सरकाः ग्रीः क्रेवः मृतः ऍपाः वकाः मृतः ग्रीः ऍपः रेत। ऍराहेका खाः देः द्वारा हुँ माषाः ग्रीः सामवकाः के प्यमाः महिमाः पाः दर्छमाः ग्रवरः गैं। ऑर्-रेर्। र्-श्रवः धुः रॅपः वरः श्रेश्रवः र्म् ग्रं ग्रें। क्रें क्रं ग्रं वेगः र्रः । चुरः खः श्रेः रेगाः शः गर्वेगः प्रवे ऍण्यास्यान्यात्र्वेष्याः स्ता नेतिः विषाः द्रयाः द्रयाः स्तीः स्त्रीः स्त्राः स्ता व्याः स्त्राः स्त्राः स्त्र रात्य-द्वीर्याः ऑर्-अर्-त्यायाः क्रेंबार्यर र्क्षण्वायाः तरी-त्यूर्-व्यानुयायते त्यवाण्यार क्रव-रेणायाः क्रेंबाका स्राप्त केवःराष्ट्रां स्टा महाधिवाने नाता क्षेत्राचा प्राप्त विश्वासीय स्टीया स्टीया स्टाप्त स्टाप्त स्टाप्त स्टाप्त स ૡૣૻૺૼૢૼૻૼ૾ૹૄઌૻઌ૽૽૽૽ૼ૱ઌ૽૽ૹૼ૱ઌ૽૽૱ઌ૽ૻઌ૽ૹૻૹ૽ૹૣ૽ઌઌ૱ઌ૽ૺઌ૱૽૽ઌ૽૽ૹૢ૽ૺઌૡૢ૿ૺૹઌ૽ૻઌૹઌ૿ૢ૽ૺૹૢૢ૽ૢઌ૽ૹ૽૽૱૱૱ઌઌૢૺ ग्री-ऍद्-स-देरा

स्. अह्र- तथा टु. विच. कुर. स्. क्यायाल्ट. ता. पटु. यीच. पट्टीया. कुर्या. सू. प्रा. पटु. यीच. पट्टीया. कुर. पटु. यीच. पट्टीया. यीच. पटु. पट्टीया. याच्या. यीच. पट्टीया. याच्या. याच्या. याच्या. यीच. पट्टीया. याच्या. याच्या.

ૄઙ૽ૺ૾ઽઽ૾૾ૺૹૻૹઌ૾૽ૺ૾ૹૢઽ૽૱ૠૼઌ૽૽૱ૹૹ૽૱૾ઌ૱ૹૢ૽ૺૼ૾ૹૢૢઽ૽૱ૢૢ૽ૺૡ૽ૼ૱૱૱ૢૺ૱ઌ૽૽૱૽૽ૢ૽૱૽ૹ૽૱૱૱ૹ૾ૹઌૢઌૹ ૹ૾૽ૢૺૡૢઃવઃઽઽૻૹઃૡઽ૽ૺૹઃઌૡ૾ૺઃઌઃઽઌૹઃૹૄ૽ૢૼઽ઼ઌ૽૽૽૽ઽ૽૽૽ૺ૽૽ૢૢ૽ૣ૽ૣૢ૽ૢ૽ૡ૽૽ઽૻઌૹ૽૽ૢ૽ઌૻઌ૽ૼ૽૽૱ૺઌ૽૽ૹ૽૽૱ૹ૽૽ૢ૾૱ૹ૽૽ૺ૱ઌ૽૽ૺ૱ૹ૽૽ ऑप् रेप् प्रेम प्रोम कु वर्षा त्यां क प्रविष्य प्राधिव वा श्चीर प्रमुप्त प्रथम अर्थे व सेव केवे अर्छ व श्चा कुर केव: सं:चेन:ची:ऑन:रेन:ने। धेव:वतम:। वेशव:नम:ब्रॅम्गंगे:कॅम्ब:तन्ति:ब्रॅम्'व्याववान्यः व्याप्तः व्यापः विवासिकः मु:दग:वि:र्स: क्रिंत:र्स्नेत:या:केद:सॅंतवी:वीय:धी:मुत्य:से:दीय:त्य:दीय:तह्या:ची:मुदी:तथा:गा:ह्यद:तर्ग नु:सॅं:देर:हः ह्या सॅटा रसाब्रिट रटायमा गादे यदा च्रेट ग्री सॅटा दा सेसमा रहा सॅया वी स्वामा यद्दी संया ग्रेस्नु रसासम्बद्ध र्रे :केते :बर्क्त, वाञ्चर्या प्रमासन्य :केत्र वास्त्र न्या त्या निष्ण का विकास क्षेत्र का का का का का का विकास য়<sup>৽</sup>য়৽য়ঢ়ৼ৽য়ঀয়৽য়৾৾ঀ৽য়ৢ৾৽ঀ৾৽য়ৣ৽য়৽য়৽য়ৣ৽য়য়৽৸ৼ৽৻ড়৾ঀ৽৻ৼৼৢয়৽৻ঢ়য়৽ড়ৼ৽য়ৣ৽ৄ৾য়৽য়৾ঀ৽ড়৾ঀ৽য়৾য়ৢয়৽য়ৼ৽ · উঅ'र्ट्रान्ट्रान्ट्रिन्'य्र्वे अर्द्र्रा'ब्रान्चु'ब्री'र्द्ध्व'कद्'व्वष'ज़'उट्ट'वी'क्वे'अर्वेट्र'य्र्वे बेब्रथ'र्ट्ट'र्श्वेवा'वी'र्क्कवाब त्रुतैः रॅंश द्रषाद्रपादे के स्टार्स्य द्राया के स्वाप्त के स्वाप चुला ऑप्ट.र्ज्ञण क्षिः मुत्या अपिकार्या अप्ट. र्याकार्ये कार्ये न्यान्ते स्थान क्षेत्र कार्ये कार्य के'ट्ठी'मुल'ल'सेनक'त्रक'सहल'स्दि'सूर'स'स्थित्रक्षेत्र'ल'के'सर'र्य'तकंट'ग'ट्ठेर'ग्री'र्सेट्'रेर्1कॅग्रायत्तिः



र्यूज्य-दर्ग चि.चवयक्ष.क्रूंब्य-तपुर-विविद्य-विद्य-त्यूच्य-क्षूच्य-क्षूच्य-क्षूच्य-क्षूच्य-क्षूच्य-क्षूच्य-क्षूच्य-क्षूच्य-क्षूच्य-क्षूच्य-क्षूच्य-क्षूच्य-क्ष्य-विद्य-क्ष्य-क्ष्य-विद्य-क्ष्य-क्ष्य-विद्य-क्ष्य-क्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्य-क्ष-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य

चगायः त्यत्र। अः गिबि त्रयः हरि त्ययः गाः शुगायः क्वे चः हे 'चॅनः श्लेनः नहाः चॅनः धिगः त्रयः यहा विवासिकः चेन ધીવ વા શૅ.શ્ર.૫ન.ઘી.સે૮.૧૭૫.કે૮.વર્શેય.વર્શેય.૨૭૫.૧૩૮૧ ૮૪.૪૧,૪૯૫.શૂંવ.વજાતવય.૧૭૪.૧૩૪૫ સે૮. गलदः राविगावत्राः स्वामान्याः દ્રીન ધુનુ મેં નનેના છે. બૂન-લા સેના ર્ફ્સ-તર્જીસ ભૂમ-તેના સ્ક્રીસ-લાઈ સેન-કે. બૂન-લાના સેન-લાકોના સેન્સને સીન 4દ્રાતા. તે દૂષ. ત્રાંતુવું. ત્રાંતું. ત્રાંતું. સુવયા. તારા સુંચા શું. જ્વેરા ત્રાંતું. ત્રાંતું. ત્રાંતું સુવયા. તારા સુંચા શું. જ્વેરા ત્રાંતું. ત્રાંતું સુવયા. ત્રાંતું સુંચા શું. જ્વેરા ત્રાંતું ત્રાંતું સુવયા. ત્રાંતુ સુવયા. ત્રાંતુ સુવયા. ત્રાતા. ત્રાંતુ સુવયા. ત્રાંતુ સુવયા. ત્રાંતુ સુવયા. ત્રાંતુ સુવયા. દ્રા.જા.ભૂદ.ન.ન.ન..! ५७५२. ક્ષેત્ર.દ્રા.જીન.ન..બૂનાજા.મુંત્ર.જા.દ.દ્રા.હુના.સંદ.ભૂદ.ને.જા.મીજા.કોંધુ. તર્મો.કોદ.જા.દીજા.ન..જીય. यहरः वी: तर्जे: त्युवाका दे: तर्दः सेदा धीव: बतरा । त्यू सः ग्री: क्रेंसः त्यः क्रेंबः या बका प्रश्न र पाया स् <u> न्येर व। नुषार्यकान्या पर्वः ब्रह्म वार्षे वाज्यः विष्युत्रे व्याप्यं वाज्यः विषयः विषयः विषयः विषयः वाज्यः व</u> 'ऍ।र्ज्'प।श्रट-ऍ।श्रव्यानु (पहें श्रया हे।श्चार्श्वेर-पश्चार्या मृत्रेय।याह्य (पर्यप्याम्यान्याम्यान्येय। कुं गहर क्रान्थेन स्थाप निर्मा पञ्च [Padma] निर्मा क्षेत्र गो [Sinha] क्रांग्य क्षु स्ट क्रांग्रे क्रा गहुर का ऑन्। ॅर्नर्व्यायञ्चा केरा केरा केरा केरा केरा कार्रेका कारका क्षेत्र के के किया प्रमुद्ध के के के के के किया के कि त्र्व केंब त्रेव प्रेव प्रीव प्राप्त की केंद्र की दे की प्राप्त का केंद्र की क यदेव यः रेदा क्रुप्ते र्भेदः क्रुद्दः दर्धेरः यः चुका हे खुदः खंबा यर्षेका लेका मासुदका यः रेदा देमका यम्यः लेमा ता ङ्क्षारमः र्षेत्रः पत्नवा सः धीतः त्रवमः र्ङ्केतः सः त्रीयः वाशुम्यः र्षेतः सेन। न्येतः त्र। वोः र्नेवाः र्वयः सः गाः सः पुः नेन। र्वयः सः गाःगठेगःसुःसःगसुरुषःसरःसेःहेंगःर्यसःसगाःवेषःसःमृःसुःङ्गःङ्गेरःससःगविषःतरःर्धेनःसेन्। भ्रूगःसरःसुःङ्गे वनः भ्रुर-५८-५ॅब-भ्रुर-पश्**न-ऍ४-५७। ५ॅब-भ्रुर-गर्ठ-ॅर-प्रे**ब-४-५कॅब-४-५८-। पश्चुर-पर्व-भ्रुपब-४-५४-४-४-५ त्यत्र<sup>ॱ</sup>सृःतुरः अळॅतः तः त्यतः ङ्गोतः दर्षात्रः यः विषाः दरः। यः र्रेतः यः योः योः तोः त्यतः योः दरः विषाः ययः दर्षात्रः रायुः कः मुद्रा-वानुष्यः क्षरः र वाष्ट्रार्यः याष्ट्रार्यः व्यान् । कः मुद्रा-वानुष्यः याषाः याषाः कः व्यान् व ॱभ्रतराः सु: र्नेष: मृ: स्वा: प: बिया: प्रॉर्या यासुराय: प्रत्या है: या बर: प्रयाय: क्रेष: या स्वाय: स्वाय: स्व र्दुः पः र्र्केषः पञ्चरः ऍटः त्राः वं रर्दुः पः र्र्केः पॅट् ः धैषाः धषाः वंषाः ग्रीषाः ष्रुटः । यरः क्रेबः पॅरः पॅट् ः रेट्। द्धेरः ब। बः यः बेटः गेबार्कन्'यागुद्र'नतृषास्र'त्रोतानश्चर'नान्ना नन्'यदे'वेबारनगीबास्र'त्रोतानश्चर'न। न्यनःकूँद'वार् चर्याचञ्चरः चः ने वासुर्या चर्ष्युरः र्षेदः चर्तते भ्रम्ययाया नघरः श्लेंद्राये र्द्युः चरिः स्केवा ने स्केवि द्वा ध्यापा वा तर्वा <u>तभुरः गृबेतः र्यः कः गृङेगः रेरा धेवः वतरः। यः र्वः पः पंतरः धेगः गैः कंरः गृबेः अर्वः रुअवः ग्रीः र्यरः गैवः प्राप्तः प्रापतः प्राप्तः प्राप्तः प्राप्तः प्राप्तः प्रापतः प्रापतः प्राप्तः प्रापतः प्राप्तः प्राप्तः प्राप्तः प्राप्तः प्राप्तः प्राप्तः प्राप्तः प्रापतः प्रापतः प्राप्तः प्रापतः प्र</u> , प्रत्राप्तर्म मुलः श्रीते बनः श्रुनः बः सं संति अनः र्वेमा र्स्तः पञ्चितः न में सारा तेनः केसः प्रते माननः तमामा ग्रानः नेतः ह्या ॅपॅर रेरा देर यर यहंब श्रीर श्रेर पॅर रेया परि श्रर त्या दिया यह या छेर बायब छी छी मुल पॅर छी श्रर धीया ঐল'নম্বন'ন'মন'র্ন'র্মন'র্ন'র্ন'র্ন'র্মান্সন'র্না'র্ম্বন'না'রেন্নী'র্ন'মাবর'ন'ম্ব'লাইল'ল্যুন'নম্বন্ধুর'স্কু'র্মন'মা रेन्। ग्रन्थिव चेर्न्य। वॅन्थिग्वर्य्य वर्षे प्रवेशन्वेष ग्रुन्व वर्षे अंशिक्षंत्र ग्रन्थिव वर्षे वर्षे प्रवेश ने . ऍन्। ऍन्-पःर्वअःनुःवःचनःर्ष्ट्वःवःवाञ्चुरः वॅनःवःनेःवर्तेःन्वेः वळॅवःवनःर्रः वर्गेन् वर्तन्व न्वेनःव। षुःनःषुःक्षेः ત્યા ઋં ૹૻ-८ चेटका २४ : यम्भू र-प-दे-५ मा ५ मा पश्च र-ग्री अे द-ध-५ दे । अर्ळे : चु द-क्षे : बेंका पश्चर र में का ध बॅम्बर्-२-८-२-८५-८। बर्-४ म् भ्री-अप्बर्-८५ मः मै अहुम् ५ म्बर्-४-ॲ८।



पःळॅन्नःन्द्रिंगःव्याधाःवर्षाःवर्षःवयःभिनःन्त्रःवर्भेनःचुःकुःनेःन्नाव्याःवेदाविद्यावःवर्षाः व्यापनःन्तःनेनः षर-८ में पर्य देश प्रत्य प्रति का की स्वार की स गम् तक्ष्रवार्षम् नेत्। येगवाञ्चरम् नम् तंत्रभून् गृत्रवाद्येवाः वर्षम् वर्षम् वर्षम् अत्वर्षाः वर्षाः वर्ष રે'નાર્ફેન'નર્મેશ શ્રેષ્ઠા સર્નેર'ષ, શ્રુઃક્ર્રેય'નરસ'ર્યે'નાવેશ'નર્સ' શ્રેું'ન ૧૧૬'ન પરિંગ શ્રેગ શ્ર'ના શ્રેયા શર્યા તર્ફના ફ્ર'નશ્રુર' ॻॖऀॱॾॣॕॸॱॺऻॹऀॸॺॱय़ॱॸ॔ॸॱॺऻढ़ॖऀॺऻ ॸ॓ॱॸऻढ़ॏढ़ॱॸ॔ॖॱॸॺॏॱय़ॸ॔ढ़ॱक़ॕॺॱय़ॺ॓य़ॱॻॖऀॱॺऻऄॸॱॿॸॱॺऻॹॖॖॖॖॺॱफ़ॗॆॸॱफ़ॕॸॱॸॱॵढ़ॱढ़ॱॴॺऻॱ ॅंट-ऑन्-रेन्। मृत्य-के:ॲ्बर-ने-त्रश्चून-श्ची-तबागनीन-आवित-स्वित्र-स्वेत-स्व-स्व-स्व-स्व-स्व-स्व-स्व-स्व-स्व-स् ब-र्ज्ञिब-हित-बर-सर-पश्चर-बतर-रेर्। पॅर्-धेग-बर-र्ज्र-पश्चर-बतर-रेर्। त्श्चर-दे-श्च-ध्र-१-श्चर-१-१-विग-अःगर्हेग्राः र्षेटः गैः अःरेट्। वटः श्चरः प्रुरः प्रुरः प्रेरः त्याः यं व्यः ग्रीः अःरेट्। द्येरः त्र। वॅदः परिः धीगः कः पर्हेतः रात्रगतः रे र् न् ने क्र हिरान् भ्रुराना दे त्र ऑप्टानी त्र् ग्राप्ट रॉयाका निवासी विदायिन क्रिया क्रिया विदाय ઋનઃ ઋનઃ ઋનઃ તાલુકા <u>र्न्चेबर्न्हः गविषान्तर्रे ने मार्थर् रेत्। र्वेबर्यायाय व्ह्रगणायाय विषार्भेषाया येत्। त्येयावा ने मार्थर्यायाय</u> <u> लूर.ची रुपु.क्र्य.चु.चु.च.चीया.र्मूया.त.चूया.प्रमीया.त.क्रूयाया.ज.च.चूयाया.ज.चूय.क्र्या.ज्ञीया.चीया.</u> भ्रम् कः प्रथमः की प्रतः वि मेरि र्क्षमः श्रीयः पानिमः प्रति । भीवः वत्यः । क्षेत्राः श्रीयः श्रीयः श्रीयः प्रम वल'न्युक'रा'धेव'व। ॲंट'वनक'र्स'वक'र्सेन्'अ'रेन्। न्दीव'हेते'वट'ल'र्सेन्'राते'न्धे'क'न्सून्'न्वाया'रा'नेन <u>พ</u>दःक्षुद्रःकःर्देनःलेलःग्रीःकःद्रवाष्ट्रन्यःत्वेःत्र्याःवर्ग्य श्वीःवाःकःसर्केदःद्रा क्षुदःद्वीदःहैःधीदःयःग्रेवगःयंवायदः શું અૠેના નુકીન દે તર્કા સ્ટ્રન્સ ર્જન અર્ધ ન અર્ધે ન અન શીં કરાન ન અપ તશુરા તો ખાના શક્તાનો તર્જીના શો સ્ટ્રેન त्यःदःर्क्केषःद्येःअर्ह्हेदःतुःत्वश्चूरःश्चेःत्यष्यःगाःचीदःअप्वदःर्क्केरःर्वेःह्मणःयरः चवःर्ह्वेदःश्चिदःश्चेदःरेद्। क्वरःण्वेषाःदः त्यः स्नून् कः प्रभूनः र्रेगुष्यः व्यप्तः हेः नः द्वीद्वः यः प्योद्व। सः गृदिः व्यषः गाः नृदः र्यः होत्यः स्वायदः नेः नः प्यदा प्रस्थाः वर्षेत्रः तर् त्वॅर्च, चेथा हे. जबा मा अबू. पर्यावश्चा रा रुपा है. येथा क्षेत्रा हूं राज्यावा ग्रीया शे. वर्षे प्रवित्र व र्षारषान्श्रीग्षानष्यान्यन् स्तुः श्रीन्। धीवावयरा। ब्रिनास्याः क्षेतान्वीवादियः वरायाः क्षेत्रान्धीयाः ब्रीना <u> ५ च्चित्र है : ध्यम : र्ये त्र रेत् त्यरेत् : ध्यम : ध्यम द्वित्र है : र्यः मी श्वर देव : श्वर व : श्वर देव : श्वर व </u> <u>२च्चैत्र है : २२ : वी: व्रॅं : २ : पश्चेत्र अ: स्वारं अता व्यतः अता व्यतः अवार्षेत्र अवार्ष्ट्र अवार्षेत्र अवार्य अवार्षेत्र अवार्य अवार्षेत्र अवार्य अवार्षेत्र अवार्षेत्र अवार्षेत्र अवार्षेत्र अवार्षेत्र अवार्षेत्र अवार्षेत्र अवार्षेत्र अवार्षेत्र अवार्षेत</u> 

स्. क्ष्मका ब. स्ट्स्य मालु पड्डी स्पट्ड श्रेमका प्याया श्री स्. लूट म्यु स्टी मालूब स. क्रू स. ट्रे प्या क्रिक्श मालु पड्डी स्पट्ड श्री क्रा क्रु प्राची मालूब पड्डी स्पड्डे स. क्रु स. च्रा क्रु स. क्रु स.

द्राच के क्राया के क्राया के प्राप्त के प्राप्त क्राया के प्राप्त क्राया के प्राप्त क्राया के क



<u>ब्रुपः श्रुंग्रुयाः ग्रुः विदायह्र्याः श्रुः यादा द्रुपः यादा श्रुपः व्यापः याद्रियाः याद्रियाः विदायः विदाय</u> त्यम्बर्ग्गी महस्र कुर् मुबेर बर्रे राज्य राज्य के सम्बर्ध स्थान कुरी कि स्थान कि स्थान स या देवै:श्रॅंदःवःगहस्रायम्द्रायम् चित्रा देःद्रस्रायस्यामःक्वेःश्रंत्रःभ्रेषःभ्रेषः (विदःग्री:गर्द्र्याःवयाःगरेसःयद्र . इंदः।)) बेबाया देः पङ्गीवाबाया सेदा देः पॅदः धीवा ददः दिन्नी बारी का विवास की स्वास की स्वास स्वास स्वास स्वास अर्मेद्र-देद-र्रा-क्रेय-र्य-र्य-हे्री-रादे-गल्द-दे-गला-क्रेद-र्रा-पर्श-गद्र-प-र्र-। क्ष्म-राद-र्-क्रिय-पक्र-रक्ष-राय-अर<sup>्</sup>चगादःत्ज्ञुरःचश्चरःवज्ञुरःवर्डवाःचें।त्यःसुःश्चेःसुअःचज्ञुःश्चवाःकेवाःर्यदःसेन्। देवैःश्चरःत्यःचेंदःजीःअपिकाःसः क्रेंवैः गश्रमः स्मार्यात्र स्रीति स्वा प्रमाय स्वा रेषा प्रमाय स्वा मार्थित स्वा मार्थित स्वा मार्थित स्वा मार्थित स्व रैग'गब्र्रा'ब्रुर'रा'धेद'द्र। अर्गे'रार्द्धग्रय'रा'न्या'दर्याधेद'रा'दुरा'रार्चे'अ'यर्द्र्य'रा'ळग्रय'ग्री'र्धेद' दे'ळॅद'रायअ' र्ह्मे 'पहर' है। र्हेंब' व्यायिंग्यह्र' विषा च्रीन 'स्र्पांब' क्षुया बन्धा परी 'पव्रांब' दें 'कुर' सावा (Harvard Classics) चेर 'प ब्राः श्चेंनाया ग्री केया यार्वित रेना नावया न्दो का यार पें विना पेंदा पारेदा दे किया यारा विना पेंदा रेदा पेव <u>बत्र-देवःभूरः श्रदेःक्र्यः विश्वेषः हो देवेः बरः त्यःभूरः चः विषाः वर्ष्यः स्तरी देः रविः दृश्चेषायः स्त्रायः</u> विषा `Ĕ॔गॱॺरॱॹॖॺॱख़ॖॱॿॺॱय़ॱॸ॓॔ॸॱॸ॓ऻॾॆॣॺॱॺॱॺॖॺॱख़ॖॱॿॺॱय़ॱय़ॱॻॖ॔ॸॺॱग़ॱग़ॣॸ॒ॱॸॕॸॱॲ॔ॸॱॿऀॱॲ॔ॸॱॾॣॸॺॱॸ॓ॱॸॺॱक़ॕॱॻ*ॿऀॺ*ॱ प्रविषा राज्येत त्या अर्ळत प्रविष्ट संस्था रूप्त प्रविष्य क्ष्या माने स्विष्य क्ष्या माने स्विष्य स्वि <u> चुबार्खनः कॅ.चाकुबारचर्च्यारा सेना व्रचायार प्रनःचीः क्रबार्चनः क्रियः प्रस्तिः अवः न्याः अक्रवःचीनः ने क्रियः क्रबार्यः </u> सॅ'सॅंते'म्बद्'र्ऑर्-न्नु'स'र्ळेर'मग्वत्रत्रे'बुष्पप्यंधेवा क्रेट्सिंद्'र्ने'त्वुव्यःविम्'रेव'र्यंक्रेर'मग्वत्वर्री'बुष्प ૾૾ૢ૽ૺૺૺઽૺૢૢૢઌ૽ૼૺ૾ૹ૽ૢૼ૱૽૽ૢૼ૽ઌૣૼઌૣ૽૽૽ૢૻ૽૾૱ઌ૽ૻ૽૽ૹ૽ૺૡ૽ઌ૽ૻૡ૽ૹૣ૽ઌ૽ૡૢૹઌ૽૽૽૽૱ૺઌૢઌ૽ઌ૱ૢ૽ૢ૾ઌ૽૾ૢૻઌૻૹ૽૽ઌ૽૽ૡ૽૽ૢ૽૽૽ૡઌૢ૽૽૽૱ૡ૽ૻ૱૽ૺૹ૽૽ `చॅंब'ग्री'ऄॣ॔र-दे'ऄॗॿ-देदे'प्वै'वहेंब। हॅं·बट-गै'ऄॣ॔र-दे'ॲंब-ॸब-क़ॗॱॺळॅं· [दै:ळॅंब-देब-देब-क़ॗ;ॺळॅं।] वबायदबबाय धैवॱढंदॱबीॱॡॱॠॖॖॖॖॖॖदॱढ़ॸॕऻॕॺॱफ़ॕ॔ड़ॱॺॱदेत्। द्वोॱॡॖॻऻॺॱॻॖऀॱक़ॣॕड़ॱदेॱढ़ॻॺॱॾॱॸ॒ॺॱढ़ॗड़ॱ<sup>ॢ</sup>ॷॖढ़ॺॱॾॆ॒ॱक़ॗॱॸऀॱदैॺॱ ર્ધે જેરાવગાલ લક્ષ્રે ભુષાના રેવા કે ભક્ષ કુષા નવા સૂગમાં કે એન મુખાસુષા ગુષ્ટીન પહેર્સેર કરા વર્ષો કર્યું য়৻৻ড়৾৾৾৻ঀ৻ৼৣয়৴৻য়৴৻য়ৣঀ৾৾৻ৠৄ৴৻ড়৻৴য়৻ড়৻য়৾য়য়৻য়ৣ৽ড়য়৸ঀঀ৴৻য়৻ঢ়ৢয়৻য়ৢয়৻য়ৢয়৻য়ঢ়৴য়৻৴ৼ৻৻৸য়৸য়৻য়ঢ়৻ र्ळन् : बार्ने गारा माने वार्ते : कुवारी : कवा माया के : विवार माया के माया की : विवार माया के रात्यामॅदार्दिया यदिरायाचेया अहेदार्दि देया अर्थे अस्ति स्वार्थ के स्वार्थ की स्वार्थ की

ऍ८-५८। वर्-म्वेगलःक्षेट-ऍदे-६गलःग्री-क्सॅर-लःवव-ऍ८-५लःबःधह-६-४८ स्मुन्बःलःववन्यःग्री-क्षे-५५्ग ८गे-खुम्बरः क्षुंम्बरः द्वारा निम्नाने मुक्ता क्षेत्रः र्यादे रेम्बरः मुक्ता स्वारा स्वारा स्वारा स्वारा स्वारा स्व શું'અ'શુવ'ધતે'ઢૅંજા'કેન્'ગ્રું'ಹ'ભ'ધર'ક્ષુર'વલમ'ધ'અ'મૅફૅંમજા ફ્રુન્'ગ્નુ'અ'ર્રન્'મેં'વબન'કૃદજાને'લે'ર્માર્ખેન यान्त्री ने क्रिया मान्त्रीया ने स्थानिया मान्या मान्या ने ते स्थान स्था र्पायाच्या के विष्या के विषय के विषय के प्रत्य के प्रत्य के विषय के विषय के विषय के विषय के विषय के विषय के प्रत्य क र्कर-द्वर-र-चुल-द-देल। दे-त-र्दर-धीन-नी-वर-दल-दल-दल-दिर। मु-नर-दर-त-तल्लानी-चीर-अपिद-अर-र्दे ॅंबर-देन्। विंट-र्क्टर-क्रेश-क्षुन्। स्ट-विर-लु-न्ना-गर्नेट-सूट्य-सँग्य-नेट-र्न्नयः ग्री-र्क्ट-'लॅद-प्र-विग-ग्रुट-द-व्यवस्थि। अकर-पर्नेगराश्चररा-त्रेन्। ळेंग-पर-अळ्थरा-पर्नेग-चु-ह्नररा गर्द-पॉन-प्र-ऑर्ग-पर्हेन-चुेन-ह्मररा नगर-ळग-ञ्चीम् श्रम्मा सुमः तर्रेषः सुमः न्येतैः सुम्यः तक्कॅयः हम्ययः परुषः नगतः ययः प्रमुनः ष्रयः पर्वेषः प्रविमः ब् चरात्राका गानुन् सावतः र्क्षराद्यो स्थापता विवा प्राप्ता वी रेट्रा चर्मा स्थापता स्थाप चःधीवःत्यःचार्त्रेवःर्क्षरःयःरेन्। यादःधीवःचेरःव। दःचगादःयान्य्यवःधीवःचेरःववःचगादःयान्य्यवःयदिःन्रःकः ष्टिरः अपित्रः ऍर् अ:रेर् | ऍरः उंटः रटः तम्रः स्थाः क्षेः नमतः मन्अतः में हः अतेः मृत्रुरः क्रेटः धः रें ऑस्त्रापमः र्रात्रुम चुर्रास्टारास्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रम् । स्ट्रीयाध्यात्रम् देते स्ट्रीया स्ट्रीया स्ट्रीय गलयः हे र त्यार्पञ्चर त्रवार्यः हेवाया विवाक्तरेत्। दे श्रीवागववार्यः यार्पयायायायार सेत्। दे श्रीयवार्वे दे रे श्रीयवा यम्बर्भद्यः स्वर्भः कुः त्यः द्यावाद्याः (वेषाः नेषाः कृष्णे क्षेत्रम्यः स्वर्भः स्वर्भः स्वर्धः स्वर्धः स्वर् त्यु<sup>ॱ</sup>श्च्याः मुः अर्ळेदेः मह्युदः दिवाः देवः धरः दहः दुः दुः पः ग्रीकः मह्युद्दवः ग्रीः युद्दा वद्याः प्रिः देवः वद्यवः धरेदेः वित्यात में व्यास्त्र मुन्त मुन्त अर्केंदि गाह्य त्या तत् म हे वाया पत्म मि सेवारी के सम्बन्ध मावित स्वापित स्व ८:२८:वीषा:पद्राष्ट्राय:पीद्रा द्वीदःहित:दर:पॅर्'प्रात्तुर्'र्ठवःव्यवःवीदःपःषीद्रा पॅर्'वे:शृःशृगःर'सृते:हर'याषाःगः गल्र दे कें भ्रुर अपवर ५ ठर प्रण रें रेर्। ये ते पिय केंद्र पिया मुर्च भी धिद नेर भी पर्त में का भीते केंद्र या देर



द्राक्ष-त्राक्ष-व्राक्ष-व्राक्ष-हे-त्र्वे-क्री-लून्।

व्राक्ष-क्रा-व्राक्ष-व्राक्ष-हेन-व्राक्ष-व्राक्

क्ष. चर्च. पूर्व. श्रीय. तक्ष्य. ता. तथ्य. तथ्य. चर्च अ. चर्ज अ. चर्च य. सू. श्रूच अ. चर्च अ. चर्च य. तथ्य. तथ्य. तथ्य. वथ्य. तथ्य. वथ्य. वथ्य.

र्दर। ष्यः सर्रे विः रहः क्षेः विद्यः स्थाः वेः र्वाः काः रिद्यः विः रिद्यः विद्यः विद `सॅंद-प-धेव-व। देव-बॅंव-बॅंव-ब्रुव-क्रे-तरुव-ध-दे-दगद-दय-देव-रेद। ८-र-८-४४-डीय-पदवग-ध-दे-दर्ध अडीय-ફ્રુૈતે ફ્રેનઃઢતે ફ્રેનઃતા વર્સેવરા કીવ છે. શું ૧૮૨૫ નેતે ફ્રાયક્રવ ની ૫૬૫ ટીયા ત્રાયા ત્રાયાના ક્રેયાના સંગ્રેયા <u>ल</u>ुषः द्वाः असः र्थः यहरः। द्येरः व। श्रेश्चयषः अर्षेद्वः रेदः र्यः क्वेदेः स्ववाः देवः वायः क्वेः यः देः क्वेंद ॸॖॻॱॸॻॱॿॖॎॖॖॖॖॖॖॖॖॖॸॻ॓ऀॱॹॖ॓ऀॱढ़ॸॖॖॻढ़ॸॖऀॱॸॖॖॖॖॸॱॡॖॸॱऄॸॗज़ॱऄॻॺॸॱऒढ़ॱॺॸॱऄऀॱऄऻढ़ॹॖऀॱॴढ़ढ़ॱॴढ़ढ़ॱॴढ़ढ़ॱॴढ़ढ़ॱॹढ़ढ़ ऍ८ॱरुषःश्नेन्यःरेरः ह्नाः ह्नाः व्यस्तः यः देः तर् ऍटः मैः तर् न वष्यः श्लें नहें टः सूट्यः ग्रैः श्वेन व्याप्त वःश्मेत्रयः देरः त्र्योयः त्रवरः लुषा ह्रणयः त्रययः तर्दः यः र्येदः व । त्रहरः रेषः ग्रुषा देः तर्दः ग्रुषः वयः त्र्यूरः तः ग्रुहरः <u> न्वॅबरबर त्यूर पानहर बबा छुन नेपाने प्नार्क्त अर्घे क्यें मुरापाने श्रेष्ठ</u> वर्ष अर्वे क्रिसे के देश हे वर्ष ॱ<sub>ऄॖ</sub>ॱ॔ॺॺॱळे**बॱय़ॅॱॻऄॖॖ॔**ॺॱॲ॔ॸॱॸॆॸऻॖॱॸॗॺॱळॅ॔ॸॱॺॸॱॲॱज़ॸॸॱॵॸॱॸॆॸऻॗॱज़ॕॸॱय़ॱळॅ॔ॺॱॻॏॸऀॻॱॾॏॺॱय़ॱॵक़ॱॿॱॸॆॺॱ त्रीम् पदिः पर्ते त्र्ने त्र्रं प्रमथ्य ग्री त्र्म है रुवा हीय क्रं पर्ने से संस्था मूर्य हुए द्राम् प्रमुप् प्रमुप (८५ म अ५- र्नमुदा दब ऋँगादा क्षुदा कार्ने दार्थका दे । दब अर कार्या मी (८५ म दे । त्या छुदा धरा दे । द्वा प्रदे मा दिव स कॅं.पॅर्-ग्री:श्राप्यारवे.बर-ज.८.व.व.न.न.जीव.च। गीव.शष्ट्रिय.प्टश.रचिर्या.पवर्-त.वावय.त.प्याययाचीयाची. ष्टियः यः त्रेन् न्त्रे। ब्रीका क्रेंबा ने क्रेंक्, क्रेंब्र यं की त्यन्त्व ने त्यान्त्वे। त्यने का येका त्यानु अर्के ध्यान क्रेंब्र स्थान के वाबिवाका बावदःरेदःदे। गादः अष्टिदः भूतवः स्वावदायः वाववः यः तववयः ग्रीकः वीः ष्टितः यः रेदःदी। तगादः ईवःदेः [तःरीः वीःरीः] ईः



श्रीयथः लूटः र्थं या ्यूरं । षूचा क्यां तर स्त्रीरं क्यां प्राप्त प्

चगायः त्यत्र। ने क्रिंग : नुः र्कः र्यः विगाने ना गमः धिवः चेत्रः वा बुचः श्रुंगवायः ने र्वे र्वे र्वे राष्ट्री नामः धिवः चेत्रः विगाः रेन। वॅन-तु-बन-ळॅब्र-ब्र-क्रॅब-बन-बुन-बी-धी-बी-बिया-धॅन-यन-ग्री-धॅन-सेन। धेव-बतन-धी-बी-यबिय-प्रवया रायुः राया माल्या सुवा र्या लेवा र्या राया होता होता है सारा साम स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्व रायात्मया मा द्वारा चेत्र प्रति । ता क्ष्मया या सेत्। कु द्वा या दारा राष्ट्र प्रता कु स्वा ता या विष्या या देश सेवा ॻॖऀॴॱज़ढ़ॴॱय़ज़ॴॹॴज़ढ़ॕॱ[Dao/Tao] धैॱय़ॱॺॢॸॱॸ॓ॱॾॕॸॱॸॾॖ॓ढ़ॱॸ॔ॻॕॴॱय़ॱख़ज़ॴॸॖॴज़ॱढ़ॴज़ॱग़ॗढ़ऀॱॸॖॴज़ॱॹॖॱॹॖॱॠॸॱ त्यःळॅन्-चतैःन्चें-ळःत्रनःळॅलःत्रत्राःन्त्रश्चनःनःनेःळॅनःतेःनुन्त्र्वाःन्त्रात्यःत्रःन्त्रःत्रः क्रमलःळॅनःनेन। न्दीत्रः हैं।दें।दें।कूँबामु:क्षदायाबदाकॅबापमुरायाददायाठेगायाकग्रायस्दार्थदासेदा दिन्नेवाहेते:क्षराबदास्वरा रैगॱग<u>ल्</u>र : ध्रुगॱर्रेॱॲंट् :रेट्। २;ॱश्वाः ग्रीःर्ळट् :अर्वेद :रॅं :ब्लेयल र्ळंट्र :रेट्। ट्रे :धेद :त्र्ला ट् :२ :ऑट् :प्लेद :पदी: ब :श्लट् *८८.७* में या त.प्र. क्ष्र्यु, क्ष्र्याया ग्रीया तक्ष्टा वि. तम्रीया तक्षरा तम्रीया मुल्ला ग्री, लूप तम्रीयया दे·ग्रवर्षःश्ग्रवर्षायम्।र्थःत्रेद्राधेवःवदरः। क्ष्रॅरःयःव्रेदःदरः। हेवःद्युरःदेःॐदिःश्लेरःग्रदःवर्षयरःगहवःदयेवर्षः चुर-ऍर-रेन्। धेव-वतर-धु-मुत्य-ढॅते-सुग्रव-र्ज्ञाय-व्याद्वाप्ट-कन्-म्रवत-प्रवादन्-र्जु-तर्ज्ञ-श्रून्व-विग-ऍन्-રેના નઘેર ત્રા ફેંદ અર અધિય વકે. રુષ . દ્રાં ક્રાનિવાના ત્રાંતા તા વર્ષાત ત્રીર ૧૦ જ્વા વર્ષો સંધી ત્રાંતા અને 

प्तरः मुःदेवः मुरुषः सः संग्रवः सुः व्यवः सुः मुन्दिः स्त्रवः स्त्रवः स्त्रवः मुन्दिः स्वर्षः मुन्दिः स्त्रवः स् वतरः। द्यःश्लर्-स्रार-सं-विषाः ह्रॅगः र्-सं-सं-सं-सेन्। न्येर-व। र्कन्-स-र्नेण-पःन्न-त्रनेण-पतिः द्यः श्लन्-ग्वतः स्रेयः दे·क्ष्युः-र्यायः क्ष्र्याः याः क्षः राज्यनः सेन्। देनः यमः क्षाः र्वतः स्वाः पर्यः क्ष्र्यः परः सुवायाः सुवाय गुै'म्ब्रि-'य'न्धुन्'र्'चेन्'अपिब्'क्र्प'र्सुम्ब'य'म्न-'यर्द्धबर्ष'र्धेन्'रेन्|ने'न्धित्' [philosophical language] *ॱ*ॿॖॱग़ॗॖॖॖॖॖॖॖॖॖय़ॱॸॣॸॱऄॖॺॱऄॣॕॸॱख़ॱढ़ॾॖॊख़ॱक़ॆढ़ॱऍॱक़ॺॺॱॻॖऀॱॲॸ्ॱॸॆॸॣऻॱॸॆॣॺॱऻॕॺॱॱक़ॕढ़ॱऄॕॺॱढ़ॸॱॺॸॱढ़क़॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔ॿऄ <u> </u> न्यायः म्याः स्वरः श्रीः प्राप्तः स्वरः विषयः श्रीयः यहिषा श्रीयः यहिष्यः श्रीः प्राप्तः स्वरः स sabdArtha / zabdArtha ] केल'च'धेव'व| अर्थेज़| [ apoha ] चेर'च'सृ'चु'र्थेर'क्र्रेन्'र्र'रेन्। न्येर'व्। नेर'क्र इक्स-५८१। गक्तः वेर-प-प्रश्चुर-५र्गेषानी:र्पे५-अ-रे५। ने-४८-प्रतेष [Nirvana ]बेर-पृषु। वेर-५ष'प्रश्चुर-५र्गेष बारेद्र। रेबा ग्रीका माञ्चर स्वाप्त सुरा स्वापाय के रोषा माणा के राद्यीय है। रहा स्वापा क्रियों से पार्टी से प देवै: बदः बबः द्वीवः है: देः क्षॅं:गुः धदवः दें। धेदः देद्। द्वीवः हैवे: बदः वें: दे वबः वें: देरः बः क्षृदः गुबरः धः अदः वें: चठ्ना<sup>.</sup> वी:बी:बर्ना वें।वा:न्था:देट:बेट:ब्रॅंन:बुबा नट:वर्ळ्यया:ब्रुव:ळेद:बॅर:ब्रुट:य:धेद:ब्रावेंट:ळॅव:ळेवा:याईंट: ब्दः यहुना नी सेन्। चुका उंदः क्रुम्यः न्दः। नाम्यः र्वेन्या प्रचितः हैते छैन। यहँ नः व्युत्वः छंदः प्रेन्। दे प्रूरः रेया ॻॖऀॺॱॿॱॺॢॸॱढ़ॖॕॺॱॸॖॱख़॔ॱय़दिॱॸऀॺॺ। ॸ॒धेॸॱॺॄ। [Bodhicitta ] ङ्वॅङ्गेङिॸृ। ॻॖॸॱख़ॖय़ॱॺ॓ॺॺॱॿ॓ॸॱय़ॱॸ॒॓ख़ॕॱय़ॷॗॸॱय़ॺॄॸ पःधीवःव। क्रॅंग्ग्गःर्ळः पॅःधॅप्र-रेन्। धीवःवतरःरः र्ळेषः नेः र्ळपः सः [ awakening mind ]पश्चरः श्रीः र्थेप्र-रेन्। नेः प्रषः [Bodhicitta] क्रॅंक्रेकेन। रूट रॉयर पश्चर वर्षण रॉर पॅप्टरेन। योवर व्यवसा गुवर श्रुपण गृहवर योगवर दे <u>ङ्दापमा रॅं रेन्। अपम्बे क्षान् स्वेरे कर कर कें कें ग्री स्वापमा मन्या प्रमान कें रेन</u> त्येवर्यान्ते सेन् सामिन्ने न्या न्युवेद हिते व्यापान त्रक्ष्यया श्री क्षन् स्याप्ते व स्थित स्थापान स्थापान स पदेव'रा'त्य' [ Absolute truth and ultmate truth ] बेला रेग्नला गृतेल' ऑन् रेन्। ने । प्रमा ऑन् सारी माना विकासी 'ख़ॖॱज़ॱॸॣॸॱढ़ॎॼ॓ख़ॱज़ॱॶॖॺऻॺॱक़ॆढ़ॱॸॕॱॲ॔ॸ्ॱज़ॺॣॸ॒ॱज़॑ढ़ऀॱज़ॴढ़ॱक़ॗऀॸॱॺऀॱऄॗ॔ॺऻॺॱॸॆॺॱ [ Absolute truth ] ॶॺऻॺॱक़ॆॱज़ॱऄॸॱ र्ड्येन् गवर मी तर्ग वा श्रु नर । नगे स्व या स्वायर नु नगे स्व यि वर वि वर वि वर्ष वा वर्ष के वासे वल'एल'येव'ग्री'बेद'रा'धेव'तृषा [ Absolute truth ] वेष'यद'तृषा धुय'त्र्रेष'र्घ'वष'ग्रूद'र्छेट'र्देव'त्र्य'तु' બૅંદ્ર-દાઃઢિંગ'તાઃમેં' વઃબેંદ્ર-દુષા દે'અ'વર્જ્યુર-વર્ગ [Ultimate] ઢેજાવર્જ્યુર-જીં'તદુષ'ન દે'તદ્દર્વઃ ક્રમ્દ્ર-વર્જ્યુર-વર્ત્વે भ्रम्यायः मृत्यायः स्वाप्तायः स्वाप्तायः स्वाप्तायः स्वाप्तायः स्वाप्तायः स्वाप्तायः स्वाप्तायः स्वाप्तायः स्व



ॲंदः गै'तर्ग दे'तर् ऑंदःश्चेद्'ग्रे'त्रेत्। दे'तर्वे त्रेग्यादे'त्रेया ग्रीयाहे'ग्यया दु'त्वॅ गी'तेद'र्व क्रीत्

चगायः यत्र। न्दीतः हितः वरः यः यस् न्द्रभुतः क्वुन् ने रः अध्वाने वे विषाः र्यन् र ने ने भिष्याः न निवाने वावि रेन्। र्द्धरः पञ्चरः ज्ञुः ने र्ञ्चेमवामर्केमा दवार्त्वामा व्याप्त १ तुरः तुरः रेन्। यात्रेवा दवार्पन राज्यः म यह्यतः मुद्रान्त्रः स्वाप्ततः दर्गाद्रः सेद्रा दर्दशः ऑदः ग्रीः दगादः दत्यः यदः सं विषाः ऑदः वीः ऑद्रा देः स्व बः यदः योगः तञ्चुरः ग्रीः ययः गाः गर्डः पंः बदः पर्दः भः बेबः ग्रीयः ग्रीयः पर्दः । द्येरः ब। देः श्रृंबः ग्रीः गरः ग्रीः रेगः ग्रवः बर-प-बीब-ब-स-बुब-प्रान्धुर-बी-बर्नु वाङ्कारीया-प-दर्शाव-विवाद-विवाद-विवाद-विवादीय-व दे'बैब' [BHAGAVAD-GITA] इन्मा है स्नि । दे'नाबुद'नावा केव' सें कन्या नस्द' ऑद' से दा दे'नाबुद' केव' सें ऑद' बारेन्। धेवावतरार्वेन् धेवावरात्वावीतर्वा । क्वावरात्राहेवान्य धेवावरात्राहेवान्य धेवावरात्राहेवान्य धेवान्य हेवा रेन्। [Yoga Sūtras of Patañjali ] ॲग्सुन्धिनहूँ वी इत्यावर्ष्ठित्राचित सर्ने ने ज्ञान्तर है। दें ऑन् रेन्। मुखारा ऑन् बारेदा बार्दे दे ही कुलाञ्चर धिवा बार देंदि बराता धेंदर से दो वेदर धेवा बराता द रहे। धेवर धेवर से स्वर से स्वर श्वैर:ब्र-क्वु:चुटः। ट:चॅट्:घ:ळॅं:क्रु:वर:ची:ळेब्र:बर्घेटे:रेव्य:व्यव्य:चर्वा:चॅ:क्रुव्य:खव्य:खेव्य:वर:गी:ळॅट:रेट्। बटः यतः र्र्भेराया प्रवास क्षेत्रा क्षेत्रा स्वास स्वास विद्या <u> द्याः र्र्याः र्वत्राः अभ्यान्याः र्याः र्यत् रर्दा ग्रुषाः र्वतः श्रीः र्ययः यदिः यत्नुदः यत्रदः र्यतः र्वतः र्यदः र्याः र्यदः र्याः र्यदः यश्चितः</u> ब्र त्यन संभी बर्जि ने स्वार्थ के प्राप्त के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ (Emory University) ही ॲॱरै·विंट·र्ळेल'त्वाद'तुर'हें :र्ळद'रीवा वी'र्क्नेर'द्रल'र्ह्येत'रीय'वींक'र्य'र्लेवाल'वाट'त्ळंबल'वादट'वी'ऑट्'रेट्। दे-श्रेब-เผาผู้ลาสาธิสาขึ้นารัสาร์สาระเวเริกานาเพ้รานาร์าวราสะาวผ่อมพาบรัฐราพัราริราริามิลาราหุลิา

स्यान्त्रा विवास क्षेत्र स्वास्त्र स्वास्त्र

पगायः त्यता सः गुपः रेगः प्रते : भ्रूपः द्वारः रूपः रूपः द्वारे द्वारे द्वारे स्वीतः मित्रः म र्ळन् अर्धेद्र र्धे रेत्। नेते दरायाकृश्वाराठ्या बीदायराळ्ना या रेवा यति क्रें रायायश्री रायान्य वि ર્ધે ખેંત્ : તેત્ | સૂના પત્ર : તુ : સૂના ત્ર : ના ર્ક્ષ્ટના અંત્ર : અંત્રેના અંત્ર : તેત્રા અંત્ર : તેત્રા અંત્ર : અં . इ.स.कृते सुन्न कार्स्र व्याप्त स्थापित रेन्। ड्वीर·वन्दः&न्ःअःरेगःधःन्दः तद्येत्यःवःॲन्ःधःत्यनः धरेः चुः वःचेन् ःश्रूद्वःन्दः। नवदः वेषः श्लेः श्लेरः वल'प्यत्रन्'र्याम्नार'त्रक्ष्य्रल'र्सेन्'रेन्। ने'प्यत्नेव'नु'श्रृ'गुप्य'क्ष्म्र्य'वल्य'क्ष्यावल्या'व। गर्डे'र्से'ने'ध्री'न्स्रिं सेन्। ह्रेन्र' है'दी'र्नेद'झ्रग्यी'[ george bishop berkeley ] रग'यब'क'दाबग'ब| बी'झ'द'बब'बेद'ब'बेद'ब'क'बेय'दब' बॅ्ट-कग-र-धेद-दा भेट-बॅ्ट-कग-दय-यर-धुट-रादे-ब्रु-ने-धॅट-बेट-ब्रॅ--ग्री-ब्रु-क-ने-वर्-थॅट-रेट्। बेबब-र्रे'वैग'ल'पन्नेष'ब्र्य'वेप'एड्ग'ग्रेन्'पर्य'घपष'लय'वेग'र्षेन्'रेन्। दे'र'र्स्वर'ख्र'लेब'द्युप'ब'पग'र्रे'र्षेन' रेन्। ८.क्टॅंदे:मन्द्र-लग्गु:र्बर:पिमान्द्रल:मब्द्र-अर:र्ध:बेमा-पन्ध:न्मॅल:र:धेद:नुल। र्बन्:अ:रेमा-ध:न्दः। न्सु: गन्दरायाः मृत्याः व्याप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्व बतर रेट्। तम्तः १८ वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः प्रवाधः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः



बावकाः युनः रेदः चॅरः केरः वॅनः ग्रीः बावकाः पः वावदः न्नः वायन् । नः विवाः व्यनः रेन्। व्यनः द्वाः वावदः नः ह พ८.४। अहिंग, ट्रेन. ब्रैंग्रथ, ट्रक्नेंश्रथ, ट्रेंथ, ट्रक्नें, विंग, ग्रीथ, ट्रेंट, ये. प्रांचें प्रांचें, व्रेंप, बर्दन्रॅपन्ने मुद्रन्त्वावा केवा सेन् तर्वा क्रेंद्रावा स्वापन्द्रावा स्वापन्या स्वापन्द्रावा स्वापन्द्रावा स्वापन्द्रावा स्वापन्द्रावा स्वापन *चै।*ॱऄ॔ॸ्ॱॸेॸ्ॱॸॖ॓। ॸ्ऄॱक़ॱॸॱख़ॺॱॴॖॺॺॱय़ॱॸॆॱढ़ॸॖॱऄ॔ॸ्ॱॸ॓ॸऻ ॸॆक़ऀॱॿॸ॒ॱॺज़ॸॱख़ॱॸॺॵज़ॺॱॻॺख़ॱॻऻॸॱख़ॸॱऄ॔ॸ॒ॱॺॱ रेन्। भैवःवतरःहते:न्गे:स्गःअरःधं:बिगःन्धे:ळ:्णगःधं:ळगषःज्ञु:ने। ह्यःने:नुषःवयःन्धेव:हे:दुह:वेषःग्रीः ૹૣૢૺઌૹ੶૬ૢૹ੶ૹૹ૾ૢૼઌૢૹ੶૾૾ૼ੶ૡૹ૽ૢૼ<sup>੶</sup>ઌ૽૾૾ૺૡૻૡ૽૱ૺૢ૽૽૽૱ૢૺઌૹ૽૽ઌૡઌૢઌ૱ૹ૾૱ૡ૽ૼ૾ૡૻૡ૽૽૱૱ઌ૽૽૱ૹ૽ૼૡૹઌ૽ૣૼઌૢ૽ૡ૱ त्पर्याः क्रियाः त्र्योत्यः क्रुयाः वी याः सेन्। यार्श्वयाः त्याः होतः याः ने क्रियः त्यायाः होतः स्वायः स्वाय वयः क्षेत्रा त्र्रोत्यः मुना पर्दः शुनावः श्रॅत्यः सः वयः पॅदः यः नेदा द्येनः व। यर्गवः पॅर ग्लाः श्लूतः ग्लीः द्यः सः पः नेवा नयः रतः च्चेर-रहः संर त्र्रीयः सः मुगः वीः ऑर-दा येगवाः भ्वुर-रहः संर-धिगः भ्वुहः यावतः धितः ता यर्गः तवा सर्गः तवा क्षे'ळेन' त्र्योत' क्षुर' न्मॅल' रेन्। ने' बीब' र्नेब' न्म' क्षेंर' आवब' बीम' धीब' बा। नमात' माबन' र्नेमल' मार्छन' चुला। ने' न' <u> इ.ज.च.चे.चे.ज.ज.चूर्यकालूट, वार्चर, वार्चर,विर.चेब.केव.जीवालूच,जूल,लूल,लूट,वार्च्य,वार्चर,वार्चर,वार्चर,वार्</u>च चुर्त्रा हेन्द्र्या र्क्षेत्र स्वर्त्य र्वे त्र स्वर्त्ते देश्च त्र स्वर्त्ते त्र स्वर्त्ते त्र स्वर्त्त स्वर् वतर कुर वर्ष प्रभृत्र शुरि श्रुं अरे र र र कें पेंद प्रथा अर्घर विषा पे तर्ष क्षा प्रयास्त्र ही विषा की दर पर्मे श्रीर `*ॺॕॺॺॱ*ळेॱय़ॱॲ॔॔॔॔ॱॸ॓ऀॸऻ ॸ॓ॱऄॺॱॺॱॺज़ॸॱख़ॺॺॱॺॸॱक़ॱॲ॔॔॔ॱख़य़ॱॺॸॱॹॗॺॱॿॖ॔ज़ॱॻॖऀॱॸ॓ॸऻ ॸ॓ढ़ऀॱॿॸॱॹॗॱॺॱॐ॔ढ़ऀॱॸ॔ऄॱ प्ति-'ग्रह्म-'अप्वर'क्कॅ:सुन-'ब्रह-'प्रेन्य ने 'व्य-न्यो'क्तर'क्कॅश'क्टॅर'व्य-न्यात'व्यय-कुण-न्यॅव्य-व्योग्रेन्। क्टॅर्न'व्य-दे'विंग'र्हु'ळ्टा'रा'च्चेर''द्र्येल'रुब''द्रगाद'खल' कुम''द्र्येल' हुम''मे 'रेर्द्रा द्र्वेल'चदे' श्चर' खांद्रीयल' ऍट'रुबा बेर्द व-श्री-प्रद्युद्र-प्रति-प्रद्योवा-पा-दे-ध्रिंग्रवा-सूद्र-क्रिया-ग्राम्य-ग्राम्य-गर्ने द्र-देन्। वेग्रवा-सूद्र-व्य-प्राम्बिन्नपर्नि-।सेन्-सूर्य-प्राम्बिन्-प्रम् पर्याण्याब्र र्ष्या पर तर्दे र प्र दे रे वे र र र प्र बे वे स्था प्र वे त्र वे विषय विषय विषय विषय विषय विषय व ॅमॅॱपर-च्चित्र-पर-बी·प्रकुर-रें। विषा-मुख्य-षा-पा-दे-५-७८-मी-मुबद्-प्यमम्:बेद-पे-रेद-पुर्म दे-बोद-दि-बोद-रायाः द्वितः चेरः तः देः क्रॅंबाः मृत्रेवाः ग्रीः तरः त्यः रहः त्वित्रः ग्रीः त्र्वेताः तः विमाः कम्बाः प्रॅहः त्या वेः देः दः तः त्यः रहः क्रवः खुः 



यस्यात्मात्मात्मात्मेन्न्यात्मेन्न्यात्मेन्न्यात्मेन्न्यात्मेन्यात्मेन्यात्मेन्यात्मेन्यात्मेन्यात्मेन्यात्मेन विष्यात्मेन्यात्मेन्न्यात्मेन्न्यात्मेन्न्यात्मेन्यात्

चगातः द्री क्षुं क्षेत्रणीयः त्रान्तरः द्रिवितः श्लेत्रात्याः वृत्तः वृत् तृत्राः वृत्तः वृतः वृत्तः वृतः वृत्तः वृत्तः वृत्तः वृत्तः वृत्तः वृत्तः वृत्तः वृत्

प्रमातः त्यत्र। दे क्रिंगः प्रः क्रं पॅरेट्। प्रमाप्तक्षारा धीवः व। पॅट् प्रमार्थेवा पॅति। युत्यः पुः वरः क्रं बरः कॅंबान्दराष्ट्री अरनेत्। दे न्दरस्य स्वयाध्यय प्रदासन् । सुवाबाविवा विवा विवा विवा विवासिक । से विवासिक वि बर रं रेन्। भेव वतर। हिन्यर ग्रेग ग्राम भेंन रेन् रेन्। वर कॅंब ग्री हिन् कॅंब सुव बॅंद वा भेव राने कें অর্মের মার্মার্মের জির দের ক্রির করে। বর ক্রেমার মার্ক্তর নামুন দ্রান্ম করে। বর্মার ক্রিমার ক্রিমার ক্রিমার ক্রিমার করে। বর্মার ক্রিমার ক্রিমার ক্রিমার ক্রিমার করে। বর্মার ক্রিমার ক্রিমার ক্রিমার করে। বর্মার ক্রিমার করে। বর্মার ক্রিমার করে। বর্মার ক্রিমার করে। বর্মার ক ૄૹૄૼૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૹૹૹ૾ૢૢ૽ઽ૽૽ૣૻ૾ઌૹ૾ૢૼૹૹૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૹૢ૽ઌઌ૽ૹૹૹૢ૽ૼઌૢઽ૾ૹ૾ૢૹૹ૽ૼઌૹૹ૽૽ઌ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽૱ૡ૽ૻઌૹ૽ૢ૱ૹૢૹ૽ૹઌૹ૽૽ૢૹ૽ૢ૽૱ૡ त्यायाः मुद्राकेदः सेत्रा स्वीर मी सेत्। दे द्वाराकेवा द्वारा यहीया प्रदेश में वर्षा मुश्चीय क्वार्या वर्षा द र्<del>य</del> : क्रेल : प्रमाद : माल क्रेल : कॅल. टे. थें त. ब्रिंचाल. थी. विच. ख्रील. कुथ. त्र. (बुच. पर्चे. ची. प्रट. टेंच की. थी. पर्चे ची. ब्रींचाल. ची. चेंचाल. क्रिंचाल. विचा. श्राट. र्से'बैग'र्षेन्। ने'ब'र्नर्न्स्कॅं'र्नेन्'स'र्ळेब'न्युब्र'स'धेद'द्र| ५'ठ्न'धुन'ग्री'ब्र्नुग'न्वब्रा'वी'रेन्। धेद'द्रवर्न्ष यव्या ग्री: द्वार: तु: पुर्य: कुर: कुर: कुर: कुर: देद। यः यव्यय: यादेय: यादेव: बर-प्रविद:ऍर-क्रु-५-७र-(षण-र्र-२ेन्। धेद-द्रदर-। दर-क्रॅब-२े-द्र्य-हुँग्बा-ग्री-नेब-ऍद-७द-५८-। प्रवय:नेब-ठवा श्रे भारत है न पेंद्र श्राप्त । द्रश्रेण परवाय केंवा या दें हिन श्रेप श्राप्त केंवा दें हैं का दें हैं के प - ५८ । भे ५ : व अ : २ : र्क्टं ५ ५ : पा र्चे ४ : पर्दे व : से ६ । पी व : व परः । व व : र्क्टं य : परः ने : र्के ४ : ५८ : र्वे व व : र्के व : प्राया व व : र्वे व : प्राया व : र्वे व : र्व पषाक्तुः सळ्दाया सर्वेदाचा द्वार्याया ब्रह्माया स्वराया स्वराया स्वराया स्वराया स्वराया स्वराया स्वराया स्वराय

चगायःद्री गरःवेदःदेशःबेदःक्ष्यःचक्चदःश्चेःदरः। चेःचगःषःश्चःपयःश्चेरःयःदर्गद्यःयःचवेदःश्चेंगवःगरःर्यदःयःदरः।



ज़ॴॴढ़ॣॳॱॻॖॖॖॖॖ॓॔ॱढ़ॣॴॱॸऻॴॾॱॴॗॹॖॴऒऄॖॱॳ॔ऄ॔ॴॴऒ ॔ऀॴक़ॣॖॖॖॖ॔॔ॱॻऻऄॺऺॱॳॎॕॾॱढ़ॺऺॱॳॻऺॗॹऻॴऒऄॖॱॳ॔ऄ॔ॴऒऒ

चगायः त्यत्र। ने खु । वन में सेन । माराम केन में में प्रमुख माराम केन में सेन  $abla = \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) - \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) - \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) - \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) - \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) - \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) - \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) - \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) - \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) - \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) - \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) - \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) - \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) - \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) - \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) - \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) - \frac{1}{2} \left($ रेन। ग्रन्थ्रामुःग्रन्तुःव्रन्थाःवृत्रव्यामुन्ध्रिवःपदिःह्यासुःचन्गःवामुगःव्यव्यन्तेन्त्रान्याक्ष्याव्याव्यान्य रेन्। देते 'र्वेग'ल कॅब लुगब 'दवेद 'दव्विर'य ग्रुब स्वरंग्य प्रश्वास धिद द्वा अर्ह्न हेब 'र्वेब' देवा हु। द्वी 'खेबाबा बाबुबा, बाबुबा, बाबुबा, कुन्न, बाबुवा, कुन्न, बुन्न, बुन् यदै पक्षुन दिस्त रेन। व्याप्य प्राप्य खुम्बर्धाते द्वी प्रमेष क्रूर है द्वा ग्रीबर नेम्बरमहिराय सुर्र्मेष रेट यात ग्री ब्रिट्र ट क्रूर महीमा विषय महिराय सुर् <u> पत्रावर कंद अदि क्रेंद प्वित्र प्रेंद विशेष प्रेंद विश्वर क्रेंद अदि क्रेंद क्रेंद क्रेंद दे विश्वर दे विशेष क्रेंद क्रेंद विशेष क्रेंद क्रेंद क्रेंद विशेष क्रेंद क्</u> रातुः बाङ्गाः प्रदः वीः त्वीतारा मुनाः सूरवा द्राद्यां रवा पात्रवेदः सुनावा नादा तर्वा वर्षा वर्षा द्रावा वर्षा वरम वर्षा वर्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वरम वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा चलमान् स्मानीः र्कत् स्वारी क्रुन स्ट्रिन स्ता वितायानामान समाना समान स्वारी स्वार्थ स्वार्थ स्वारी स्वारी स्व षायहःश्ची प्रमुद्रःश्चेत्यः मृत्रेष्यः दरः पः रेद्। दः दमे सुमुष्यः पः विमानी देषा दषा दूरः श्चेरः बुषः पः धिदः द। द्यतः सूदः ૽૽૱'ભ'ૡશેભ'વ9૬'નુવાનુંદે'ક૬'૬ૹ'અ'ધ&'છું'વાલુદ'દેર'અદભ'૱'ભઅ'ૠુ'વ'ઍ૬'રે૬૧ ફ્રેક્ટિંદ્ર ૬૬ંજાપદે' मृद्धिः अध्यात्रः अः यहाँ मृत्यः अम्याद्यः स्यात्रः स्यात्रः अस्यात्रः अस्यात्रः अस्यात्रः अस्यात्रः अस्यात्रः मुल'र्क्च'रूट'। यावर्षामुच'मुं'र्क्च'यदे'वृत्त्र्द्र'र्क्चर'यहल'च'धेद'द्र। र्षाःभुदे'त्व्दर्र्यट्रायाधेद'यदे'विदर् देरःगर्देरःग्रेट्रत्यांत्रःश्रूट्यःस्वयःग्रीकायःश्रुःरदःगीःस्यायःदेःगवयःत्रःदर्यःतरःध्वरःध्वयःर्धेन्।देःस्ररःग्रुयः वःसवतः दॅवः वॅदः पः रदः वीः वृः य्वतः ग्रीः र्ढदः अर्धवः वॅाळणवाग्रीः रेदा वाः क्षुः वाः देदः वदः वाः व्याव वः सवतः देवः वेदः वदः विः वृः यादः विवायः विव विवायः विवाय र्रे 'ॲंन् 'तेन 'ते। बार्यहाम्ची मुब्द 'ते 'क्कॅंन 'तें 'क्कॅंन 'कु' सुं 'ते 'तेन बारमिब 'बि' बुवाब 'पिया बार के ' [पया क्रिया दि । यह दे दे विकास क्षा विदेश है अप विकास के स्वार्थ के स्वार्थ



ब्या. मू. प्रथा तपु. पर्जीजा सा म्हेया सा प्रचान किया मूलिया स्वान स्वा

ૹૄ૾ૢૺૠઌૢઌૹૻ૱૽ૢૼ૱ૹ૾૽૱ૹ૾૽ૹૹ૽ૢૼૹૼઌૣૹઌઌઌૣઌ૽૽૱ઌૹ૱ૹ૽ૢ૾ૺૹ૾ઌૢઌઌ૽૽૱૽૽ૺ૱ૡૻૹ૽ૹ૽૽૱ૡ૽૽૱૱૱૱ૺૹ૽ यतः बेलः रॅंग्ल्ने तुः तेन्। मृत्रूनः केदः रॅंग्ल्लेंनः कुन्ने हॅमा लॅंग्द्रूलः न्व्यूलः न्व्यूलः न्व्यूलः न्व ૹૻૼ૾ઽૢૢ૽૾ૹઌ૽૾ૺૡૢ૾૽ઌ૽૽ઽૢ૽૾૽ઌૹ૽૽૾ઌ૽ૡ૽૽ૼૹ૽ઌ૽ઌઌ૽ૹ૽૽ૹ૽૾ૹ૽૽૾ૹ૽ઌ૽૽ઌ૽૱ઌ૽ૹ૽૱ૡૡ૽૽ૺઌ૽૽૱ૹૹ૽ૼૡ૽ૺ रैग'गदबर्भो'ऑरब'ग्री'र्वेग'दबरप्रेव'राधेव'द। पगदर्देद'के'र्वेब'दे'र्बेल'रे'र्बेब'हे'ब'राहाकगबर्पस्र ऑर्'रेर्। दे-इब-दर्धेद-लूट-अप्वर-बुब-बुब-प्रकार-जूब-दान्नुव-दान्त्र्य-दान्त्र-दान्त्र्य-दान्त्र्य-दान्त्र-दान्त-दान्त्र-दान्त-दान्त-दान्त-दान्त-दान्त्र-दान्त-दान्त-दान्त-दान्त-दान्त-भ्रम्य देर व्याप्त विष्य प्रमाणक के स्वापक के स त्यम् राये सामान्य स्वाप्त स्वर्णा माने माने सामान्य स्वर्णा सामान्य स्वर्णा सामान्य स्वर्णा सामान्य स्वर्णा सामान्य स्वर्णा सामान्य स मै। तर्म राप्ता संप्ता में राया र्क्षा संपाद स्था त्रीया शुम्रा के दार्था थे। तर्म । र्क्षा साम्रा स्था से रा धीद:रुष:ष:प:प:ह:ब:धेवष:बॅ|८:रु:व|बद:बेव्य:५८:। वहवाष:[व८वा:]ध्य:दर्बे:ह्र्मरष:क्रॅ्रेर:य:व.४८:५:४अ: बी'तर्म हुँमल'ग्नर-दर'ळूँल'मेमल'ग्नी'चषुर्र-त'मङ्ग्-त्यं,मृश्चिमामेषय,सुल'स्ट-तील,सुर-तार्म्ना हे.सार्घानीसा रैग्रयः गृहेरः प्रगृदः र्र्डेयः गृदरः श्लेः गृदेः द्रवा दर्या दर्यायः भृग्रवः केदः रॅग्लूः क्रुदिः ययः गृः श्लेयः अपिदः देः वर यह रेट्। दे र्क्केंदे र्श्नेर दे राज्ञुदे रेंया द्वा गुट अधिद स्ताद प्या में प्येंट रेट्। यहँर दाया या स्तर्भी देॱॺॱॠॖॱक़ॖॖॖॖॖॖॖॖॖॸॱॵॱॺॖॕॺॱॴॱॺऻॾ॔॔ॸॱॾॖॆॺॱऒॕॸॱॴॱदेॱॸॗॕॺॕॸॺॱॴख़ॸॎऻढ़॓ॸॱॻॸॱज़ॕॸॱक़ॗऀढ़ऀॱक़ॆॺॱऒॿॕढ़ऀॱॸऀॺॱॻऻॿॖॸॱॵॱ `ষ্ট্রল'অ'অর্হ্রে-ছিম'ল'रे'ॲट्'बीदा ट्रोर'दा येगम'झूर'ग्री'ङ्गद्र'ट्रम'र्येट्'অ'ষ্ট্রল'অर'पुर'ॲट'अपिदा [द्रुह'ਘ'

<u>५८ । २ क्रि. क्रु. क्रु. ज्या क्रि. क्रु. ज्या क्रि. क्रु. ज्या </u> ત્રેન' અ' महिंगुब' खेगुब' ख़ुत्र' ग्री' [बीही, मुबीही'] [niti shastra] दे' चेंद' ख' तुत्र' खेंद' अग्वब' ब' प्रहारे दे | दे' धीव' दुव' क़ु ऍटबारबबार्यन् मी:केबायर्वेते:रेवा:वादबारने:श्रृंबा:ऍटबार्स्वाबा:ग्रुबा:हे। देते:दटा:वा:बारवारं ग्री:बर्ट्ट्वावार देते बदःर्द्धन यादे प्रवास ग्रीका श्री द्विताया सेनादी है गाँठेगा सु श्रीबन यम। वॅदा श्री व्यवसार का का का ग्री हिन ळॅल' द्युव'ॲंट' अ'धीव' प' अर्वेंट' द्युव' प' च्रीट्' क्युं ट्रे' गवट्' त्याग' सेट्र| ट्रे' श्रीव' श्लवला त्यात' सेट ' च्रिट्' अर्ळर ' र्थें' त्र्या द्येर व। शुम्राह्मवा मानेका ता का क्रुति वद विषा पर्योपा पा प्रेंद रेदा बि.सु.सॅ. क्रेव स्था तर मार्केव व। वा क्रु.स रेदा મૂં. ૮ૹૹ. તથા. યોલ. તાંત્રીયા તા જાદ્દર, ભૂરે . કુરી ભૂષ . થલરા ! વક્સ ટ્રીર. યો. વધર. તાં જોવા જોવા જીવા. જો જ - ८८: ह्र गुरु: त्र गुरु: में : कें : प्राप्त : कें : **इ.च.ब्य. १.५८ में । १.च.च.१. १.५८ में १.५८ में** ॱ ऄॕॣॕॕॕ॔ॱॺॺॱय़ड़ॱॾॕॗ॔॔॔ॱॻॖऀॱय़ॺ॔॔ॱॱय़ॱॺॸॱय़ॕॱॲ॔॔॔ॱॸ॓॔ड़ऻ ॸ॔ऄॸॱॺऻॖ ॳ॒ॸॱय़ॾॣऄऀॱॿॱक़ॗॸऻ ॾऀॱऄॗॸऻ ॸ॓ॱऄॗॸॱॸॸॱऻॾऀॱढ़ॗॸऻ ॸ॓ॱ ॱढ़ॖॸॱख़ॱॺॕॺऻॺॱॺॱॻऺॖॸॱॻॖऀॱॺऻॿॖॸॱढ़ॸॱॿॱक़ॗॸॱॸ॔ऄॺऻॺॱॻॺख़ॱॿॕढ़ॱॻॖऀॱढ़ॸॖॺऻॗॸ॓ॱॾॕढ़ऀॱॸऀॺऻॺॱॸॻॖऀढ़ॱॾऀढ़ऀॱढ़ॸॱऒ॔ॸॱॸ॓ॸऻॗ [[पॅबर=हर-तैना [conjunctive] बेर-क्री-ऑन्-रेन-] ने-न्ह-ध-श्लुन-नॅब-ग्रेंग-ध-ल-ध-क्र-क्री-प्लून-ब्रह-ऑन्-की-युन्न टे.क्र.क्र्यानक्रून्यावद्रास्तरे,शुअाह्मावायदेशयावद्रक्रियाद्रास्तरः व्यावायस्य वाज्ञाद्रास्तराक्रीयावद्राः क्ष्यागुराकाराहानुः महाराज्यार्दे द्वारा मुकाकार्या दे क्ष्या महाराज्यात्रा महाराज्यात पांचामार्त्रमाना निः न्दः तद्वीत्यानः स्पेन् त्यतिः श्लेनः त्याः कुः केः त्यां न्वाना निमाना निमान  $+ \frac{1}{2} \sum_{i=1}^{n} \frac$  $+\cdot\cdot\cdot \mathbb{A}_{a}\cdot \mathbb{A}_{a}$ ह्यां ग्री तर्म दे क्रिं ह्य क्रें मा अपने प्रति से मा सम्मान स्वर्म क्षेत्र मा स्वर्म क्रिं ह्य क्रिं ह्य क्रि



त्या-देश, पट्टे-तपु, पक्षेष्य, पट्ट्य, चिना-द्रपा, चिना-द्रपाय, प्राप्त, प्रमुक्ष प्राप्त, प्रमुक्ष प्राप्त, प्रमुक्ष प

तर्गः है। दे·बःरेदः त्यवः ग्रैः ॲद्। ज्ञुवः रवमः देः हेषः ब्यदेः र्जेबः वर्षे रेद। वर्देदः वह्नदः देः कः कः मीः क्षुदः दगः प्याः र्थे 'पॅर-रेर्। रुष'गुर-पञ्चुर-ध'पेबा रे 'कॅ्ब'र्चीब'हैर'[ Jeffrey Hopkins ]पञ्चुर-प-रे केंग'क्षुग'रेर-(र्ग रवै' त्र्युरःग्रवरः धः देः व्रेंद्रः ग्रव्याः र्षेत्। दवः श्लेदः ह्याः रहः वीः व्रेंयाः दवः वर्षः पश्लेदः। देवैः व्रेंयाः वर्षाः वर्षाः दहः। त्रचेत्रान्तरे क्रम् रान्तरे क्रें रान्नी प्रमुद्धार ( essay ) क्रेन् क्रिं अप्तीयात्र यानु रान्निया प्रमुद्धार कॅर-पिट-प्य-प्यत्र-पर्हेम्-तृष-गुर-मितृय-कुट्-मिबेर-घट-५८-। येम्बर-घुट-घट-अर्हेट्-मिनुबर-घटे-घरेन्य-मिबेब-धेद्र'म्बुट्र्य'स'सेट्र| म्बद्र'ट्र्म'चक्क्ष्मय'स'धेद्र'द्रद्रि'म्बुव्य'स'स्क्क्ष्मय'स'ग्रुव्य'म्बुट्य'स्ट्र्म ।सेम्बर' · क्षुत्र-प्रप्तः अर्ह्मित् । अर्थायात्र । क्षुत्रः भीत्रा अपितः तुरः पुः । अतः अपितः विकासितः । अपितः विकासित र्द्याः मायाः क्रेत्रः संस्थाः नेद्रा देदः सदः मात्रदः त्यामाः क्रमायाः कुरः मात्रयः क्रुदः मात्रयः सदः सेद्रा मात्रयः क्रुदः मात्रयः स् बरः वी बरः र् रे रे क्रेंबर वेंदर ग्री क्रिया वादीया वादर येंदर क्रीबर दरा। बीह्न त्यरः बरः क्रेंबर दर क्रेंद्र व्रावाय क्रिया वादर वि ळॅंबर दॅन् :धेना:ळेंना:क्ष्र्ना:वर्द्री:पर्द:श्नरवा:वाळंब्रबा:वॉर्ह्ना:बा:बार्या:दबा:दबा:दमादा:ववा:दिन:ग्री:ऑन् सेना दवा। दवा। त्यःसँग्रायानान्तः नुः सर्व्यस्य तहें गः नृर्योषः स्रीदः नृत्यातः त्यसः प्यनः नेत्रा सर्वयस्य स्थानः स्थानः स ब्राङ्गम्बार्यस्य त्र्वेर प्रमृतः दुवार्यः अष्ट्रायः स्त्रायः प्रमृतः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः ભાષાની જ્ઞાન ક્ષ્યા કરાયા ત્રાસ્ત્રાયા તર્ફાના ક્ષેત્ર અને નિક્સાની સ્થાની સ્થા पःणवाः वृत्रवाः शः अर्थेनः वृः प्याः वृत्रवाः वृत्यः वृत्रवाः वृत्यः वृत्यः वृत्रवाः वृत्रवाः वृत्रवाः वृत्रवाः वृत्रवाः वृत्रवाः वृत्यः वृत्यः वृत्रवाः वृत्रवाः वृत्रवाः वृत्रवाः वृत्रवाः वृत्रवाः वृत्रवाः वृत्रवाः वृत्रवाः वृत्यः वृत्यः वृत्यः वृत्रवाः वृत्यः वृत्यः वित्रवे वित्यः वित्रवे वित्यः वित्यः वित्यः वित्यः वित्यः <u>ॱढ़ऀॺऻॱय़ॸॱॸॕॖॱक़ॖॖऀख़ॱॸय़ॺॱख़ॱय़ॳॸॣॱॳॱॺऻढ़ॸॱय़य़ऀॱऄॣय़ॺॱॶऀॱॸॗ॓ॸॱॸय़ॺॱॻॖऀॱढ़ॗऀख़ॱॸ॔ॸॱऻॺऻढ़य़ॱॾऺॺॱय़ढ़ॹॱॸऻढ़ॴॱॸॗऄ॒ॸॱॶ</u> · क्षेट्रका क्षेत्रवादेते के क्षेत्रकातः क्षेत्रकातः द्वारा क्षेत्रकात् क्षेत्रकात् क्षेत्रकात् क्षेत्रकात् क्ष बदःऑदःबःरेद्रा देःक्षंःष्ठीःमुत्यःबबःद्येःन्नुद्रवःयःयःरेद्रा बर्देरःबःद्ये।क्रॅबःयिदःयेवबःदुबःदेःयदःवःवःयवःयः देन्। यटावा छुटाष्ट्री:न्वावायादेन्। यटान्टायाबुवावा न्वो:क्रॅवाविटाक्षी:क्रॅवायावायावादाक्षेत्रायावादा श्चेत्र गशुप्तराग्नी ऍप् रायरेत्। श्चॅत्र यायहें श्चप् रेत्तर दें के प्रति भग गी प्रणे क्तर रेत्। प्रयाविष्ट यायग्राय यदी (बुखा गित्राः क्रुनः ग्रेनेरः वरः नेः पञ्चाम्यः प्राथेत। रयः नेः नुयः रेनः रेनः रेनः छः त्यः त्यापा ध्येत। न्योः तनुनः क्रयः त्येत्यः नेः नः



क्र मूर-मु-पस्या पर्स-अरिय-भूम-बर-अर-मंत्रमया

शु. द.र. च.र. चीच. वटीय. कुचे. सू. चीट. । देवीट. जू. टीच. कि. रू. चि. तरा । चर्चच. तया. जूच. ज्या. जूच. जु. च. कुचे. वच्च च. व्या. व्या.

हे. क्ट्रया पकटन, ग्रीया शहर्ट, ता चश्चिर्या शहर्र। ट्यीर, ग्रीर या चिट्ट, श्रीर ज्ञीया है. या, प्रक्रिया प्राप्त, त्रीया वित्र प्राप्त प्राप





## CHO DUNG KARPO SAKYA LITERARY MAGAZINE

Gonkar Choede Monastery
Laldang (Tibetan Colony) Plot Brotiwala,
P.O. Vikas Nagar - 248198
Dehradun, Uttarakhand, India
Email: chodungkarpo@gmail.com
Website: www.chodungkarpo.com